पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002

पोस्ट पंजीयन क्र. 538

माहेश्वरी महिला

जन्माष्टमी की बधाई

* वर्ष : 23
* अंक : 3

जुलाई 2024

मूल्य : बीस रुपए

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

समाज गौरव

आदरणीय ओमजी बिरला

को दोबारा लोकसभाध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई

मंगल प्रबोधन

महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य उद्घाटन करते हुए

समाजसेवा में अनुकरणीय योगदान हेतु

श्रीमती सुशीलाजी काबरा

का सम्मान

श्रीमती रेखा माहेश्वरी मथुरा का अभिनंदन करते रा. संगठन

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

आसाम प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

श्रीमती सरला काबरा
रा. कार्यसमिति सदस्य

श्रीमती पूनम मालपानी
प्रदेश अध्यक्ष

श्रीमती मधु झंवर
प्रदेश सचिव

श्रीमती चंचल राठी
सहप्रभारी संस्कार सिद्धा

श्रीमती रूपा गग्गड़
कोषाध्यक्ष

श्रीमती सुमित्रा चांडक
रा.कार्यकारी मंडल सदस्य

श्रीमती वंदना सोमानी
पूर्व उध्यक्ष पूर्वोत्तर माहे.

श्रीमती यश्मि काबरा राठी
संगठन मंत्री

श्रीमती सीता झंवर
उपाध्यक्ष पूर्वोत्तर

श्रीमती तृप्ति बिहाणी
रा. कार्यकारी

श्रीमती *
रा.कार्यकारी मंडल सदस्य

श्रीमती माया राठी
रा. कार्यकारी मंडल सदस्य

माहेश्वरी महिला
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र
* प्रकाशक *
माहेश्वरी महिला समिति
22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
maheshwarimahilaind@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती मनोरमा लड्ढा
उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू
सचिव
श्रीमती लता लाहोटी
संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी
सदस्य
श्रीमती सुशीला काबरा इन्दौर
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा इन्दौर
श्रीमती रत्नीदेवी काबरा मुंबई
श्रीमती कल्पना गगरानी मुंबई
डॉ. श्रीमती तारा माहेश्वरी अकोला
संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ.लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी
अध्यक्ष-सौ. शैला कलंत्री, वैवला
उपाध्यक्ष-सौ. विनीता लाहोटी, कोटा
सचिव-सौ. उर्मिला झंवर, इन्दौर
सदस्य-सौ. कविता दीवान, मधुरा
सदस्य-सौ. रमा साबू, इन्दौर

संपादकीय

गुरु पूर्णिमा, रक्षा बंधन, स्वतंत्रता दिवस, सातुड़ी तीज, गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी समस्त त्यौहारों की शुभकामना एवं बधाई

सस्नेही बहनों,

भारतीय संस्कृति एक ऐसा वृहद् वृक्ष है, जिसमें वर्षभर मौसम के अनुकूल विभिन्न प्रकार के पर्व रूपी पुष्प व फल खिलते रहते हैं। जो हमें पारिवारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राष्ट्रीयता व स्वास्थ्यवर्धक पोषण देते रहते हैं। हर त्यौहार का विशेष महत्व है, कोई न कोई किसी न किसी प्रकार का संदेश भी देते हैं एवं महत्व भी दर्शाते हैं जिससे सब प्रेरणा ले सकें । इसीलिये प्रतिवर्ष ये त्यौहार मनाये जाते हैं, ताकि हम हमारी संस्कृति को जीवित रख सकें एवं भावी पीढ़ी करो हस्तांतरित कक्षर सकें। हाल ही में महेश नवमी पर्व पर ''साड़ी बाकेथान'' का आयोजन भी हमारी प्राचीन परम्परा व संस्कृति के संरक्षण हेतु आयोजित किया गया। पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे भारत में एक साथ औषधीय पेड़ लगाकर प्रकृति व वातावरण दोनों की सुरक्षा का प्रयास किया गया। इन्दौर में 51 लाख पौधे लगाकर विश्व रिकार्ड बनाया गया। योग दिवस के उपलक्ष्य में स्कूलों में बच्चों से योगा करवाया एवं उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया।

वर्तमान में पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण में हम अपनी संस्कृति व संस्कारों को विस्मृत करते जा रहे हैं, जिसका दुष्परिणाम हम देख रहे हैं-पारिवारिक विघटन, बुजुर्गों का एकाकीपन व असहाय अवस्था, बढ़ते दाम्पत्य विच्छेद, घटती जनसंख्या, विवाह की बढ़ती उम्र आदि समस्या बढ़ती जा रही है। बड़े गर्व से कहते हैं भगवान महेश की संतान हैं हम, तो हम सभी उनके जीवन से उनके परिवार से प्रेरणा लें, तभी पर्व मनाना सार्थक होगा। परिवार में सामंजस्य व घनिष्ठता बनाये रखने के लिये सहनशील भी बनना होगा व धैर्य भी रखना होगा तथा कड़वी बातों का विष भी पीना होगा, जो न उगलें न निगलें। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा है-'यदि भावी पीढ़ी में देश प्रेम की भावना परोपकार, ईमानदारी, सेवा व सामंजस्य की भावना पनप जाये तो देश फिर से सोने की चिड़िया बन सकता है।' यह कार्य परिवार में सभी को स्वयं से शुरू करना होगा।

''मंगल प्रबोधन'' बैठक में नारी को शौर्य सम्मान से नवाजा गया। अनुकरणीय कार्य रहा। संगठन को बधाई। दूसरी बहनें भी इनसे प्रेरणा लें एवं अपनी कला व प्रतिभा को विकसित कर समाज व राष्ट्रोत्थान में सहभागी बनें एवं जिस क्षेत्र में रुचि है उसी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा व ऊर्जा का सदुपयोग करें। राष्ट्रीय महिला संगठन नारी शक्ति को उनके विकास व उत्थान के लिये एक प्लेटफार्म व सुअवसर प्रदान करता है। पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान हेतु नाटक, कविता, नृत्य-नाटिका आदि के माध्यम से संदेश व प्रेरणा देने का प्रशंसनीय कार्य भी करता है। अतः तन-मन-धन, समय व श्रम किसी भी रूप में समाज सेवा कर जीवन को सफल व सार्थक करें। धन्यवाद, जय महेश

सुशीला काबरा, संपादिका-महिला पत्रिका

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी महिला संगठन
(त्रयोदश सत्र 2023-25)

राष्ट्रीय अध्यक्ष
सौ. मंजु बांगड़, कानपुर

राष्ट्रीय महामंत्री
सौ. ज्योति राठी, रायपुर

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
सौ. किरण लढ्ढा, दिल्ली

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा

रा. निवृत्तमान अध्यक्ष
सौ. आशा माहेश्वरी, कोटा

आंचलिक उपाध्यक्ष
सौ. मंजु मानधना, नई दिल्ली
उत्तरांचल
सौ. अनुसूइया मालू, कोल्हापुर
दक्षिणांचल
सौ. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद
मध्यांचल
सौ. गिरिजा सारड़ा, विराटनगर
पूर्वांचल
सौ. मधु बाहेती, कोटा
पश्चिमांचल

आंचलिक संयुक्त मंत्री
सौ. मंजु हुरकट, मेरठ
उत्तरांचल
श्रीमती रेणु सारड़ा, हैदराबाद
दक्षिणांचल
सौ. अनिता जावंधिया, बनखेड़ी
मध्यांचल
सौ. निशा लढ्ढा, कोलकाता
पूर्वांचल
सौ. शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल

कार्यालय मंत्री
सौ. प्रीति तोषनीवाल (कानपुर)

अध्यक्षीय

जहां विश्वास है वही प्रभु का वास है, इसी विश्वास के साथ

प्रिय बहनों, जय उमा महेश। जय श्री राम।

महेश नवमी पर्व की सभी को रा. अध्यक्ष मंजू बांगड़ की ओर से अनंत अनंत शुभकामनाएं।

महेश नवमी का पर्व वैसे तो हर वर्ष ही बहुत उल्लास और उत्साह से मनाया जाता है, किंतु इस वर्ष राष्ट्रीय महिला संगठन के द्वारा साड़ी वॉकेथन का अभूतपूर्व कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत हमारी बहनों ने संस्कारों से जुड़ी हमारी पद्धति एवं पहनावे को सार्थक साबित कर दिखाया।

साड़ी हमारी संस्कृति, हमारा परिधान है... भारतीयता की पहचान है

आज के दौर में साड़ी की इसी पहचान को कायम करने हेतु अष्टसिद्धा एवं संस्कृति सिद्धा समिति के माध्यम से आयोजित साड़ी वॉकेथान कार्यक्रम 8 जून को नेपाल चैप्टर एवं संपूर्ण भारतवर्ष में एक साथ करवाया गया। बारिश, धूप, गर्मी किसी की भी परवाह न करते हुए ग्रास रूट तक की सभी बहनों ने अधिक से अधिक संख्या में उत्साहपूर्वक जुड़कर कामयाबी के नए परचम फहरा दिए। सूर्योदय के साथ ही महिलाएं पीली साड़ी में लाल चुनरी के दुपट्टे के साथ, माथे पर लाल बिंदी, हाथ में कलावा इन सभी मनमोहक श्रृंगार के साथ हमारी भारतीय संस्कृति के सम्मान को सुशोभित कर रही थीं जिसकी जितनी प्रशंसा करें कम है। साड़ी को प्रमोट करते हुए शपथ पत्र के साथ महिला शक्ति के विभिन्न स्वरूप तथा समाज की युवा शक्ति की सहभागिता और उनका सम्मान भी अभिनंदनीय रहा । साड़ी वॉकेथान के बाद मंदिर पूजन के साथ एक और बहुत सुंदर कार्य हुआ, सभी दर्शनार्थियों से शालीन एवं भारतीय परिधान में आने के आग्रह के बोर्ड का भी विमोचन हुआ क्योंकि देवालय हमारी पूजन स्थान है हमारी संस्कृति है हमारी विरासत है.. अतः संस्कारों का सिंचन भक्ति श्रद्धा का भाव प्रयोजन हमारी वेशभूषा से ही झलकता है। इसी सुंदर भावना की प्रस्तुति इस बोर्ड द्वारा सभी दर्शनार्थियों के लिए एक सुंदर संदेश है और भविष्य में भी इसी भावना को विस्तृत करेगी।

एकता बढ़ती है जब हम एकजुट होते हैं
प्रेम और सौहार्द बढ़ता है जब हम परस्पर साझा करते हैं
और संस्कार और संस्कृति तब संभलती है जब हम उसकी परवाह करते हैं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी जगह से कार्यशील प्रोफेशनल बहनों को समाज से जोड़ने की एक पहल थी। संपूर्ण कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की सार्थकता को सिद्ध कर रहा था।

यह एक ऐसा अनोखा कार्यक्रम था, जिसने अपनी अनूठी छाप सभी के दिलों में अंकित कर दी थी। साड़ी वाकेथान की इस अभूतपूर्व सफलता हेतु आप सभी को अप्रतिम बधाई व अनंत शुभकामनाएं।

इस सत्र में भी कुछ प्रमुख लक्ष्य रखे गए थे। जैसे ग्रामीण क्षेत्र में विकास, राष्ट्रीय समस्याओं का निराकरण, पारिवारिक समस्याओं का निदान, युवा पीढ़ी में नैतिक मूल्यों का

बोध, संस्कारों का सृजन, समाज में साइबर क्राइम से जागरूकता, प्रतिभाशाली बहन बेटियों का सम्मान, समाज की जरूरतमन्द बहनों से संपर्क करके आर्थिक एवं शैक्षिक रूप से सशक्त करना अपनी संस्कृति एवं परंपराओं का विकास, महिलाओं के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना, समाज में देहदान रक्तदान एवं नेत्रदान हेतु जागरूकता अभियान के साथ-साथ पारिवारिक समरसता एवं वैवाहिक मूल्यों को स्थापित करना आदि।

अद्भूत, अविस्मरणीय ,अत्यंत ही सराहनीय, अनुपम मंगल प्रबोधन.. जिसकी शब्दों में जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। ठाकुर बांके बिहारी की नगरी वृंदावन धाम में उत्तरांचल पदाधिकारी उपाध्यक्ष मंजु जी मानधना ,संयुक्त मंत्री मंजु हरकुट के सानिध्य में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आयोजकत्व व आतिथ्य में प्रदेश अध्यक्ष कर्मठ नेतृत्वकर्ता मोनिका जी माहेश्वरी, प्रदेश सचिव मनीषा जी राठी, स्वागत अध्यक्ष राष्ट्रीय कार्य समिति विनीता जी राठी, स्वागत मंत्री प्रदेश कोषाध्यक्ष रजनी जी हरकुट, संस्थापक अध्यक्ष मथुरा वासी रेखा जी माहेश्वरी, कविता जी माहेश्वरी संरक्षिका कांता जी संगीता जी, पूजा जी, तथा आयोजक मंडल की टॉप टू बॉटम टीम, एवं सामाजिक बंधुओं को हृदय की गहराइयों से नमन जिनके संयुक्त प्रयासों ने मनोहारी सुव्यवस्थाओं के साथ तन मन धन से पग पग पर साकार करते हुए शुभ संकल्पित मंगल प्रबोधन को बनाया श्रेष्ठतम.. सफलतम।

बुलंद हो गर हौसला तो हर मुट्ठी में मुकाम है
पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मोनिकाषा टीम आपने कर दिखाया वह काम है..
सम्मिलित प्रयासों के हुनर से यह खूबसूरत मंजिल पाई है
मंगल प्रबोधन के सफल आयोजन पर दिल से बधाई है।

संस्था की विदुषी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बहनों का मार्गदर्शन, भगवताचार्य श्री श्री वत्स गोस्वामी जी महाराज के संत आशीर्वचन, Former India TV CEO श्री विनय जी माहेश्वरी का प्रेरक उद्बोधन, सदन में मंचासीन विभूतियों के शानदार वक्तव्य, मुख्य अतिथि के रूप में मथुरा की सांसद हेमा मालिनी जी का वर्चुअल संदेश तथा उद्घाटन कर्ता के रूप में माननीय बेबी रानी जी मौर्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा पूर्ण संबोधन में संगठन के कार्यों की प्रशंसा ने मन को अभिभूत कर दिया..

बेहतर से बेहतरीन बनाने की हसरत जहां पलती है
शमा ए कठिन परिश्रम जहां निरंतर जलती है
केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं समस्त देशवासी पहचानते हैं जिनका शौर्य
संपूर्ण सदन जिनकी उपस्थिति से कृतार्थ हुआ ऐसी है बेबी रानी मौर्य

इस अवसर पर केवल राष्ट्र ही नहीं अंतरराष्ट्रीय जगत में पहचान बनाने वाली हमारे समाज की ख्याति प्राप्त प्रकाश पुंज युवा बेटियों व प्रबुद्ध बहनों को शक्ति वंदनम सम्मान से सम्मानित किया जाना भी अत्यंत प्रेरणादाई रहा...

रेखा सा असीम गौरव दिया
रितु की बहार छाई है
प्रेमलता के प्रेम सी सशक्त
रिचा के गुणों से आत्मविश्वास की खुशबू आई है
अंतरराष्ट्रीय पटल पर खिलाड़ी अनीता संग
मानसी की दमकती छवि ने ज्योतिर्मय तस्वीर बनाई है

शक्ति वंदनम से सम्मानित बहनों को राष्ट्रीय महिला संगठन की मंजुल बधाई है एवं शुभकामनाओं सहित

सौ. मंजु बांगड़,
राष्ट्रीय अध्यक्ष

अपनी बात

दुनियादारी समझदारी

महेश नवमी पर विशेष

माहेश्वरी समाज की उन्नति हेतु महिला एवं महिला संगठनों का उत्तरदायित्व

'महेश नवमी' हमारा उत्पत्ति दिवस, उत्पत्ति से विकास की अनवरत यात्रा। एक उच्च स्थान प्राप्त करने की यशोज्ञान, भगवान शंकर के समक्ष कृतज्ञ होकर नतमस्तक होने का दिन।

'यश' भाव की मूल प्रकृति होती है कि इसे पाने के लिये जी तोड़ मेहनत, साधना, उपासना, संकल्प की आवश्यकता होती है, परंतु प्राप्ति पश्चात इस यश को बनाये रखने के लिये बदलते परिवेश को समझते हुए बदलाव की गुणवत्ता को अपनाते हुए, वक्त से पहले वक्त की आहट को समझते हुए सतर्कता के साथ अपने अस्तित्व की बुलंदी को बरकरार रखने की दिशा में सदैव प्रयत्न रत्न बने रहें।

माहेश्वरी समाज सदैव एक प्रगतिशील समाज रहा है। रोजी-रोटी की तलाश में समय रहते सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकला। चारों दिशाओं में जहां मौका मिला व्यवसाय में पकड़ बनाई। देश की विभिन्नता वाली संस्कृति को समझते हुए जहां गये वहां की भाषा, भोजन, व्यवसाय कला को समझते हुए उस इलाके में अपनी पकड़ बनाई। साथ ही अपने राजस्थान को, वहां के बंधु-बांधवों को भी सशक्त बनाया।

शिक्षा का जब प्रादुर्भाव हुआ तो शिक्षा के महत्व को समझते हुए अपने युवा वर्ग को शिक्षित किया। स्त्री शिक्षा के मामले में भी हम केवल अन्य मारवाड़ी समाज से ही अग्रणी नहीं रहे। भारतीय शिक्षा पद्धति के आंकड़ों में भी अच्छा स्थान बनाया। आज हमारे समाज का 'लिटरेसी रेट' सम्मान जनक है।

वैश्वीकरण की लहर को भी हमने समय रहते समझा। हमारे व्यवसायों को हमने तकनीकी तौर पर मजबूत किया। मार्केटिंग, ब्रांडिंग, सोशल मीडिया ट्रेडिंग के अनुरूप उन्हें ढाल दिया और सफलता में चार चांद लगाये।

इन सब आधारों पर हम माहेश्वरी होने पर गर्व कर सकते हैं। अनवरत यात्रा में अनेकों मोड़ आते हैं और हर मोड़ की नजाकत को समझते हुए उसके लिये मानसिक, शारीरिक रूप से पहले ही तैयार रहना यात्री का प्रथम धर्म है, कर्म है।

ज्ञान, व्यवसाय, धन में हमने बदलते समय के अनुरूप पुरत्वा पैर जमा लिये हैं। अब आवश्यकता है परिवार व्यवस्था में तीव्रता से आई बदलाव की आंधी में अपनी विवाह संस्था, पारिवारिक व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द्र को संभालना।

दुनियादारी के हिसाब से समझदारी यही है कि हवा के रुख को समझने की कोशिश करें और उस पर कार्य करें वरना आंधी तो बड़े और मजबूत पेड़ों को भी उखार देती है।

समाज में सब कुशल मंगल है परंतु शादी संबंध में आने वाली अड़चनें, सगाई टूटना, संबंध विच्छेद की संख्या बढ़ना, रिश्तों में मिठास की कमी, वृद्धावस्था में अकेलापन और नकारात्मकता का अभिशाप की खबरें अब कहीं दबे में तो कहीं खुले में और कहीं कहीं तो न्यायालयों के गलियारों में भी सुनाई दे रही हैं।

उन्नत समाज को उन्नति के लिये इस वैवाहिक, पारिवारिक, सामाजिक संस्था पर गहन मनन चिंतन करना होगा। इसे सबसे पहले दुरुस्त करना होगा, वरना जानते हैं

न कि दीवार में लगी छोटी सी सेंध बड़े-बड़े किलों को ढहा देती है।

इस महत्वपूर्ण कार्य की जवाबदारी अब हर स्तर पर महिला संगठनों को उठानी होगी, क्योंकि बात घर की है और घर घरवाली से बनता या बिगड़ता है।

समाज के समक्ष आई इन चुनौतियों के लिये व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को और सामाजिक स्तर पर महिला संगठनों को कुछ बिंदुओं पर कार्य करना होगा।

1. बच्चों की परवरिश पर ज्यादा और सही ध्यान दे।
2. शिक्षा को ज्ञान के सही अर्थ में समझें और समझायें।
3. बचपन से बच्चों में मानवीय गुणों का विकास करें।
4. बच्चों में सामाजिकता का भाव जगायें और बढ़ाये।
5. शिक्षा के साथ साथ सर्वांगीण विकास करायें।
6. वैश्विक ज्ञान संग अपनी सुदृढ़ सामाजिक, पारिवारिक व्यवस्था की महत्ता बतलायें।
7. युवा लड़के-लड़कियों को गृहस्थाश्रम की खुशियों और जवाबदारियों का अहसास कराते रहें।
8. दाम्पत्य जीवन में कर्त्तव्य और अधिकार का संतुलन समझायें।
9. बचपन से पीढ़ियों के पारिवारिक, सामाजिक सामंजस्य को दिखलायें।
10. परिवार में हर व्यक्ति को उचित स्थान (स्पेस) मिले।
11. संस्कारों की जंजीरों में नहीं अपितु संस्कारों की सुगंधित हवाओं में आधुनिक जीवन पद्धति की जटिलता को समझते-समझाते हुए सामंजस्य बनायें।

अपने-अपने परिवार, गांव, शहर, महानगर, संगठन के अनुरूप ऑनलाइन, ऑफलाइन बैठकों, किस्से, कहानियों, हास-परिहास, तीज-त्यौहारक, ब्याह-शादी, लेक्चर प्रतियोगिता, परिसंवादों, नृत्य, संगीत, नाट्य

जो कर सकते हैं करें।
जहां कर सकते हैं करें।
जैसे कर सकते हैं करें।
बस
समाज को शिखर पर ही बैठाना है
महेश के कैलाश को और ऊंचा उठाना है
महेश नवमी की सार्थकता को सधवाना है।

अनेकों शुभकामनओं संग

-कल्पना गगरानी

खुशखबर.... गर्व की बात है... महिला संगठन को केंद्र सरकार द्वारा 3 पुरस्कार प्राप्त

संचार सिद्धा समिति का 'मेगा नुक्कड़ नाटिका' साइबर अवेयरनेस हेतु आयोजित

गृह मंत्रालय के पास 983 प्रविष्टियां, उसमें 64 प्रविष्टियां अ.भा. माहे. महिला संगठन के प्रदेशों से है। अ.भा.माहश्वरी महिला संगठन अंतर्गत संचार सिद्धा समिति लेकर आई है एक विशेष 'मेगा नुक्कड़ नाटिका' कार्यक्रम। भारत सरकार ने साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस के लिए एक कान्टेस्ट रखी है – 'साइबर अवेयरनेस स्ट्रीट प्ले'। साइबर सिक्युरिटी अवेयरनेस को स्प्रेड करने के लिए आपको भारत सरकार द्वारा दिए हुए सब्जेक्ट्स पर अपने स्ट्रीट प्ले क्रिएट करने हैं जिनको अपने यहां गांव शहर में परफार्म करना है। इसका एक मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध की रोकथाम के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) बनाना और नागरिकों को साइबर स्वच्छता के लिए साइबर सुरक्षा युक्तियां प्रदान करना है। हर्ष की बात है कि केवल 36 घंटे में 5696 बहनें इससे लाभान्वित हुईं। प्रतिभागियों की रचनात्मक प्रवृत्ति का पता लगाना और एक नुक्कड़ नाटक का निर्माण करना जो राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्प लाइन नंबर 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल को पढ़ावा देता है-www.cybercrime.gov.in

राष्ट्रीय अध्यक्ष-श्रीमती मंजु बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्री-श्रीमती ज्योति राठी
राष्ट्रीय संचार सिद्धा समिति प्रदर्शक-उर्मिला कलंत्री * प्रभारी-सीए भाग्यश्री चांडक

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

त्रयोदश सत्र 2023-2026
पर उपकार वचन मन काया

मंजु बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9336117968

ज्योति राठी
राष्ट्रीय महामंत्री
9425513041

शुभकामना सन्देश

स्नेही स्वजन
जय उमा महेश

कृपा जिनकी हमारे ऊपर मां शक्ति का वरदान है
गर्व से जीना सिखाया जिसने हम उस महेश्वर की संतान है

इस वर्ष हमारा वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी 15 जून शनिवार ज्येष्ठ शुक्ल नवमी संवत 2081 को है जिसकी आप सभी को अनंत बधाई– अविरल शुभकामनाएं। हमारी जाति अस्मिता से जुड़े इस पर्व का उल्लास आप सभी के जीवन में खुशियां ही खुशियां बिखेरे और परिवार तथा इष्ट मित्रों सहित आप सदैव सुख स्वास्थ्य समृद्धि व उन्नति से परिपूर्ण रहे।
आज के बदलते हुए परिवेश में हमारी संस्कृति परंपरा एवं संस्कारों का संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। आओ हम सब मिलकर संस्कारगत मूल्यों की परंपराओं के परिवेश में हर्षोल्लास के साथ यह पावन पर्व मनाए और सामाजिक चिंतन के साथ समाज हित कार्य करने का संकल्प करें। सामाजिक उन्नयन के लिए हम सर्वदा प्रयत्नशील रहे। परस्पर प्रेम, सौहार्द एवं सद्भावना के साथ संगठन को और अधिक सुदृढ़ करें। अहम से ऊपर उठकर ईर्ष्या द्वेष भाव को दूर करें। मैं नहीं हम को साकार करें। एक दूसरे के प्रति सहयोग का व्यवहार करें।
भगवान महेश्वर ने सर्व कल्याणार्थ हलाहल का पान किया था और हम उनके वंशज हैं। अतः मन वचन कर्म से सर्वजन हिताय– सर्वजन सुखाय के कार्य में स्वयं लगे तथा औरों को भी प्रेरित करें अर्थात संगठन के उद्घोष पर उपकार वचन मन काया को पूर्णता चरितार्थ करें।
इन्हीं मंगल कामनाओं के साथ महेश नवमी पर्व की मंजुल बधाई.... जय श्री राम

मंजु बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

ज्योति राठी
राष्ट्रीय सचिव

अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति

महेश नवमी के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा आयोजित

साड़ी वाकेथान

8 जून को सफलता पूर्वक संपन्न

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान,
साड़ी है भारतीयता की पहचान।
संस्कृति संरक्षण का लिया प्रण,
साड़ी वॉकथॉन किया धूमधाम से सम्पन्न।।

महेश नवमी पर्व की उत्सव श्रृंखला का आगाज अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा पूरे भारतवर्ष में अष्टसिद्धा एवम संस्कृति सिद्धा समिति के माध्यम से किए गये प्रोजेक्ट साड़ी वाकेथान के साथ बहुत जोरशोर से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड एवं महामंत्री ज्योति जी राठी ने बताया की उनके आह्वान पर संपूर्ण भारत भारतवर्ष तथा नेपाल में सुबह एक साथ एक समय पर सूर्य की पहली किरण के साथ ही महिलाएं एकत्रित होकर साड़ी वॉक के लिए निकल पड़ीं। मॉर्निंग वॉक के रूप में मंदिर पूजन ,सेवा प्रतिभा सम्मान से सजा यह बहुउद्देशीय कार्यक्रम सबके मन को लुभाने वाला रहना जिसने इतर समाज में भी अपनी खुशबू फैलाई तथा एक सुंदर संदेश साड़ी हमारी भारतीय सांस्कृतिक वेशभूषा है के महत्व को समझाया। साड़ी वॉकथॉन का शुभारंभ प्रशासनिक अतिथियों द्वारा फ्लेग दिखा कर किया गया। सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साड़ी हमारा अभिमान के नारे लगाए। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा एवं संगठन मंत्री ममता जी मोदानी ने बताया की पीली साड़ी, लाल दुपट्टा, माथे पर लाल बिंदी तथा हाथ में कलावा बांधे मनमोहक श्रृंगार के साथ सजी-संवरी भारतीय गौरव का मान बढ़ाती हमारे संगठन की टॉप टू बॉटम बहनों का जोश और हर्षोल्लास देखते ही बन रहा था। पुष्पवर्षा तथा ढोल नगाड़े की थाप पर नारी शक्ति द्वारा गीत गाते ,हाथ में बैनर लिए, पंक्तिबद्ध शालीनता से एक साथ चलते हुए भव्य साड़ी वाकेथोन का आयोजन किया गया, जो मंदिरों तक ले जाया गया।

बहनों द्वारा विभिन्न किरदारों जैसे – झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, सुषमा स्वराज, प्रतिमा पाटिल, अहिल्या बाई, लता मंगेशकर, निर्मला सीतारमण, जयललिता, सरोजिनी नायडू, इन्दिरा गांधी, रानी पद्मावती, उषा उत्थुप, स्मृति ईरानी तथा सुधा चंद्रन इत्यादि में सजकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया, एवं नारी शक्ति का सम्मान व्यक्त किया गया। अष्ट सिद्धा समिति की प्रदर्शक मधु जी बाहेती एवं प्रभारी डा नम्रता बियाणी ने कहा कि इस कार्यक्रम में सभी जगह कार्यशील प्रोफेशनल बहनों को विशेष रूप से आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया,इस तरह से उन्हें समाज से जोड़ने की एक पहल की गई।

संस्कृति सिद्धा समिति की प्रदर्शक निशा जी लड्ढा एवं प्रभारी प्रेमा जी झंवर ने बताया कि सभी जगह ही मंदिरों में बोर्ड का अनावरण किया गया। जिसमें महिलाओं को मंदिरों में ,धार्मिक स्थलों एवं समाज के कार्यक्रम में शालीन वस्त्र पहनकर आने का आह्वान किया गया । बड़े गर्व की बात है कि संपूर्ण भारत की 31,944 बहनों ने भाग लिया एवं सभी बहनों ने एक साथ शपथ भी ली कि वो अपनी साड़ी पहनने की प्रथा को गर्व एवम सम्मान प्रदान कर सांस्कृतिक धरोहर को संजोएंगे तथा अगली पीढ़ी को प्रोत्साहित कर इस विरासत को आगे पहुंचाने की भरसक कोशिश करेंगे।

विदर्भ प्रदेश में सर्वाधिक 5831 बहनों ने साड़ी वाकेथान में भाग लिया। मन्दिर के प्रांगण में पहुंचकर सभी ने सामूहिक पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात पधारे मुख्य अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय संगठन से प्रेषित महत्त्वपूर्ण संदेश लिखित बोर्ड का अनावरण किया गया। संगठन पदाधिकारी, समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य बुद्धिजीवी जन तथा आमंत्रित प्रशासनिक अधिकारियों सहित सभी ने अपने वक्तव्य में कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अंत में सेवा कार्य छाछ/शरबत वितरण, वृक्षारोपण आदि भी सभी संगठनों द्वारा किया गया। साड़ी वॉकथॉन का उद्देश्य ना केवल साड़ी की महत्ता को दर्शाना था अपितु भारतीय संस्कृति एवं विलुप्त होती परपराओं को पुनर्जीवित कर अपनी आन-बान-शानयुक्त मर्यादापूर्ण परिधान साड़ी को आधुनिक परिवेश में पहचान दिलाना भी था। इस आयोजन के जरिए जन-जन तक यह सन्देश पहुंचाया गया कि

साड़ी नारी का श्रृंगार हैं, सौंदर्य का आधार हैं,
साड़ी भारतीय नारी की अद्वितीय पहचान है।

अध्यात्मिक व सात्विक परिधान हैं, तथा अपनी संस्कृति का सम्मान है। सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के आह्वान पर स्थानीय,जिला एवं प्रदेश महिला संगठनो ने जोश एवं उत्साह से इस कार्यक्रम को किया। अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा किए गए इस अभिनव प्रयास की सराहना भी की गई। समाज के बंधुओं द्वारा इस अवसर पर कई जगह कार्यक्रम में महिलाओं का पुष्पों से स्वागत किया गया। लस्सी,आइसक्रीम, शरबत, छाछ, जलपान तथा प्रसाद वितरण से इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

यह साड़ी वॉकेथान एक अभूतपूर्व सफल कार्यक्रम रहा। समाज में सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में अष्ट सिद्धा समिति के सभी सहप्रभारियों अनुजा जी काबरा, रितु जी मूंदड़ा, माधुरी जी मोदी,डा उर्वशी जी साबू एवं शोभा जी भूतड़ा का विशेष योगदान रहा।

सौ. नम्रता बियाणी
प्रभारी, अष्ट सिद्धा समिति

अभिनंदन

श्री माहेश्वरी समाज, इन्दौर जिला द्वारा सुशीलाजी काबरा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का

अभिनंदन-पत्र

श्रीमती सुशीलाजी काबरा

श्री माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला की उन्नति एवं विकास में समाजसेवा के माध्यम से आपके द्वारा दिये गये अनुकरणीय योगदान के प्रति पूर्ण संपूर्ण समाज कृतज्ञ है। हम सब महेश नवमी 2024 के पावन प्रसंग पर आपको सम्मानित करते हुए अत्यंत गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि समाज के प्रति आपकी सेवाएं आगे भी जारी रहेंगी। आपके उज्ज्वल एवं सुखमय जीवन की मंगलकामनाओं सहित।

श्री महेश नवमी महोत्सव 2024

रामस्वरूप धूत
जिला अध्यक्ष

मुकेश असावा
जिला मंत्री

भारतीय परिधान साड़ी स्त्रीत्व, गरिमा और आत्मविश्वास का प्रतीक है

भारतीय परिधान साड़ी स्त्रीत्व, गरिमा और आत्मविश्वास का प्रतीक है। यह भारत का, भारत के लिए, भारत के द्वारा बना परिधान है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की तरह ही साड़ी भी भारत की ब्रांड और एक सशक्त पहचान है। साड़ी विविधता से भरे भारत को एकाकार कर देने वाला परिधान भी है।

पूरे देश में अलग-अलग क्षेत्रों में साड़ियों का भिन्न-भिन्न रंग रूप है, पर आत्मा एक है। साड़ियां देश के विविध रंगों और संस्कृतियों को खुद में समेटे हुए है। साड़ी समाज के हर वर्ग का परिधान है, हर अवसर में अनुकूल है, सामाजिक समरसता का परिचायक भी है। साड़ी सबका प्रिय परिधान है और हर अवसर में अनुकूल है। साड़ी जाति-धर्म गरीब-अमीर और क्षेत्रवाद के विभाजन को पाटने वाला सशक्त सिंबल भी है। साड़ी एक पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी से भी जोड़ने वाली कड़ी है। साड़ी से पारिवारिक एकता भी बढ़ती है। साड़ी वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते कद और भारतीयों के बढ़ते आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। यह भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय को देश की मातृशक्तियों से मिलने वाले समर्थन का भी प्रतीक है।

देश उस दुर्भाग्यशाली दौर का भी साक्षी रहा है जब साड़ी जैसे गौरवशाली परिधान को रुढ़ीवाद और पिछड़ेपन का प्रतीक बना दिया गया था। खुद को एजुकेटेड और प्रोफेशनल दिखाने के लिए महिलाओं पर बिजनेस सूट पहनने की बाध्यता थोप दी गई थी। अंग्रेज़ जब भारत आए थे तो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की तूती बोलती थी, लगभग एक चौथाई वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारत का कब्जा था। भारतीय बुनकरों के बनाए वस्त्र की दुनिया भर में भारी मांग थी।

देशवासी अब स्वदेशी उत्पादों को उत्साहपूर्वक अपना रहे हैं, और यह एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। हमारे नवयुवकों का रुझान कुर्ते-पजामे की ओर बढ़ा है और नवयुवतियों का साड़ी की ओर। मध्यप्रदेश में हस्त शिल्प और हथकरघा संबंधी निर्माण कार्यों की एक गौरवशाली परंपरा रही है। हमारी चंदेरी एवं महेश्वरी साड़ियां अपनी विविधता, रंग-संयोजन और डिजाइनों के कारण विश्व विख्यात हैं। स्वदेशी शिल्प और हथकरघा उत्पादों को वैश्विक लोकप्रियता दिलाने की दिशा में सतत प्रयासरत हैं।

साड़ी वॉकथॉन जैसे आयोजन महिला सशक्तिकरण का उत्सव होने के साथ ही हमारे कारीगर और बुनकर भाइयों के आजीविका संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल हैं। वॉकथॉन से हम देश के पारम्परिक कारीगरों तथा शिल्पकारों की कला का उत्सव मना रहे है। इससे संपूर्ण देश में हथकरघों पर बनने वाली कलात्मक साड़ियों के प्रति हमारी नई पीढ़ी का रुझान बढ़ेगा।

(इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने साड़ी वाकेथान आयोजित किया था। साड़ी की महत्ता को जताते प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय मोहन जी यादव के विचार)

माहेश्वरी समाज में बहुत से लोग है, जो नहीं जानते की माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति कैसे हुई ? माहेश्वरीयों का इतिहास क्या है ? जानने के लिए पढ़िए–

खंडेलपुर नामक राज्य में सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा खडगलसेन राज्य करता था। राजा धर्मावतार और प्रजाप्रेमी था, परन्तु राजा का कोई पुत्र नहीं था। राजा चिंतित रहता था कि उसका उत्तराधिकारी कौन होगा? खडगलसेन की चिंता को जानकर मत्स्यराज ने परामर्श दिया कि आप पुत्रेष्ठि यज्ञ करवाएं, इससे पुत्र की प्राप्ति होगी। राजा खडगलसेन ने ऋषियों को ससम्मान आमंत्रित कर पुत्रेस्ठी यज्ञ कराया। पुत्रेष्टि यज्ञ पूर्ण होने पर यज्ञ से प्राप्त हवि को राजा खड्गलसेन और महारानी को प्रसादस्वरूप में देते हुए ऋषियों ने आशीर्वाद दिया और यह कहा कि तुम्हारा पुत्र बहुत पराक्रमी और चक्रवर्ती होगा पर उसे 16 साल की उम्र तक उत्तर दिशा की ओर न जाने देना, अन्यथा आपकी अकाल मृत्यु होगी। कुछ समयोपरांत महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, उसका नाम सुजानसेन रखा। सुजानसेन का विवाह चन्द्रावती के साथ हुवा, दैवयोग से एक जैन मुनि खंडेलपुर आए। कुवर सुजान उनसे बहुत प्रभावित हुवा। उसने अनेको जैन मंदिर बनवाएं । ऋषियों द्वारा कही बात के कारन सुजानसेन को उत्तर दिशा में जाने नहीं दिया जाता था लेकिन एक दिन राजकुंवर सुजानसेन 72 उमरावो को लेकर हठपूर्वक जंगल में उत्तर दिशा की और ही गया। उत्तर दिशामें सूर्य कुंड के पास जाकर देखा की वहाँ महर्षि पराशर की अगुवाई में सारस्वत, ग्वाला, गौतम, श्रृंगी और दाधीच ऋषि यज्ञ कर रहे है, वेद ध्वनि बोल रहे है, यह देख वह आगबबुला हो गया। उसने क्रोध में आकर उमरावों को आदेश दिया की इसी समय यज्ञ का विध्वंस कर दो, यज्ञ सामग्री नष्ट कर दो और ऋषि–मुनियों के आश्रम नष्ट कर दो। राजकुमार की आज्ञा पालन के लिए आगे बढे उमरावों को देखकर ऋषि भी क्रोध में आ गए और उन्होंने श्राप दिया की सब निष्प्राण बन जाओ। श्राप देते ही राजकुवर सहित 72 उमराव निष्प्राण, पत्थरवत बन गए। जब यह समाचार राजा खडगलसेन ने सुना तो अपने प्राण तज दिए। राजा के साथ उनकी 8 रानिया सती हुई। राजकुवर की कुवरानी चन्द्रावती 72 उमरावों की पत्नियों के सहित रुदन करती हुई उन्ही ऋषियों की शरण में गई एवं उन ऋषियो के चरणों में गिर पड़ी और और क्षमायाचना करते हुए श्राप वापस लेने की विनती की तब ऋषियो ने उपाय दिया की, जब देवी पार्वती के कहने पर भगवान महेश्वर इनमें प्राणशक्ति प्रवाहित करेंगे तब ये पुनः जीवित व शुद्ध बुद्धि हो जायेंगे। महेश–

पार्वती के शीघ्र प्रसन्नता का उपाय पूछने पर ऋषियों ने कहा की– यहाँ निकट ही एक गुफा है, वहाँ जाकर भगवान महेश का अष्टाक्षर मंत्र नमो महेश्वराय का जाप करो। राजकुवरानी सारी स्त्रियों सहित गुफा में गई और मंत्र तपस्या में लीन हो गई। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महेशजी ने देवी पार्वती के साथ वहां आकर कहा कि तुम्हारी तपस्या देखकर हम अति प्रसन्न है और तुम्हें वरदान देने के लिए आयें हैं, वर मांगो। इस पर राजकुवरानी ने देवी पार्वती से वर मांगा की– हम सभी के पति ऋषियों के श्राप से निष्प्राण हो गए है अतः आप भगवान महेशजी कहकर इनका श्रापमोचन करवायें। पार्वती ने 'तथास्तु' कहा और भगवान महेशजी से प्रार्थना की और फिर भगवान महेशजी ने सुजानसेन और सभी 72 उमरावों में प्राणशक्ति प्रवाहित करके उन्हें चेतन (जीवित) कर दिया। चेतन अवस्था में आते ही सभीने महेश–पार्वती का वंदन किया और अपने अपराध पर क्षमा याचना की। इस पर भगवान महेश ने कहा कि अपने क्षत्रियत्व के मद में तुमने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है। तुमसे यज्ञ में बाधा डालने का पाप हुवा है, इसके प्रायश्चित के लिए अपने–अपने हथियारों को लेकर सूर्यकुंड में स्नान करो। स्नान करने के उपरान्त सभी भगवान महेश–पार्वती की जयजयकार करने लगे। फिर भगवान महेशजी ने कहा कि सूर्यकुंड में स्नान करने से सभी पापों का प्रायश्चित हो गया है तथा तुम्हारा क्षत्रितत्व एवं पूर्व कर्म भी नष्ट हो गये है। यह तुम्हारा नया जीवन है इसलिए अब तुम्हारा नया वंश चलेगा। तुम्हारे वंशपर हमारी छाप रहेगी, देवी माहेश्वरी (पार्वती) के द्वारा तुम्हारी पत्नियों को दिए वरदान के कारण तुम्हे नया जीवन मिला है इसलिए तुम्हे 'माहेश्वरी' के नाम से जाना जायेगा। तुम हमारी (महेश–पार्वती) संतान की तरह माने जाओगे। तुम दिव्य गुणों को धारण करनेवाले होंगे। द्यूत, मद्यपान और परस्त्रीगमन इन त्रिदोषों से मुक्त होंगे। अब तुम्हारे लिए युद्धकर्म निषिद्ध (वर्जित) है। अब तुम अपने परिवार के जीवनयापन के लिए वाणिज्य कर्म करोगे, तुम इसमें खूब फुलोगे–फलोगे तथा श्रेष्ठ कहलावोगे (आगे चलकर श्रेष्ठ शब्द का अपभ्रंश होकर 'सेठ' कहा जाने लगा)। पार्वती ने सभी को दिव्य कटार दी और कहा कि अब तुम्हारा कर्म युद्ध करना नहीं बल्कि वाणिज्य कार्य (व्यापार–उद्यम) करना है लेकिन अपने स्त्रियों की और मान की रक्षा के लिए सदैव 'कट्यार' (कटार) को धारण करेंगे। मे शक्ति स्वयं इसमे बिराजमान रहूंगी। तब सब ने महेश–पार्वती की चार बार परिक्रमा की तो जो जिसकी पत्नी है उनका अपनेआप गठबंधन हो गया। इसके बाद सभी ने सपत्नीक महेश–पार्वती को प्रणाम किया। तुम सब अपने मन को आशंकाओं से मुक्त कर दो' ऐसा कहकर देवी पार्वती नें सभी को दिव्यदृष्टि दी और अपने आदिशक्ति स्वरुप का दर्शन कराया। फिर भगवान महेशजी ने सुजानसेन को कहा कि अब तुम इनकी वंशावली रखने का कार्य करोगे, तुम्हे 'जागा' कहा जायेगा। तुम माहेश्वरीयों के वंश की जानकारी रखोंगे, विवाह–संबन्ध जोड़ने में मदद करोगे और ये हर समय, यथा शक्ति द्रव्य देकर तुम्हारी मदद करेंगे। भगवान महेशजी ने ऋषियों से कहा– आपको इनका (माहेश्वरीयों का) गुरुपद देता हूँ। आजसे आप माहेश्वरीयोंके गुरु हो। आपको 'गुरुमहाराज' के नाम से जाना जायेगा। आपका दायित्व है की आप इन सबको धर्म के मार्गपर चलनेका मार्गदर्शन करते रहेंगे। भगवान महेशजी ने सभी माहेश्वरीयों को उपदेश दिया कि आज से यह ऋषि तुम्हारे गुरु है। उमरावों के चेतन होने के शुभ समाचार को जानकर उनके सन्तानादि परिजन भी वहां पर आ गए। पूरा वृतांत सुनने के बाद ऋषियों के कहने पर उन सभी ने सूर्यकुंड में स्नान किया। ऋषियों ने सभी के हाथों में रक्षासूत्र (कलावा) बांधा और उज्वल भविष्य और कल्याण की कामना करते हुए आशीर्वाद दिए। लोहार्गल वह स्थान जो की माहेश्वरीयों का वंशोत्पत्ति स्थान है), भगवान महेशजी की कृपा (वरदान) से माहेश्वरी उत्पत्ति हुई यह दिन युधिष्टिर संवत 9 जेष्ट शुक्ल नवमी का दिन था। तभी से माहेश्वरी समाज 'जेष्ट शुक्ल नवमी' को महेश नवमी'' के नाम से, माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिन (माहेश्वरी स्थापना दिन) के रूप में बहुत धूम धाम से मनाता है। महेश नवमी माहेश्वरी समाज का सबसे बड़ा त्योंहार है, सबसे बड़ा पर्व है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ का राजस्थान भ्रमण, उदयपुर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

उदयपुर संगठन द्वारा स्वागत

उदयपुर–रात्रि 8 बजे जैसे ही मंजुजी बांगड़ पधारीं फूलों की बरसात से उनका भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात एक छोटी सी मीटिंग व रात्रि भोज का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व रा.कोषा. श्रीमती कौशल्या गट्टानी, रघुकुल रीत सिद्धा सह प्रभारी श्रद्धा गट्टानी, श्रीमती सरिता न्याती, जिला अध्यक्ष मंजु गांधी, सचिव रेखा असावा, प्रदेश संयोजिका श्रीमती कविता बल्दवा आदि उपस्थित थे।

अगले दिन नाथद्वारा में प्रभु श्रीनाथजी के प्रातः मंगला दर्शन व आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री महेश बचत एवं साख समिति द्वारा अभिनंदन व मातृ दिवस के उपलक्ष्य में गोशाला में गौ पूजन किया। सुनील जागेटिया के नेतृत्व में रा.म.अ. श्रीमती मंजु बांगड़ का सुरभि 2 गोशाला में गौ माता के पूजन के साथ स्वागत किया गया। समिति अध्यक्ष संदीप लड्ढा, महिला अध्यक्षा रीना डाड व सचिव अनिता सोमानी ने बताया कि श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने एक दिवसीय प्रवास भीलवाड़ा को किया व शाम को मंथन सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी मौजूद थी। राष्ट्रीय अध्यक्षा के साथ ही संगठन मंत्री श्रीमती ममता मोदानी, विनीता डाड व भारती बाहेती भी थीं। इस अवसर पर समिति की आशा डाड, सुधा चांडक, अमिता मूंदड़ा, रेणु जागेटिया, रंजना बिरला, चेतना जागेटिया, ललिता सोमानी, बदरी सोमानी, अजय बाल्दी आदि द्वारा भी स्वागत किया गया।

मातृ दिवस के शुभ अवसर पर स्थान संगम यूनिवर्सिटी में पश्चिमांचल प्रदेश, जिला, तहसील, नगर सभा के सदस्य एवं सभी क्षेत्रीय संगठनों द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ हर्षोल्लास और उमंग से स्वागत सत्कार किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ ने अपने काव्य मय उदबोधन के साथ उपस्थित पदाधिकारी और सभी बहनों का शाब्दिक स्वागत किया।

भव्य सांस्कृतिक संध्या 'मंथन' का आयोजन

श्री महेश बचत एवं साख समिति द्वारा 12 मई को भव्य सांस्कृतिक संध्या मंथन का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष संदीप लड्ढा व मंत्री नारायण लाहोटी ने बताया कि मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती मंजु बागड़ थीं। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपालजी सोनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजकुमारजी कालिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज के वाइस चेयरमैन मुकेश चेचानी, निवृत्तमान महिला अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी कोटा से, माहेश्वरी सभा के जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती, रामेश्वर भवन अध्यक्ष कैलाश कोठारी, महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश नरानीवाल, सचिव राजेन्द्र कचोलिया अतिथि थे। कार्यक्रम में लगभग 170 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें विराट स्वरूप, समुद्र मंथन, अर्द्धनारीश्वर, नवदुर्गा, पिता–पुत्री रैंप वॉक, लघु नाटक आदि कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे। मीडिया प्रभारी प्रिथेश जेठलिया व कार्डिनेटर सुधा चांडक ने बताया कि कार्यक्रम के सहप्रभारी खुशी देवपुरा, प्रीति डाड, उषा कचोलिया, आदि कार्यक्रम को मूर्त रूप देने में एक महीने से जुटे हुए थे।

सूरत भ्रमण... पदाधिकारियों का भावभीना स्वागत

सूरज जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दिनांक 27 जनवरी 2024 को गुजरात भ्रमण के दौरान सूरत पधारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ एवं राष्ट्रीय सचिव श्रीमती ज्योतिजी राठी का शांतम सभागृह में भाव भीना स्वागत कार्यक्रम रखा गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन व महेश वंदना के साथ हुआ। ज़िला की नवगठित युवती संगठन के सदस्यों द्वारा स्वागत नृत्य एवं परिवर्तन पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। श्रीमती मंजुजी बाँगड़ एवं श्रीमती ज्योतिजी राठी को पेंसिल स्केच पेंटिंग मिताश्री डागा द्वारा भेंट की गई। अनीता राठी ने नामों की शब्द माला के माध्यम से स्वागत कविता प्रस्तुत की। अध्यक्षीय उद्बोधन ज़िला अध्यक्ष श्रीमती वीणाजी तोषनीवाल एवं जिला के कार्यों की रिपोर्ट सचिव श्रीमती प्रतिभाजी मोलासरिया के द्वारा प्रस्तुत की गई। ज़िला संगठन के कार्यों एवं रिपोर्ट प्रस्तुति की राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने बहुत प्रशंसा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने हमारे मॉडल प्रभु श्री राम विषय पर अपने बहुत ही सुंदर विचार सबके समक्ष रखे। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योतिजी राठी ने संगठन की महत्त्वता पर रोशनी डालते हुए पदों की ज़िम्मेदारी के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीमती विमलाजी साबू का प्रभावशाली आशीर्वचन सबके मन को मोह गया। राष्ट्रीय मध्यांचल उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री ने अपने मन की बात द्वारा गुजरात प्रदेश के सदस्यों की एकजुटता के बारे में बताया। राष्ट्रीय विधान संशोधन समिति प्रभारी श्रीमती मंगलजी मर्दा ने संगठन के विधान की जानकारी देते हुए बताया कि ज़िला विधान शीघ्र ही तैयार हो रहा है। कॉरपोरेटर श्रीमती रश्मिजी साबू, निर्वतमान प्रांतीय अध्यक्ष उमाजी जाजू की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम संचालन श्रीमती श्वेताजी जाजू एवं आभार श्रीमती वंदना भंडारी अतिथि परिचय रेखा पोरवाल द्वारा दिया गया। धन्यवाद के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 130 बहनों की उपस्थिति रही।

अ.भा.माहे.म. संगठन की चतुर्थ कार्यसमिति बैठक (25 से 27 जून, वृंदावन, हरे कृष्णा आर्किड)

मंगल प्रबोधन-2024

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की त्रयोदश सत्र की चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक मंगल प्रबोधन 25,26,27 जून को हरे कृष्णा आर्किड वृंदावन में आयोजित हुई। सभी आमंत्रित अतिथियों एवं नेपाल चैप्टर सहित पूरे भारतवर्ष से पधारी बहनों का रोली चंदन से तिलक कर भवन में स्वागत किया।

25 जून 2024

दीप जला लो नेह का, प्रभु का पूजन आज
गौ माता पूजन करो, गिरधारी गिरिराज।।
कृष्ण कहे सबको यही, गोवर्धन संदेश।
पर्वत को पूजो सभी, मिटते सारे क्लेश।।

गणेश पूजन व स्वागत नृत्य के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान हुई । प्रदेश द्वारा शीर्ष पदाधिकारी गणों एवं अतिथियों को हस्त निर्मित हार, व पटके पहनाकर स्वागत अभिनन्दन कर कार्यक्रम की भव्य शुरुआत हुई। बहनों द्वारा गोबर से निर्मित गिरिराज भगवान की स्थापना की गई। तत्पश्चात शीर्ष पदाधिकारी के कर कमलों से अभिषेक व पूजन कर दीप प्रज्वलित कराया गया। दूध की धार चढ़ा कर सभी ने गोवर्धन महाराज की परिक्रमा लगाई व भजनों पर झूम कर नृत्य किया। पीले परिधान में सजी बहनों की छटा एकदम निराली और अविस्मरणीय हो गई। गोवर्धन महाराज की आरती के पश्चात सभी ने छप्पन भोग प्रसादी का आनंद लिया। महासभा उपसभापति श्री विनीत जी केला द्वारा सभी 350 बहनों को गिरिराज पूजन की प्रसादी प्रदान की गई। तत्पश्चात् सभी बहनों ने वृंदावन के देव दर्शन का आनंद लिया ।

26 जून सुबह 8:00 बजे-पुनः देव आरती के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। 9:00 बजे "गोकुलहाट" (मेला) का उद्घाटन रा.अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ के साथ अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति में हुआ समाज की बहनों द्वारा लगाए गए स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र रहे।

उद्घाटन सत्र

उद्घाटन समारोह मयूर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के साथ सुबह 10:00 बजे प्रारंभ हुआ कार्यक्रम की उद्घाटनकर्ता माननीय बेबी रानी जी मौर्य (मंत्री महिला कल्याण व बाल विकास एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश सरकार) एवं मुख्य अतिथि मथुरा सांसद हेमा मालिनी जी जो किसी आवश्यक कार्य वश नहीं पहुंच पाई उनका वर्चुअल शुभकामना संदेश हमें वीडियो द्वारा प्राप्त हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड, प्रमुख अतिथि श्रीमती शिखा शारदा, प्रधान अतिथि श्रीमती प्रतिभा रांदड, विशिष्ट अतिथि श्रीमती ज्योति राठी, श्रीमती आशा माहेश्वरी, महासभा उपसभापति श्री विनीत जी केला, दीप प्रभा सोसायटी के चेयरपर्सन श्री राकेश जी माहेश्वरी कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही।

श्रीमती किरण जी लड्ढा, श्रीमती ममता जी मोदानी, महासभा संयुक्त मंत्री ओम जी तापड़िया, मंजु जी मानधना मंजु जी हरकुट थे। कार्यक्रम की स्वागत अध्यक्ष श्रीमती विनीता जी राठी, स्वागत मंत्री श्रीमती रजनी हरकुट थी। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट सदस्यों के सामूहिक शंखनाद के पश्चात सुंदर गणेश वंदना एवं महेश वंदना की प्रस्तुति दी गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी पदाधिकारियों द्वारा भंगिमा की नवशैली चेयर

पर बैठकर अनोखे अंदाज में स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसे सभी ने सराहा।

समस्त अतिथियों का स्वागत प्रतीक चिन्ह प्रदान कर व दुपट्टा पहनाकर किया गया। स्वागत अध्यक्ष द्वारा स्वागत उद्बोधन के पश्चात आयोजक संस्था की प्रदेश अध्यक्ष मोनिका जी माहेश्वरी ने अपने स्वागत उद्बोधन के साथ सभी का भावपूर्ण शाब्दिक स्वागत किया। स्वागत मंत्री रजनी हरकुट द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी गई। तत्पश्चात निर्वतमान अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन मे आयोजक संस्था के पदाधिकारी का उत्साहवर्धन करते हुए विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर अपने विचार रखें उन्होंने कहा हमारा राष्ट्र समृद्धशाली है किंतु इस परिवर्तनीय समय को देखते हुए विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर हमें चिंतन मनन करना होगा। समाज की घटती जनसंख्या, विदेश के प्रति लगाव, वैचारिक भिन्नता आदि विषयों पर अपने विचार रखें। साथ ही आपने जानकारी दी कोटा के गर्ल्स हॉस्टल में यदि किसी का एडमिशन कराना हो तो वह पूर्ण सहयोग करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंद को पढ़ाई हेतु आर्थिक सहयोग भी दिया जाएगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विनीतजी केला व राकेश जी माहेश्वरी ने सभी का सुंदर आयोजन हेतु स्वागत करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। प्रतिभा जी ने अपने सुंदर विचार सभागार के समक्ष रखें वही शिखा जी शारदा ने कहा हम सभी मिलकर एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम की उद्घाटनकर्ता बेबी रानी जी मौर्य ने कहा अपने 35 वर्षों के राजनीतिक जीवन में जहां महिला कल्याण से जुड़ी हूँ आज तक इतना सुंदर आयोजन नहीं देखा। आपने कहा समाज के प्रति आत्म समर्पण व जिम्मेदारियों को वहन करते देख, आज मेरी भी ऊर्जा बढ़ गई है। आप जैसी महिलाएं जिस समाज में हो समाज के उत्थान कार्य में लगी हो वह समाज निरंतर प्रगति पथ पर आगे ही बढ़ेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मंजू जी बांगड ने अपने उद्बोधन की शुरुआत इस उद्घोष के साथ की... ''ना चिंता ना भय, बोलो श्री बांके बिहारी जी की जय।'' मंचा सीन व सभागार का शाब्दिक स्वागत करते हुए आयोजक संस्था के सुंदर आयोजन के लिए सर्वप्रथम अभिनंदन किया। उन्होंने कहा ठाकुर का दर्शन और गुणी जनों का मार्गदर्शन दोनों ही जीवन को मंगल प्रबोधन का एहसास कराते हैं और हमारा सौभाग्य है कि आज हमारी संगठन की ज्येष्ठ व श्रेष्ठ बहनों के साथ, उद्घाटनकर्ता बेबी रानी जी मौर्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, गणमान्य अतिथियों, प्रबुद्धजनो विशेष रूप से मथुरावासी रोटरी गवर्नर डिस्ट्रिक्ट 311 श्री नीरव निमेषजी अग्रवाल, इनर व्हील पास्ट डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती लता गोयल, विशिष्ट अतिथियों एवं स्नेही स्वजनों का सानिध्य मिल रहा है। इस दृष्टि से भक्तवत्सला पुण्य स्थला वृंदावन नगरी में आयोजित चतुर्थ राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक सफलता के संपूर्ण प्रतिमानों को स्थापित कर रही है जिसके लिए आयोजक संस्था पश्चिम उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष मोनिका महेश्वरी, प्रदेश सचिव मनीषा राठी, प्रदेश कार्य समिति व स्वागत अध्यक्ष विनीता जी राठी, प्रदेश कोषाध्यक्ष में व स्वागत मंत्री श्रीमती रजनी हरकुट, उत्तरांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती मंजु हरकुट, संस्थापक अध्यक्ष रेखा जी माहेश्वरी, कविता माहेश्वरी, संरक्षिका कांताजी, संगीता जी, पूजा जी के संयुक्त प्रयासों को नमन करती हूं जिन्होंने विनम्रता पूर्वक अपनी संपूर्ण टीम के साथ तन मन धन से भव्यता पूर्वक इसे साकार कर श्रेष्ठ कार्यकर्ता का एक अलौकिक उदाहरण प्रस्तुत किया है जिसकी जितनी सराहना की जाए कम है। शुभ संकल्प – जागृति जागरण मानो ज्ञान का संबोधन अर्थात मंगल प्रबोधन जो पूर्णतया चरितार्थ हो रहा है। ब्रज की धरा पर गिरिराज प्रसादी अलौकिक दर्शन अध्यात्म प्रबोधन, गोकुलहाट का आयोजन नारी के सशक्त विकास का प्रबोधन, प्राथमिक संजीवनी के रूप में स्वास्थ्य प्रबोधन, पर्यावरण चेतना पर ध्यानाकर्षण अर्थात राष्ट्र प्रबोधन, श्री श्री वत्स गोस्वामी जी महाराज का आशीर्वचन संत प्रबोधन जैसे सुंदर कार्यक्रमों का समावेश है जो हमें सुदूर भविष्य में भी सार्थक जीवन जीने की राह दिखाएगा। विभिन्न अनूठे कार्यक्रमों को लेकर संगठन सतत आगे बढ़ रहा है चाहे वह संस्कृति संरक्षण हेतु साड़ी वाकेथान हो, साइबर क्राइम जागरूकता संबंधित संचार सेतु हो, संस्कार संवर्धन हेतु राम राज्य का युवा टॉक शो, रेनबो वर्कशॉप्स, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, पारिवारिक समरसता, अध्यात्म एवं परंपरा संवर्धन, महिलाओं के आर्थिक विकास के साथ, वैवाहिक समस्याओं के निदान, सामाजिक दायित्वों का, नैतिक मूल्यों का अवबोधन कर रहा है। यह सभी की सुदूर सोच, एक जुटता, और कर्तव्य निष्ठा के स्वरूप जिस संगठन को साक्षात भगवान उमा महेश का आशीर्वाद प्राप्त हो, जहां मार्ग प्रशस्त करने वाले मुरलीधर हो, जिस सत्र में श्री राम का आगमन एक मंगल संकेत हो वहां सभी कार्य स्वतः ही सफल

हो जाते हैं। श्री कृष्ण कहते हैं जीवन में कभी मौका मिले तो स्वार्थी नहीं सारथी बनो। कर्म के समर्थक श्री कृष्णा सही अर्थों में जीवन गुरु है। गीता में वर्णित उनके संदेश अतुलनीय है। मनुष्य और मूक पशुओं से ही नहीं पेड़ पौधों, मोर पंख और बांसुरी से भी उनकी प्रेम अभिव्यक्ति वसुधैव कुटुंबकम के भाव को विस्तृत करती है। अतः उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर शुभ संकल्पों की शक्ति से कर्मठता का भाव पोषित करें और मंगल प्रबोधन को चरितार्थ करते हुए केवल समाज ही नहीं, संपूर्ण राष्ट्र तथा विश्व में अपनी श्रेष्ठ पहचान बनाएं। कविता जी माहेश्वरी व प्रीति जी माहेश्वरी के सुंदर संचालन से सभागार में समा बंधा हुआ था।

विशेष... इस अवसर पर वृंदावन आने वाले यात्रियों की सुविधाओं के लिए समाज की युवा प्रतिभाओं अनुपम माहेश्वरी, मोनिषा माहेश्वरी एवं अर्चित माहेश्वरी द्वारा संचालित personal tour guide यात्रिक एप का राष्ट्रीय मंच पर अनावरण हुआ जिसकी संपूर्ण जानकारी अनुपम माहेश्वरी द्वारा LED के माध्यम से दर्शकों को प्रदान की गई।

''शक्ति वंदनम्'' शौर्य सम्मान

त्रयोदश सत्र मे राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा उन महिलाओं का सम्मान किया है जिन्होंने किसी न किसी क्षेत्र में अपना परचम लहराया है – कुछ अति विशिष्ट हासिल किया है। महामंत्री ज्योति राठी द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए सशक्त नारियों का बायोडाटा पढ़ा गया साथ ही उन्हें मंच पर आमंत्रित कर मंचासीन

अतिथियों द्वारा श्रीफल शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। 5 सम्मानित विभूतियों के नाम इस प्रकार

1 राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थान बनाने वाली गोल्ड मेडलिस्ट फैशन फोटोग्राफर एड फिल्म मेकर व प्रोड्यूसर **रिचा माहेश्वरी** कानपुर।

2 अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी **श्रीमती अनीता राठी** बाड़मेर। आप इस कार्यक्रम से प्रोत्साहित हुई और आपने कहां नारी हर चुनौती का सामना कर सकती है किंतु उसके लिए फिटनेस की आवश्यकता है अतः पूरे दिन में कम से कम 1 घंटे का समय अपने लिए अवश्य निकाले ।

3 श्रीमती बसंती बाई चांडक पुरस्कार विजेता प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार **श्रीमती प्रेमलता जी माहेश्वरी** लुधियाना

4 प्रसिद्ध समाजसेवी श्रीमती **रेखाजी माहेश्वरी** मथुरा

5 एनीमेशन एवं फिल्म निर्माण में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त उभरता सितारा एनिमेटेड फिल्म बनीहुड के लिए प्रतिष्ठित कांस फिल्म फेस्टिवल में ला सिनफ कैटेगरी में तृतीय पुरस्कार विजेता **मानसी माहेश्वरी** मेरठ।

अंत में आयोजक संस्था की सचिव मनीषा जी राठी द्वारा

सभी को हृदय के गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

चतुर्थ कार्य समिति बैठक

भोजन के पश्चात चतुर्थ कार्य समिति बैठक सभी 27 प्रदेशो के बैनर प्रस्तुतिकरण के साथ आरंभ हुई। आयोजक संस्था द्वारा सभी पदाधिकारी को मंचस्थ कर सभी शीर्ष पदाधिकारियों को उनके सुंदर छवि चित्र व प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सभा व प्रदेश युवा संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी थे।

महामंत्री ज्योति राठी द्वारा भगवान उमा महेश के जय घोष के साथ कार्यक्रम को संचालित करते हुए सर्वप्रथम वीरगति को प्राप्त शहीदों एवंम दिवंगत स्वजनोंको श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

तत्पश्चात हमारी राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता मंजू जी बांगड़ कहते हैं ना पारस के स्पर्श से लोहा भी स्वर्ण बन जाता है ठीक वैसे ही आपके उद्बोधन से पदाधिकारी का मनोबल बढ़ता है और इसे ही सही नेतृत्वकर्ता कहते हैं । आपने कहा **''संगठन में शक्ति है, सत्कार्यो की भक्ति है''** जिसकी सुंदर परिणीति संगठन में प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिल रही है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय महिला संगठन के नाम एक शानदार उपलब्धि की घोषणा करते हुए आपने बताया की गवर्नमेंट आफ इंडिया ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के संयुक्त तत्वाधान में साइबर अवेयरनेस हेतु नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में महिला संगठन की 64 प्रविष्टियां गई और उसके लिए गृह मंत्रालय द्वारा घोषित **पांच पुरस्कारों में से तीन पुरस्कार महिला संगठन को प्राप्त हुए हैं।** निश्चय ही यह अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है जिसके लिए संचार सिद्धा की राष्ट्रीय समिति प्रभारी भाग्यश्री जी चांडक एवं प्रदर्शक उर्मिला जी कलंत्री, पांचो आंचलिक सह प्रभारी एवं प्रदेश, जिला स्तर की अध्यक्ष तथा संपूर्ण टीम बधाई की पात्र है जिनके अथक सामूहिक प्रयासों से यह सफलता संगठन के नाम अर्जित की।

इसी श्रृंखला में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी बताया महासभा द्वारा दिए गए प्रोजेक्ट मे उनके निर्देशानुसार बिना किसी फोटो या प्रचार प्रसार के जाजू ट्रस्ट से सहयोग प्राप्त करने वाली 496 बहनों से संपर्क कर जानकारी हासिल की और जहां कहीं भी संभव हो सका बहनों को स्वावलंबी बनाने हेतु भी महिला संगठन सर्वदा प्रयासरत है जिसके लिए प्रोजेक्ट से जुड़ी बहने विशेष रूप से कार्य समिति एवं श्रीमती गिरिजा जी सारडा (पूर्वांचल उपाध्यक्ष एवं स्वयं सिद्धा समिति प्रदर्शक) को बधाई प्रेषित की।

महेश नवमी पर आयोजित **''साड़ी वाकेथान''** अभूतपूर्व रहा– बहु उद्देशीय रहा जिसकी खुशबू इतर समाज में भी फैली और सभी के बहुत सुंदर सराहना पूर्ण पत्र प्राप्त हुए। इसके लिए भी संस्कृति सिद्धा एवं अष्ट सिद्धा समिति दोनों समितियों के प्रभारी, प्रदर्शक एवं टीम तथा श्रृंखलाबद्ध संगठन के सभी नेतृत्व कर्ता, बहनो को बधाई व साधुवाद परंतु अष्ट सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी नम्रता जी बियानी के प्रयास विशेष प्रशंसनीय है। सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बहनो के प्रति भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने शानदार वीडियो के माध्यम से साड़ी के महत्व को परिभाषित किया। आपने सभागार को आगामी संगठन के कार्यक्रमों की जानकारी भी दी तथा उत्कृष्ट आयोजकत्व व सुंदर आतिथ्य के प्रति आयोजक संस्था पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष एवं उनकी टीम के सफल प्रयासों की मंजुलहृदयी सराहना की।

महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी द्वारा सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आपने कहा राष्ट्र द्वारा दिए गए प्रत्येक प्रकल्प को सभी प्रदेशों ने अत्यधिक सुचारू रूप से संपन्न किया। समस्त समिति प्रभारी व सह प्रभारी के सहयोग से कार्यक्रम अत्यधिक सफल हुए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों का भी पूरा मार्गदर्शन व सहयोग हमेशा रहा। इसी के साथ आपने दसों समितियों के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा द्वारा त्रैमासिक आयव्यय की जानकारी प्रस्तुत की गई साथ ही जिन प्रदेशों में वित्त संबंधी कार्यशालाए ली गई उसकी भी संपूर्ण जानकारी दी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता जी मोदानी द्वारा 27 प्रदेशों के संगठन की जानकारी सविस्तार बताई गई। राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष शोभा जी सादानी द्वारा संगठन के हित में अनेक मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया तथा युवा प्रतिभाओं को जोड़ने व युवती संगठन बनाने के लिए प्रेरित किया।

माहेश्वरी महिला पत्रिका की अध्यक्ष शैलाजी कलंत्री द्वारा पत्रिका के विषय में सविस्तार जानकारी दी। विधान समिति प्रकल्प प्रमुख मंगल जी मर्दा द्वारा प्रदेशों के नव संकलित विधान संबंधी सभागार को जानकारी दी गई व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उक्त विधान को सदन में पारित करवाया गया। महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ललिता जी मालपानी ने ट्रस्ट के विषय में पूरी जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ द्वारा प्रदेशों की त्रैमासिक

रिपोर्टिंग के मूल्यांकन की घोषणा की गई। **''राम अभिराम''** रंगोली प्रतियोगिता के पुरस्कार दिए गए। इस प्रतियोगिता के पुरस्कार संस्कृति सिद्धा समिति की प्रदर्शक पूर्वांचल संयुक्त मंत्री निशा जी लड्ढा के सहयोग से दिए गए।

इसी अवसर पर ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति द्वारा आयोजित कथा लेखन प्रतियोगिता के पुरस्कार दिए गए। संचारसिद्धा समिति द्वारा नुक्कड़ नाटिका के सर्टिफिकेट वितरित किए गए। अष्ट सिद्धा व संस्कृति सिद्धा समिति द्वारा आयोजित साड़ी वाकेथान के पुरस्कार भी दिए गए।

जिसमें पूर्वांचल से पूर्वोत्तर आसाम, पश्चिमांचल से मध्य राजस्थान, मध्यांचल से विदर्भ, दक्षिणांचल से महाराष्ट्र, उत्तरांचल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश एक विशेष पुरस्कार छोटे प्रदेश को दिया गया है वह है कर्नाटक गोवा ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इसी के साथ महामंत्री ज्योति राठी द्वारा सभी को धन्यवाद प्रेषित करते हुए की समाप्ति की घोषणा की।

तृतीय सत्र

संजीवन सिद्धा समिति द्वारा कार्यक्रम प्राथमिक संजीवनी फर्स्ट एड सेमिनार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमला जी साबू, श्री राकेश जी माहेश्वरी, बैठक प्रगति जी माहेश्वरी मेरठ, डॉ मनोज काबरा मुजफ्फरनगर, मीनाजी माहेश्वरी कासगंज, बीनाजी चौधरी गाजियाबाद, और रजनीजी माहेश्वरी मुरादाबाद थे।

सभी मंचासीन अतिथियों का आयोजक संस्था द्वारा स्वागत किया गया। आदरणीय विमला जी साबू वैदिक मदर द्वारा बहुउपयोगी स्वास्थ्यवर्धक बातें बताई गई जो कि हमारे रोजमर्रा के जीवन में अत्यधिक लाभकारी थी। कार्यक्रम का संचालन समिति प्रदर्शक मंजु जी हरकुट ने किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा **''फर्स्ट एड''** की जरूरत क्यों पर एक सुंदर नाटिका का मंचन किया गया। फर्स्ट एड सेमिनार की सूत्रधार समिति प्रभारी कुंतल जी लोधनीवाल थी, जिन्होंने ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक, आग से जलना, नकसीर, चोट, फ्रैक्चर शुगर, चक्कर आदि जैसी कई स्थिति में हमें मेडिकल सुविधा मिलने से पहले क्या प्राथमिक उपचार देना चाहिए.. बहुत ही सुंदर और सरल तरीके से बताया। प्रस्तुति में सभी उपस्थित सह प्रभारी अर्चना जी तापड़िया, रीना जी राठी, प्रतिभा जी नत्थानी, सुजाता जी राठी का विशेष सहयोग था। प्राथमिक चिकित्सा पुस्तिका का अतिथियों द्वारा विमोचन हुआ। नेत्रदान हेतु राष्ट्रीय स्तर से आह्वान किया गया।

विशिष्ट अतिथि श्री राकेश जी माहेश्वरी द्वारा जरूरतमंद दो मरीजों को क्रमशः 10,000-10,000 की धनराशि का सहयोग दिया गया प्रदेश द्वारा स्वास्थ्यवर्धक व बहुउपयोगी संजीवन किट का वितरण किया गया ।

सांस्कृतिक संध्या-कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जी काबरा, श्रीमती पूनम गोदानी मुजफ्फरनगर), श्रीमती सुधा करनानी गाजियाबाद, श्रीमती रेखा माहेश्वरी मीरापुर, व कुमकुम काबरा बरेली थे।

आयोजक संस्था पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति में अपने पश्चिम उत्तर प्रदेश का भ्रमण करवाया और अत्यधिक सुंदर रूप से नृत्य नाटिका के माध्यम से एक से बढ़कर एक सुंदर प्रस्तुतियां दी। संपूर्ण सभागार ने कार्यक्रम की अत्यधिक सराहना की व राष्ट्रीय संगठन द्वारा 31000 रूपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी। भोजन के पश्चात सभी प्रदेश अध्यक्ष व सचिव के साथ केंद्रीय पदाधिकारी की बैठक संपन्न हुई। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागियों को शीर्ष पदाधिकारियों द्वारा ट्रॉफी प्रदान की गई ।

27 जून 2024

सुबह देव आरती के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व अतिथि पूज्य श्री श्री वत्स गोस्वामी जी महाराज एवं गुरु मां का राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ महामंत्री ज्योति जी राठी, संस्थापक अध्यक्ष रेखा जी माहेश्वरी उत्तरांचल उपाध्यक्ष मंजू जी मानधना आयोजक प्रदेश अध्यक्ष मोनिका जी माहेश्वरी द्वारा संत श्री का राम जी के मधुर भजन द्वारा स्वागत सत्कार किया। संत श्री का जीवन परिचय प्रिया जी माहेश्वरी द्वारा प्रस्तुत गया। संत श्री के उद्गारों का सभी ने लाभ उठाया वास्तविक जीवन से जुड़ी अनेक बातों को उन्होंने बड़ी सहजता से बताया। भगवान महेश के वंशज माहेश्वरियो की व्याख्या करते हुए धनुर्धारी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम एवं बंशीधर जगतगुरु श्री कृष्ण के विहंगम स्वरूप से परिचित कराया जिनका अनुकरण समस्त माहेश्वरी समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

अभ्युदय – निदान से राष्ट्रोदय

संकल्प सिद्धा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता श्री विनय जी माहेश्वरी (Former India TV C.E.O) एवं सम्माननीय अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना जी गगरानी थी। विनयजी माहेश्वरी ने बहुत सुंदर विषयों पर अपने संपूर्ण विचार रखें। अभ्युदय में रखे गए सभी विषय चाहे वह स्वच्छता हो,जल संरक्षण हो या जंक फूड का सेवन हो सभी उनके पसंदीदा विषय थे। और इन्हीं विषयों पर उन्होंने बहुत अच्छी जानकारी सदन को दी।

आदरणीय कल्पना जी गगरानी ने उपस्थित सभी बहनों से कहा आप सभी अपने–अपने स्थान की प्रतिनिधि हो अतः इन सभी ज्वलंत मुद्दों पर हमें अलख जगानी चाहिए। मंचासीन अतिथियों का आयोजक संस्था द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की सूत्रधार संकल्प सिद्धा समिति प्रभारी श्रीमती भावना राठी व सह प्रभारी श्रीमती श्रद्धा राठी द्वारा अभ्युदय कार्यक्रम का संचालन प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्र के पांचो अंचल द्वारा पांच ज्वलंत राष्ट्रीय समस्याओं पर विचार मंथन के साथ नृत्य नाटिका के माध्यम से बहुत सुंदर प्रस्तुति दी गई जिसने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।

समापन समारोह

कार्यक्रम की सम्माननीय अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय गीता जी मुंधड़ा ने त्रिदिवसीय कार्यक्रम की बहुत सुंदर शब्दों में समीक्षा कर अपने विचार रखें। आपने आयोजक संस्था के सभी पदाधिकारी का उत्साह वर्धन किया। अभ्युदय कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगिता के निर्णायक श्री विनय जी माहेश्वरी एवं श्रीमती शोभा जी सादानी थे। सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता जी मोदानी द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। अंत में मनोहरी फ्लावर शो एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ ।

रोटरी मंडलाध्यक्ष नीरव निमेष अग्रवाल का बधाई पत्र

आदरणीय मंजु बांगड़ जी

राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन,

सादर अभिवादन, मैं आपको और आपके आयोजक मंडल को, मंगलप्रबोधन के सफल आयोजन पर अपनी एवं रोटरी परिवार की और से बधाई प्रेषित करता हू। बहुत ही शानदार और भव्य, बहुउद्देशीय कार्यक्रम जिसकी सराहना जितनी करें कम है।

आपके संगठन द्वारा आयोजित किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने का ये मेरा प्रथम प्रथम अवसर था और मैं आपके संगठन से काफी प्रभावित हुआ हूँ। ये मेरे लिए आश्चर्य का विषय था की आपके समाज के लोगो की संख्या मात्र दस लाख है, आपके समाज की उपलब्धियां को देखते हुए ये संख्या बहुत कम लगती है।

मुझे पता चला कि यह संख्या निरंतर कम हो रही है और ये चिंता का विषय है। इस तरफ किए जा रहे आपके प्रयासों की मैं प्रशंसा करता हूं और उनके सफल होने की प्रार्थना करता हूं। रोटरी विश्व में समाज सेवा में जुटी एक अग्रणीय गैर सरकारी संस्था है और कई सेवा कार्य आपकी

रोटेरियन नीरव निमेषजी अग्रवाल का स्वागत करते मंजुजी बांगड़

संस्था एवं रोटरी मिल कर अधिक प्रभावी रूप में किए जा सकते है। आप स्वयं भी रोटरी से जुड़ी हुई है इसलिए आप इस कार्य को आवायक दिशा देने के लिए आप सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति है। अगर हम इस दिशा में कुछ आगे बढ़े तो ये सर्वसमाज के लिए काफी उपयोगी सिद्ध होगा। पुनः इतने भव्य आयोजन में सहभागिता का अवसर देने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद

शुभकामनाओं सहित

रोटरियन नीरव निमेष अग्रवाल

मंडलाध्यक्ष

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मंडल

गोकुल हाट मेले का उदघाटन
बांके बिहारीजी की आरती
गुरु मां द्वारा दीप प्रज्ज्वलन
मयूर नृत्य द्वारा स्वागत
गिरिराजजी पर दुग्धाभिषेक
आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति
ग्राम विकास समिति द्वारा नृत्य नाटिका
आयोजक परिवार द्वारा भावभीना स्वागत
सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक झलक
पू. श्री श्रीवत्सल गोस्वामीजी महाराज एवं गुरु मा

श्रीमती सुशीलाजी कावरा का सम्मान
श्री राकेशजी माहे. का स्वागत
कार्यक्रम का लुत्फ उठाती बहनें
कार्यक्रम में आनंद के कुछ क्षण
सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति
श्री विनितजी केला का सम्मान
राधा-कृष्ण लीला प्रस्तुति
हम भी है जोश में...
पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

इनर व्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष लताजी गोयल का अभिनंदन पत्र

प्रिय मंजू जी,

26 जून ,दिन बुधवार 2024 ,को आपने ऑल इंडिया माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यक्रम में, , जिसका नाम 'मंगल प्रबोधन' था, उसमें मुझे बुलाकर जो सम्मान दिया उसके लिए मैं आपकी आभारी हूं ।

मैं इनर व्हील मंडल 311 की पूर्व मंडल अध्यक्ष हूं, तथा आप मेरे से पहले इस पद को सुशोभित कर चुकी है। यह जानकर कि आप माहेश्वरी महिला संगठन की ऑल इंडिया प्रेसिडेंट है , जानकर अत्यंत खुशी हुई।

हरे कृष्णा आर्चिड वृंदावन में, उद्घाटन सत्र को अटेंड करने के लिए ,जैसे ही मैंने हाल में प्रवेश किया ,मुझे आपके दर्शन हुए। आपका अध्यक्ष का कॉलर तथा आपकी चितवन बहुत मनोहारी व प्रिय लग रही थी ।आपको देखकर मुझे ऐसा लगा मानो मेरी अपनी मंजू जी मुझे मिल गई है। सभी बहने एक से परिधान में इधर-उधर आती-जाती नजर आ रही थी ।बहुत आकर्षक लग रही थी ।चारों ओर अनुशासन का माहौल था ।बहुत सुंदर वातावरण था। सबसे सुंदर बात जो मुझे लगी, वह यह लगी, कि आप हमारी भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने में अपना पूरा योगदान दे रहे हैं । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हमारी अपनी कैबिनेट मिनिस्टर

श्रीमती बेबी रानी मौर्य सभी महिलाओं से बहुत प्रेम और मित्रता से बातचीत कर रही थी।

मुझे गणेश वंदना, महेश वंदना, तथा कुर्सी नृत्य देखने का मौका मिला। सभी कार्यक्रम अत्यंत आकर्षक थे।

संस्था की सभी बहनों ने मुझे बहुत प्रेम व सम्मान दिया। मैं इसके लिए माहेश्वरी महिला संगठन की बहुत आभारी हूं। मैं अपनी, तथा इनर व्हील मंडल 311 की ओर से, माहेश्वरी महिला संगठन की सभी बहनों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं ,तथा आशा करती हूं कि आप अपने सुंदर कार्यों से आगे बढ़ती जाए, और समाज में अपने लिए एक उत्कृष्ट स्थान बनाएं।

आपकी अपनी – **लता गोयल**
पूर्व मंडल अध्यक्ष, इनर व्हील मंडल 311 मथुरा

ओमप्रकाशजी तापड़िया का बधाई पत्र

सम्माननीय मंजू जी बांगड़, अध्यक्ष-अ भा मा महिला संगठन

ज्योति जी राठी, महामंत्री – अ भा मा महिला संगठन

सप्रेम नमस्कार, वृंदावन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक मंगल प्रबोधन के सफलता पूर्वक संपन्न होने पर बहुत बहुत बधाई। आगमन से प्रस्थान तक सभी कुछ बहुत सुव्यवस्थित व सुनियोजित था। जन जागरण हेतु अनेक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को बहुत सुंदर व सार्थक बना दिया। आपने मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया व सहभागी बनाया, मैं हार्दिक धन्यवाद करता हूं एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

ओमप्रकाश तापड़िया, संयुक्त मंत्री-उत्तरांचल अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

पश्चिमी उत्तरप्रदेश द्वारा मंगल प्रबोधन... आभार...

ईश्वर की कृपा, बड़ों के आशीर्वाद, साथियों के सहयोग और सभी से मिले प्रेम के परिणामस्वरूप **''मंगल प्रबोधन''** सुखद व मंगल परिणिति को प्राप्त हुआ। हम संपूर्ण पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर से सभी को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

शीर्ष राष्ट्रीय नेतृत्व – रा.अ. मंजुजी बांगड़, रा.महा. ज्योति जी राठी, रा. कोषा. किरण जी लड्ढा, रा.सं.मंत्री ममता जी मोदानी, नि.अ. आशा जी माहेश्वरी के प्रति हम हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं, राष्ट्रीय नेतृत्व का पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कार्यक्षमता व कार्यकुशलता पर विश्वास मंगल प्रबोधन की सफलता का आधार बना।

हम समस्त पूर्व अध्यक्ष – गीता दीदी, विमला दीदी, शोभा दीदी, सुशीला दीदी व कल्पना दीदी के सदैव अनुगृहित रहेंगे क्योंकि मंगल प्रबोधन में उनकी उपस्थिति ने हमारा उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम उद्घाटनकर्ता महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, श्रीमती बेबी रानी जी मौर्य का संभाषण तथा मुख्य अतिथि मथुरा सांसद हेमा मालिनी जी का वर्चुअल संदेश हमारे भीतर एक नयी ऊर्जा का संचार कर गया। आपका हार्दिक धन्यवाद।

समस्त आंचलिक उपाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री कार्यालय मंत्री, महिला ट्रस्ट, महिला पत्रिका एवं विधान समिति टीम दसों समिति के प्रभारी, आं. सहप्रभारी, प्रदेश समिति संयोजिकाएं, भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों से पधारीं समस्त कार्यसमिति बहनें, महासभा उपसभापति श्री विनीत जी केला,संयुक्त मंत्री श्री ओम जी तापडिया, शिखा जी शारदा, प्रतिभा जी,दीप प्रभा सोसा. के चेयरपर्सन श्री राकेश जी माहेश्वरी एवं प्रदेश सभा से पधारे समाज बंधुओं का हार्दिक धन्यवाद और आभार।

श्री श्री वत्स गोस्वामीजी महाराज के आशीर्वचन तथा India TV के formar C.E.O. विनय जी माहेश्वरी के उद्बोधन ने वातावरण सकारात्मक बना दिया। आपका करबद्ध आभार।

शक्ति वंदनम सम्मान से सम्मानित नारी शक्ति – रिचा जी माहेश्वरी, श्रीमती अनीता जी राठी, श्रीमती प्रेमलता जी माहेश्वरी, मानसी जी माहेश्वरी, के गरिमामय आगमन ने कार्यक्रम का मान बढ़ाया। आप सभी का हृदयतल से धन्यवाद।

विशेष तकनीकी सहयोग के लिए संचार सिद्धा समिति प्रभारी श्रीमती भाग्यश्री जी चांडक का विशेष आभार।

प्रदेश के शीर्ष पदाधिकारीगण रेखा दीदी, मंजू दीदी, कांता दीदी, संगीता दीदी, पूजा दीदी, विनीता दीदी, रजनी दीदी, रंजना दीदी के प्रति हम नतमस्तक हूँ। आपका अनुभव और मार्गदर्शन मंगल प्रबोधन की सफलता का पथ प्रशस्त करता गया।

सभी कैबिनेट बहनों, प्रदेश संयोजिकाओं तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के भी आभारी है जिनकी कार्यकुशलता ने मंगल प्रबोधन को एक नयी ऊँचाई प्रदान की।

अत्यंत सुन्दर सूत्र संचालन के लिए श्रीमती कविता जी माहेश्वरी तथा श्रीमती प्रिया जी माहेश्वरी का हार्दिक धन्यवाद और आभार।

प्रदेश की गायिका बहन आरती जी , एवं चित्रकार बहन शालिनी जी का बहुत–बहुत आभार।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 33 संगठनों से पधारीं वरिष्ठ व कनिष्ठ बहनें, हमारे 40 बहनो के दल का सहकार्य तथा जिला आगरा से महेन्द्र जी मामा का पूर्ण सहयोग,मथुरा के बंधुओं (खासतौर से अजय जी,अभिषेक जी) की सुंदर व्यवस्था व सहयोग, प्रदेश के विभिन्न संगठनों से व्यवस्था, उपहार, पुरस्कार अथवा प्रबंधन आदि में मिले साथ के प्रति भी हम अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं ।

एक बार पुनः सभी का बहुत बहुत धन्यवाद व आभार।

मोनिका माहेश्वरी–प्रदेश अध्यक्ष
मनीषा राठी–प्रदेश सचिव

संस्कारसिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति

महेश नवमी के उपलक्ष्य में सप्त दिवसीय भव्य आयोजन

Rainbow- Part 2 (20 से 26 मई 2024)

''मन के रंग- तन के संग''

किशोरियों के सर्वांगीण विकास के लिये रेनबो -पार्ट-2, **''मन के रंग-तन के संग''** यह सप्त दिवसीय 13 सत्रों में विभाजित, जिसमें ऑनलाइन झूम सभागार माध्यम से भारतीय संस्कृति,संस्कार एवं जीवन शैली, भगवत गीता से जीवन प्रबंधन, पाक कला, स्वस्थ तन - मन, पारिवारिक सामंजस्य आदि विषयों से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गई।

20 मई को रेनबो पार्ट- 2 का शुभारंभ महेश वंदना से किया गया। पश्चात अ.मा.मा.म.सं. राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ के कर कमलों द्वारा वर्चुअल वीडियो के माध्यम से उद्घाटन किया गया। राष्ट्रीय समिति प्रभारी अंजलि तापड़िया ने मंजु जी का शाब्दिक स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी ने कहा कि हमारा किशोर वर्ग भारत के भविष्य का निर्माता है। अतः उसके उज्ज्वल भविष्य को संवारने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि बुराइयाँ आपके जीवन से दूर रहे और अच्छाइयों से आपका दामन भरा रहे। अहंकार का कद छोटा हो और आत्मविश्वास का परचम ऊंचा हो,जीवन में अपनों का साथ हो।

रा. संरक्षक माँ रत्नीदेवी काबरा द्वारा भी कार्यक्रम हेतु शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ। सुप्रसिद्ध शेफ श्रीमती शोभा जी इंदानी द्वारा हेल्दी एवं पौष्टिक रेसिपीज सिखाई, जिसमें प्रमुख प्रोटीन पाउडर, न्युट्री बार और सलाद का समावेश था।

दूसरे दिन का प्रारंभ पश्चिमांचल उपाध्यक्ष मधु जी बाहेती के शुभकामना संदेश के साथ हुआ। मेडिकल योग थेरेपिस्ट श्रीमती मालती जी चांडक द्वारा पांच प्रकार के बेसिक प्राणायाम के प्रकार तथा शरीर को निरोगी रखने एवं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के तरीके सिखाये गये। दोपहर के सत्र में रा.पूर्व अध्यक्ष लता जी लाहोटी की शुभकामनाएँ प्राप्त हुई। मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित रा.महामंत्री ज्योति जी राठी ने सतरंगी इंद्रधनुष रेनबो -2 को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह प्रकल्प किशोरियों के जीवन के हर पहलु को छूता हुआ, उन्हें हर विधा में पारंगत कराने वाला है। मुख्य वक्ता के रूप में आदरणीय डॉ.संजय जी मालपानी ने मन को ले चले ब्यूटी पार्लर में इस विषय को लेकर गुणाधान एवं दोषाधान की विस्तृत चर्चा करते हुए प्रभावी व्यक्तित्व निर्माण की सीख दी। आपने कहा कि षडरिपु काम,क्रोध लोभ,मोह,मद,मत्सर को त्याग कर मन के भावों को सुंदर बनाने से मन सुंदर बनता है।

तीसरे दिन का प्रातःकालीन सत्र श्रीमती उर्मिला जी कलंत्री की शुभेच्छा से प्रारंभ हुआ। श्रीमती मालती जी चांडक ने कंप्यूटर पर लगातार काम करते रहने के कारण कंधों में दर्द के निवारण के लिए चुन्नी बांधने की एक प्रक्रिया किशोरियों को बताई साथ ही म्यूजिक के साथ प्राणायाम भी सीखाये।

दोपहर के सत्र में रा.पूर्व अध्यक्ष गीता जी मूंदड़ा द्वारा शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा ने किशोरियों को हर क्षेत्र में जागरूक रहने का संदेश दिया। मध्यांचल द्वारा मेरा वोट -मेरे देश का भविष्य प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम घोषित किए गए। लगन से गगन तक की मुख्य वक्ता मिसेस इंडिया यूनिवर्स रुपल जी मोहता ने किशोरियों से कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और सीखी हुई चीज जीवन में कभी ना कभी काम आती ही है। उन्होंने भारतीय परिधान साड़ी पहनने पर जोर दिया और कहा कि पाश्चात्य संस्कृति को आगे ना बढ़ाते हुए हमें भारतीय संस्कृति का अनुसरण करना चाहिए। ससुराल में अपने व्यवहार से सास को ही सबसे बेस्ट फ्रेंड बनाएं।

दक्षिणांचल के आतिथ्य में कार्यक्रम का चतुर्थ दिन की उपाध्यक्ष श्रीमती अनुसूया जी मालू की शुभकामनाओं

द्वारा प्रातःकालीन सत्र की शुरुआत हुई। मेडिटेशन प्रशिक्षिका श्रेया जी तापड़िया ने Forgiveness Mediation के प्रात्यक्षिक प्रस्तुति द्वारा रिश्तों को मधुर बनाना कैसे संभव है यह बताया। जिससे किशोरियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

दोपहर के सत्र में रा.पूर्व अध्यक्ष बिमला जी साबू का आशीर्वाद मिला। मुख्य अतिथि नि.रा.अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने संस्कार सिद्धा के आयोजन की भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि ऐसे प्रकल्पों द्वारा किशोरियों को निश्चित रूप से एक नई दिशा मिलेगी। Treasure Teens के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मंजूश्री बूब ने सर्वाइकल कैंसर,पीसीओडी, हार्मोनल असंतुलन आदि के विषय में विस्तार से बताया।

पांचवाँ दिन उत्तरांचल के आतिथ्य में उपाध्यक्ष मंजु जी मानधणे की शुभकामनाओं से आरम्भ हुआ। प्रातः कालीन सत्र में डॉ.प्रेमलता जी ने हस्तमुद्राओं के विभिन्न प्रकार बताएं तथा उनके शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर होने वाले लाभ की जानकारी दी। रा.पूर्व अध्यक्ष शोभा जी सादानी ने शुभ संदेश में इंद्रधनुष के सात रंगों को जीवन का प्रतीक बताया। मुख्य अतिथि अनुसूया जी मालू ने बताया कि माइंड, बॉडी और सोल को कैसे संतुलित रखें ? एक पायल का एक-एक घुंघरू घंटित होता है तब सुमधुर ध्वनि ध्वनित होती है, इसी तरह यह संगठन भी संगठित है। लाइफस्टाइल डाइट इस विषय की मुख्य वक्ता डॉ. रोहिणी जी पाटिल ने किशोरियों की समस्याओं को डाइट प्लान से कैसे ठीक किया जा सकता है इसपर मार्गदर्शन किया।

पूर्वांचल द्वारा संचालित का षष्ठम दिवस का प्रातः कालीन सत्र उपाध्यक्ष श्रीमती गिरजा जी सारडा के शुभेच्छा सह, तथा संस्कारसिद्धा समिति राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती अंजली जी तापड़िया द्वारा हास्य योग से प्रारंभ हुआ। अंजलि जी ने हमें स्माइल और हास्य की 2 गोलियाँ खाने का तरीका अपने खुशनुमा अंदाज में बताते हुये 12 प्रकार के हास्य योग का प्रशिक्षण दिया।

दोपहर के सत्र में सम्माननीय अतिथि श्रीमती शैलाजी कलंत्री , अध्यक्ष माहेश्वरी महिला पत्रिका ने अपने उदबोधन में मन के 16 श्रृंगारों के बारे में किशोरियों का मार्गदर्शन किया। वैलनेस ऑफ़ माइंड, बॉडी एंड सोल इस विषय के मार्गदर्शक श्री मनीष जी अग्रवाल ने सूक्ष्म मन एवं शरीर की संरचना के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि मन एवं आत्मा के स्वस्थ होने से ही शारीरिक रूप से हम स्वस्थ माने जाएंगे। उन्होंने आयुर्वेद विज्ञान के लाभ भी बताये । रा.पूर्व अध्यक्ष सुशीला जी काबरा के आशीर्वाद के साथ आयोजन का षष्ठम दिवस सफलता पूर्वक समाप्त हुआ।

सप्तम दिवस यानी एक ज्ञानवर्धक, उत्साहवर्धक एवं आरोग्यवर्द्धक आयोजन का समापन दिवस। इस दिन का प्रातः कालीन सत्र ललिता जी मालपानी, अध्यक्ष महिला सेवा ट्रस्ट के आशीर्वचनों से आरंभ हुआ। कोलकता निवासी 85 वर्षीय गोल्ड मेडलिस्ट श्री सत्यनारायण जी बाहेती ने सुजोक चिकित्सा पद्धति से अवगत कराया। साथ ही में हाथों एवं पैरो में मैथी, मूंग, राजमा आदि को लगा कर हम बीमारियों को कैसे ठीक कर सकते है, इसका प्रात्यक्षिक बताया । दोपहर के सत्र में विधान समिति की रा.प्रभारी मंगल जी मर्दा सम्माननीय अतिथि के रूप में आमंत्रित थी। आपने किशोरियों को अपने रुचि के अनुसार आगे बढ़ने की सलाह दी। सफलता की चुनौतियां एवं समाधान इस विषय के मुख्य वक्ता के रूप में श्री नवीन कुमार जी (साइकोलॉजी डिपार्टमेण्ट दिल्ली यूनिवर्सिटी) ने आज के परिपेक्ष्य में होने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान के बारे में किशोरियों को समझाया। उन्होंने बताया कि कैसे खुद पर विश्वास के साथ आंतरिक खुबियों को बढ़ाकर एक अच्छे इंसान के रूप में खुश रहते हुए जीवन में विजय हासिल की जा सकती है। इस अवसर रा. पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जी गगरानी का शुभ संदेश भी प्राप्त हुआ।

उपरोक्त सप्त दिवसीय आयोजन का लाभ प्रतिदिन लगभग 900 किशोरियों और महिलाओं ने लिया। इसे सफल बनाने में राष्ट्रीय संस्कारसिद्धा समिति प्रदर्शक श्रीमती अनुसूया मालू, राष्ट्रीय प्रभारी अंजलि तापड़िया एवं राष्ट्रीय सह प्रभारी श्रीमती चंचल राठी पूर्वांचल, ज्योति बाहेती मध्यांचल, सुमन जाजू उत्तरांचल, अनुराधा मालपाणी दक्षिणांचल, हंसा चितलांगिया एवं कार्यवाहक आभा बेली पश्चिमांचल इनके साथ-साथ सभी प्रदेशों की संयोजिकाओं का सहभाग रहा।

अंजली तापड़िया , संस्कार सिद्धा समिति -रा.प्रभारी

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति

मंथन के मोती..."आँखिन देखी"

(रिपोर्ट लेखन - प्रतियोगिता)

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत ज्ञानसिद्धा-राष्ट्रीय साहित्य समिति की द्वितीय प्रतियोगिता आखिन देखी - रिपोर्ट लेखन 31 मार्च 2024 को निश्चित की गई समयावधि में संपन्न हुई। सभी 27 प्रदेशों से निर्धारित संख्या में प्रस्तुतियाँ आई । भारतीय जनमानस के आंदोलन और 500 वर्षों के इंतजार के परिणाम स्वरूप अंततः राम लला भव्य राम मंदिर में पधारे । इस ऐतिहासिक, अलौकिक क्षण को सारा संसार मुग्ध भाव से देख रहा था। समिति ने भी इस अलौकिक क्षण को चिर स्थाई बनाने के लिये ये प्रतियोगिता पटल पर रखी।

22 जनवरी 2024 को हम सभी टी. वी. के माध्यम से अलौकिक भव्य पलों को नेत्रों में समेट रहे थे। वहीं टीवी पर वह अभूतपूर्व घटना, आँखिन देखी- एक रिपोर्ट के माध्यम से होती हुई, लेखनी बद्ध भी हुई। और आगामी पीढ़ियों के लिये एक दस्तावेज लिख गई। दरअसल जिन लेखिकाओं ने यह रिपोर्ट लिखी है वे भली भाँति जानती हैं कि उन्होंने उन खूबसूरत पलों को कैसे जिया होगा और अपनी भावी पीढ़ी को अपना लेखन सोंपते हुए उनकी मनः स्थिति सचमुच गूंगे के गुड़ का स्वाद जैसी ही होगी। बस इसी सुखानुभूति को साकार करना समिति का उद्देश्य था और समिति इसमें पूर्ण रूप से सफल हुई ।

त्रयोदश सत्र के राममय भाव को समर्पित इस बार यह प्रतियोगिता 400 शब्दों की शब्द सीमा के साथ पटल पर आई । आँखों देखी घटना का वर्णन रिपोर्टिंग के माध्यम से सचमुच रोमांचकारी था। केवल टी. वी. पर देखना और फिर समय के अंतराल से उसे विस्मृति के गर्त में उतार देना एक सहज बात होती है ।

समिति नियमावली के पालन में कठोर अनुशासन की आग्रही है। शब्द सीमा होते हुए भी कुछ लेखिकाओं ने उसकी अवहेलना की । कहीं शब्द ज्यादा तो कहीं 350 के आसपास । तोला घटे न रत्ती बढ़े की मनःस्थिति में यदि नियमानुसार लेखन किया जाय, तो क्या ही बात हो । अस्तु.... कुछ रचनाओं में डाटा इतना ज़्यादा दिया गया कि रचना खम्भों की गिनती, पत्थर कहाँ से लाया गया, मूर्तिकार का विशेष परिचय, बॉलीवुड सितारों के नामों की लिस्ट, उनके आवागमन का क्रम बद्ध ब्यौरा, आभूषणों के रत्नों का विशद विवरण, आभूषण के निर्माता ज्वैलर का वर्णन, आदि - आदि विवरणों का आंकड़ा बन कर रह गई। बाकी सभी जरूरी दृश्य इन आंकड़ों में खो से गये। कुछ रचनाओं में काल क्रम का बिलकुल ध्यान नहीं रखा गया। पहला वाक्य वर्तमान काल है, तो अगला वाक्य भूत काल में पहुंच गया और लेखन का सौंदर्य एकदम खत्म हो गया। समिति हिंदी भाषा के प्रयोग पर ज़ोर देती है, पर कई रचनाओं में खुलकर उर्दू शब्द प्रयोग किये गये। कुछ रचनाएँ केवल भावना प्रधान थीं, तो कुछ केवल तथ्य प्रधान रहीं । केवल 500 वर्षों का इतिहास बता कर वर्तमान को कुछ शब्दों में समेट कर बताना आँखिन देखी के भाव को खत्म कर गया ।

तथ्यों के साथ भावनाओं का संगम रचनाओं को उत्कृष्ट बना गया । जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरति तिन्ह देखी तैसी । पुरबासिन्ह देखे दोऊ भाई, नर भूषन लोचन सुखदाई।

बिदूषन प्रभु बिराटमय दीसा, बहु मुख कर पग लोचन सीसा । हरिभगतन्ह देखे दोउ भाता, इष्टदेव इव सब सुखदाता।

दशरथ अजिर बिहारी, कौशल्या नंदन श्री राम की पंच वर्षीय अद्भुत रूप माधुरी का वर्णन क्या लेखनी से संभव है?

कदापि नहीं. . पर अलौकिक भावना के वशीभूत होकर कुछ लोगों ने रामलला के स्वरुप का इतना मनोहारी चित्रण किया, कि मन पुनः राम लला मूर्ति स्थापना दिवस 22 जनवरी 2024 में पहुंच गया। कुछ ने माननीय प्रधान मंत्री के पधारने का विवरण, मंदिर में पूजा अर्चना विधि, भगवान की आँखों से पट्टी का हटाने का विवरण, स्वर्ण शलाका से अंजन विधि,मांगलिक श्लोकों के उच्चारण का वर्णन, माननीय लोगों की गर्भगृह में उपस्थिति का सजीव चित्रण, प्रधान मंत्री व अन्यान्य के राष्ट्र को उदबोधन का वर्णन सभी कुछ मनोयोग से शब्द जाल में बाँधा । अयोध्यापुरी का अप्रतिम वैभव, सरयू नदी की सुंदरता सभी का विवरण दिया गया ।

अपार जनसमूह के वर्णन के साथ जितना जरुरी हो उतना डाटा भी दिया गया। घटना विवरण का आँखों देखा सजीव वर्णन और साथ में डाटा बताना रचनाओं को ऊपर के पायदान पर स्थापित कर गया। कई लेखिकाओं ने सुन्दर शब्द रचना, उन्नत भाषा और तथ्यपरक भाव के साथ रिपोर्ट लिखीं और विजयी बनीं। सदियों की तपस्या व इंतजार के फलस्वरूप रामलला मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा का यह दुर्लभ दृश्य रचनाओं के माध्यम से मानस में सदैव के लिये चिरस्थायी हो गया ।

सार संक्षेप में कहूं तो हमारे अटूट प्रयासों और लेखिका वर्ग द्वारा अपना सर्वोत्तम देने की उत्कट आकांक्षा के परिणाम स्वरुप रिपोर्ट लेखन जैसी विधा में भी इस बार कई शानदार, जानदार प्रस्तुति आई। हम राष्ट्रीय नेतृत्व के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने समिति पर अटूट विश्वास किया है और हमें कार्य करने हेतु खुला आसमान दिया है। प्रदेश पदाधिकारियों का दिल की गहराइयों से धन्यवाद, जिनके अप्रतिम सहयोग और तत्परता के कारण प्रतियोगिता परवान चढ़ती है। लेखिका वर्ग की हिंदी भाषा, साहित्य के प्रति उत्तरोत्तर जाग्रत होती अभिरुचि, परिमार्जित भाषा, परिष्कृत होते विचारों और लेखन के सतत प्रयासों के परिणाम स्वरुप प्रतियोगिता नवीन आयामों को छूती है। हमारे निर्णायक मंडल का भी विशेष आभार, जिनकी तत्परता के चलते समिति समय से पहले ही परिणाम घोषित करती है और सफलता के अनूठे मापदंड स्थापित कर पाती है।

समिति प्रदर्शक-मंजुमानधना, दिल्ली

राष्ट्रीय समिति प्रभारी-डा. अनुराधा जाजू, हैदराबाद

मंथन के मोती... परिणाम

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत ज्ञानसिद्धा - साहित्य समिति की राष्ट्रीय स्तर की द्वितीय प्रतियोगिता आँखिन देखी - एक रिपोर्ट के परिणाम निम्नलिखित हैं.....

प्रथम स्थान - श्रीमती पल्लवी दरक न्याती, कोटा, पूर्वी राजस्थान प्रदेश । **द्वितीय स्थान**- श्रीमती शशि लाहोटी, वृहत्तर कोलकाता प्रदेश । **तृतीय स्थान** - श्रीमती डा. सूरज माहेश्वरी, जोधपुर, पश्चिमी राजस्थान प्रदेश ।

चतुर्थ स्थान - श्रीमती सारिका बाहेती, अमरोहा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश । **पंचम स्थान** - श्रीमती चेतना जागेटिया, भीलवाड़ा, दक्षिणी राजस्थान प्रदेश । **षष्ठम स्थान** - श्रीमती सुनीता सारडा, सिवनी, मालवा, पूर्वी मध्य प्रदेश। **सप्तम स्थान** - श्रीमती रुक्मण लढ़ा, मुंबई प्रदेश । **अष्टम स्थान** - श्रीमती तारा चांडक, रायपुर, छत्तीसगढ़ प्रदेश ।

सह प्रभारी मंडल- अर्चना लाहोटी, सरोज मालपानी, मीनू झंवर, प्रभा जाजू, सरोज गट्टानी

प्रथम

श्री राम के दर्शनों से हर कोई भाव विह्वल हो गया

आज 22 जनवरी 2024 सोमवार । प्रभु श्री राम की पावन नगरी अयोध्या दुल्हन की भाँति सजी है । नगर की अलौकिक छटा अवर्णनीय है । पुष्पित श्रृंगार, रंगोली से सजी धरा और हवा में सुमधुर स्वर लहरिया, सभी में प्रभु श्री राम की महिमा का गुणगान है । कई बड़े-बड़े नेताओं अभिनेताओं, गायकों व खिलाड़ियों का अयोध्या में आगमन निरंतर जारी है। प्रातः 10:00 बजे से मंगल गायन प्रारंभ हो चुका है । अब सभी को इंतजार है देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

जी का । सभी की निगाहें उनके आगमन पथ पर टिकी है।

11:45 हो रहे हैं और माननीय प्रधानमंत्री जी का मंदिर प्रांगण में प्रवेश हो चुका है। चांदी के थाल में छत्र लेकर वे गर्भ गृह की ओर बढ़ रहे हैं। 12:5 पर मोदी जी का गर्भ गृह में प्रवेश और हर बढ़ते कदम के साथ लोगों के हृदय में प्रभु श्री राम के दर्शनों की अभिलाषा भी बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री जी के साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत जी, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और योगी आदित्यनाथजी भी मौजूद हैं। जैसे ही मंदिर के द्वार खुले प्रभु श्री राम के दर्शनों से हर कोई भाव विह्वल हो गया।

श्लोक व मंत्रोच्चार की ध्वनि का स्वर गूंज रहा है। श्याम पाषाण से निर्मित 5 वर्ष के बालक स्वरूप श्रीराम की मूर्ति का श्रृंगार अद्भुत है। बाएं हाथ में सोने का धनुष तो दाहिने हाथ में सोने का बाण है । गले में स्वर्ण माला,रत्न जड़ित स्वर्ण मुकुट, माणिक्य और पन्ने से सुशोभित कर्ण कुंडल व हृदय पर कौस्तुभ मणि शोभायमान है । स्वस्तिक, गणेश जी, शंख, चक्र, सूर्य चंद्रमा, द्वादश अवतार सुशोभित है। प्रभु के अधरों की मुस्कान व नयनों की छवि देखकर सभी अपलक उन्हें निहार रहे हैं। प्रांगण में संतो का सरोवर देवी-देवता स्वरूप लग रहा है। कोई घंटी बजा रहा है तो कोई शंख । षोडशोपचार पूजन के साथ प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव चल रहा है। सर्वप्रथम श्री गणेश जी की पूजा, उसके पश्चात श्री रामलला की पूजा व भोग, साथ ही प्राचीन मूर्ति की भी पूजा । बीज मंत्रों के साथ 2 फीट लंबी सोने की छड़ी भगवान के हृदय स्थल पर रखी और न्यास पाठ के साथ प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूरा हुआ। दोपहर 12.29.08 से 12.30.32 के शुभ मुहूर्त 84 सेकंड में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। नभ से बरसते पुष्प ऐसा आभास दे रहे हैं मानो स्वर्ग से देवी-देवता पुष्प बरसा रहे हो ।

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात मंदिर प्रांगण में गोविंद देवगिरी महाराज से चरणामृत ग्रहण कर मोदी जी ने 11 दिन का उपवास तोड़ा। गुरुदेव ने कहा- हमारा सौभाग्य है कि देश को एक तपस्वी प्रधानमंत्री मिला है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन जी भागवत ने कहा- आज 500 वर्ष बाद श्रीराम फिर लौटे हैं। हमें क्लेश - कलह नहीं, बल्कि उच्च आचरण से देश की तरक्की में योगदान देना होगा। योगी आदित्यनाथ जी ने कहा - अयोध्या विश्व की सांस्कृतिक नगरी के रूप में प्रसिद्ध होगी और इसकी गलियों में गोली की आवाज नहीं बल्कि राम नाम के स्वर गूंजेंगे । माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा- यह साक्षात मानवीय मूल्यों और सर्वोच्च आदर्श की प्राण प्रतिष्ठा है और यह संकल्प हम सदियों से दोहराते आए हैं। प्रभु श्री राम की जय जयकार से चारों दिशाएँ गूँज उठी। प्रभु श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव अब समापन की ओर है। प्रधानमंत्रीजी व सभी गणमान्य भक्त अब अपने-अपने गंतव्य की ओर अग्रसर हैं। । श्रीराम की भावनाओं को हृदय में संजोकर विदा लेते हैं। जय श्री राम । **पल्लवी दरक न्याती, कोटा (राजस्थान)**

द्वितीय

खुशी, उमंग, उल्लास के आँसू

अहो, जागे मेरे भाग्य आज। रामलला विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मैं हूँ पावन नगरी अयोध्या में, मेरी बेटी सौम्या जो अमेरिका में है, उसे बता रही हूँ यहां का अलौकिक दृश्य। सब कुछ राममय... राममय...।

क्या तुम्हें पता है, पाँच दशक के इंतजार के बाद यह घड़ी आई है। जन जन के हृदय बसे राम ने भव्य मंदिर में जगह बनाई है। आज सूरज की आभा हटकर है। भारतवर्ष के साधु, संत, महंत, देश-विदेश के गणमान्य व्यक्ति अयोध्या में दिखाई दे रहे हैं। सभी हाथ जोड़े ठुमक ठुमक कर अपने पग मंदिर की ओर बढ़ा रहे हैं। सबकी आँखों में राम है, हृदय में राम है, वाणी में राम है, मुस्कान में राम है, सांस में राम है, धड़कन में राम हैं, ऐसे लग रहा है कि प्रभु राम आज मंदिर में नहीं, सबमें विराजमान हो रहे हैं। हर व्यक्ति लाल, पीले, केसरिया परिधान पहने नजर आ रहे हैं। रंग-बिरंगे फूलों की

अद्भूत सजावट से कोना-कोना शोभित है।

एक और गर्भगृह में प्रधानमंत्री के हाथों श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो रही है। वहीं बाहर कहीं हवन की भीनी-भीनी खुशबू है तो कहीं ढोलक की थाप। कहीं राम की लीला का मंचन, तो कहीं राम भजन पर नृत्य होते घुंघरु की छम-छम। कहीं शहनाई की मंगल नाद। अहो! सबके दिलों में भरा आल्हाद।

अरे! एक वृद्ध महिला व्हील चेयर पर है, जो शायद अपने पुत्र के साथ आई है। उसकी आँखों की चमक और मुख पर श्रद्धा अकल्पनीय है। वह बैठे-बैठे ही सुधबुध खोकर झूम रही है। सबके मन में एक ही ध्यान मेरे राम आए हैं, अवध में राम आए हैं। अगर तुम यहाँ होती ना, तो तुम भी सबके साथ नाचने लग जाती। अरे! यह क्या जो संत-महात्मा सुख-दुःख की सीमा से परे होते हैं, उनकी आँखों से झर-झर अश्रुधारा बह रही है। खुशी, उमंग, उल्लास के आँसू। मेरी आँखें भी छलक आई है। मैं बहुत बार तुम्हें यह मुहावरा सिखाती थी ना ''खुशी से आँखें छलक आना'' वह मुहावरा यहां हर जन पर लागू हो रहा है।

प्रतीक्षा की घड़ी समाप्त हुई। गर्भगृह में प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न करके प्रधानमंत्रीजी चरणामृत ग्रहण कर ग्यारह दिन का व्रत खोल रहे हैं।

धन्य धन्य भारत की धरा, धन्य धन्य अयोध्या नगरी, अति मनोरम दृश्य, चारों ओर गुलाब की पंखुड़ियां हेलिकॉप्टर से बरस रही हैं, मानो देवलोक से फूलों की वर्षा हो रही है। सौम्या, मुझे ऐसे लग रहा है जैसे मैं त्रेतायुग में आ गई हूं। आस्था का इतिहास अपने आपको दोहरा रहा है। सभी भक्ति भाव में डूबकर दोनों हाथ फैला जय श्रीराम के नारे लगा रहे हैं। अद्भुत दृश्य! राम मंदिर बनाने वालों मजदूरों पर स्वयं प्रधानमंत्री फूल बरसा रहे हैं। आज मंदिर और सरयू घाट लाखों दीपक से जगमग होने की तैयारी में हैं। भव्य दिवाली...।

काश, तुम स्वयं फूलों और दीपों से सजी अवधनगरी की अनुपम छवि देखती। मैं, जिसे शब्दों से खेलना पसंद है, जाने क्यों आज निःशब्द हो रही हूँ। मंदिर निर्माण के लिए प्राणों का बलिदान देने वाले भक्तों की आत्मा को आज शांति मिली होगी। हम भाग्यशाली हैं कि इस ऐतिहासिक घड़ी के साक्षी बने हैं। तुम दूर होकर भी इससे महसूस कर पाओगे और हां, आज शाम तुम दीपक करके वास्तविक दिवाली मनाना।

राम बसे कण-कण में, राम हैं सबके प्रण में,
राम को जो भी ध्याये, राम मिले उसी क्षण में।
बोलो राम राम राम...।

-शशि लाहोटी, वृहत्तर कोलकाता

करो योग : रहो निरोग : योगा प्लस का सफ़र

बात 12 अगस्त 2012 की है, मैंने अपने अंदर के जुनून को सार्थक बनाया। स्कूल के समय से ही यह मेरी दिनचर्या में था । शादी के बाद सब कुछ बदलता गया, अपने लिए समय निकालना कठिन था। खुद के लिए कुछ करना एक सोच ही रह गया। तब योगा ने जीवन में फिर नई दस्तक दी। योग जो हमारा जुनून हमने उसे प्रोफेशन बना लिया आज एक योगा क्लास का खोलना काफी रोमांचित था। मेरी सहयोगी पायल ने बहुत सहयोग किया। सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग ? लेकिन खुद की खुशी और परिवार से हौसले से शुरू हुआ योगाप्लस का सफर 12 साल पहले केवल 2 स्टूडेंट्स से चौबे कॉलोनी , रायपुर में योगा प्लस क्लास का श्रीगणेश किया। योग के माध्यम से अनेकों लोगों को शारीरिक और मानसिक तकलीफ दूर हुई। वर्तमान में ऑफलाइन, ऑनलाइन से योग अभ्यास, प्राणायाम, मेडिटेशन के संग संग डिटॉक्स सेशन सक्रिय है लोगों को स्वास्थ लाभ हो रहा है। हमारा सपना आकार लेने लगा।सरिता और पायल हमेशा एकदूसरे का उत्साह बढ़ाते रहे जोश और जुनून हो अगर, तो दूर नहीं डगर। सरिता जी अपने योगा के सफर के बारे में बताते हुए कहती हैं कि उनका यह बताने का सिर्फ एक ही मकसद है कि हरेक इंसान में कोई न कोई खूबी अवश्य होती है, केवल ज़रूरत है अपने अंदर के खूबी को तलाश कर उसे पूरी उत्साह और जोश के साथ पूरा करने की ।

सरिता साबू 9826725242

तृतीय

'जय श्री राम' के स्वर पूरे वातावरण में ही नहीं, पूरे देश में जीवंत हो गए

आँखों देखा रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव को इसलिए लिख रही हूँ कि मेरी बिटिया शिवानी हवाई यात्रा कर रही है। समारोह की प्रत्यक्ष अनुभूति से वंचित उसका मन उदास है । शब्दों में यह ऐतिहासिक कार्यक्रम समेटना मुश्किल है, पर छोटीसी झलक उस तक पहुँचाना चाह रही हूँ।

आख़िरकार श्री राम के जन्मस्थान अयोध्यानगरी में करोड़ों लोगों का सपना पूरा होने जा रहा है। जैसा की तुम्हें पता है, जटिल कानूनी लड़ाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मंदिर निर्माण का कार्य प्रशस्त किया और आज हम सभी इस अभूतपूर्व पलों के साक्षी बन रहे हैं । आज सुबह से ही आसमान में हलके बादल छाये हुए हैं, मानों सांवले - सलोने रामलला को देख उसका भी दिल भर आया और वो भी रिमझिम फुहार बन बरस पड़ा है । थोड़ी ही देर में बादलों की ओट से उम्मीद का सूरज सरयू नदी के पावन जल पर जगमगाने लगा। मंदिर के गुम्बद की चमक सुनहरी हो गई । बलुआ पत्थर से निर्मित बेजोड़, पारंपरिक नक्काशी से सज्जित यह मंदिर आन-बान-शान से नये युग की कहानी सुना रहा है। मंदिर की अप्रतिम सजावट बहुत सजीव है। गर्भगृह में चल रहे पूजा-पाठ व वेद मन्त्रों से प्रांगण गूँज उठा है।

चारों ओर लगे विशाल चित्रपटल पर लोग टकटकी लगाए देख रहे हैं कि, कैसे पूरे भारत में आज दिवाली मनाई जा रही है। गली-मुहल्ले में शोभायात्राएं निकल रही हैं। घर-घर में भोग बन रहे हैं । कहीं सुन्दरकाण्ड, भजन-कीर्तन, तो कहीं ध्वजा लेकर लोग नाच-गा रहे हैं। आमजन से लेकर नेतागण, संत-महात्मा, सिनेकलाकार, उद्योगपति सभीकी उपस्थिति आतुर है रामलला के दर्शन को । मेरे पास बैठे दो सज्जन कारसेवकों के बलिदान के बारे में अपना मर्मस्पर्शी अनुभव सुना रहे हैं। एक तरफ़ छोटे-छोटे बच्चे रामजी की वेशभूषा में कंठस्थ श्लोक धाराप्रवाह सुना रहे हैं, उनके पीछे युवाओं का जत्था ढोल-मंजीरें पर रामधुन गा रहा है। तो कहीं एक जैसी लाल साड़ी पहने महिलाएं पधारों म्हारे देस पर नृत्य कर रही हैं।

लता मंगेशकर चौक पर विशाल वीणा की प्रतिकृति स्थापित है। चबूतरे पर 90 वर्षीय वैजयंतीमाला 'भरतनाट्यम' द्वारा श्रद्धा की अभिव्यक्ति दे रही है। कहीं पंढरपुरी कीर्तन तो कहीं गरबा खेला जा रहा है। भक्ति को मापने का कोई पैमाना नही होता बेटा। रंगोली सजाकर, साफ़-सफाई कर, भोजनशाला चलाकर भक्त अपना योगदान दे रहे हैं। सुरक्षा के मज़बूत इंतजाम से जनता आश्वस्त नज़र आ रही है। जिन मजदूरों ने मंदिर निर्माण कार्य पूरा किया, उनपर स्वयं यजमान प्रधानमंत्री जी फूल बरसा रहे हैं। उनकी सजल होती आँखें यहाँ से दिखाई दे रही हैं।

और फिर वो चिरप्रतिक्षित क्षण भी आ गया, जिसके लिए आँखें तरस रही थीं । माननीय प्रधानमंत्री जी ने जैसे ही रामलला की मूर्ति का अनावरण किया वैसे ही तालियों की गड़गड़ाहट व घंटियों के नाद के बीच आरती व 'जय श्री राम' के स्वर पूरे वातावरण में ही नहीं, पूरे देश में जीवंत हो गए। आसमान से पुष्पवर्षा और आँखों से अश्रुधारा बहने लगी ।

बालसुलभ तेजस्वी रूप, बोलती आँखें, मोहक मुस्कान, घुँघराले केश, आहा... अद्भुत श्यामल रूप देख हर कोई मूर्तिकार अरुण योगिराज जी को धन्यवाद दे रहा है। सारी दुनिया मन्त्रमुग्ध हो प्रधानमंत्री जी का उदबोधन सुन रही है। वास्तव में सांस्कृतिक नगरी में यह पर्व हर एक भारतवासी के साथ आध्यात्मिक जीवंतता का वादा कर रहा है। बेटा, आज मैं भावुक हूँ, आनंदित हूँ, गर्वित हूँ! जीवन में सार्थकता एवं धन्यता का अनुभव हो रहा है । पूरा विश्व अचरज से, प्रशंसा से भारत की ओर देख रहा है।

तपोभूमि की माटी माथे पर लगाई है, और तेरे लिए भी लेकर आ रही हूँ । रामजी का आशीर्वाद तुझपर, हम सबपर बना रहे। जय श्री राम ।

डॉ. (श्रीमती) सूरज माहेश्वरी, जोधपुर

संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति

11 मई को टेक्नोलॉजी डे के उपलक्ष में राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी सुडोकू क्विज का सफलतापूर्वक आयोजन

संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति द्वारा 11 मई (National Technology Day) को तकनीकी सुडोकू ऑनलाइन व्हाटसएप प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें नवीन और तकनीकी तरीके जैसे क्यूआर कोड, स्पिनिंग व्हील, गूगल फॉर्म और पारंपरिक तरीके जैसे एमसीक्यू, क्रॉस वर्ड, शब्द खोजना, अंतर खोजना इत्यादि प्रश्न पूछे गए। यह प्रतियोगिता कुल चार चरणों में खिलाई गई।

बहनों को प्रतियोगिता बेहतर तरीके से खेलने हेतु हिंट वीडियो you tube चैनल से भेजे गए। Whatsapp चैनल द्वारा टिप ऑफ द वीक, नियमावली, इमेज प्रश्न आदि भी दिए गए। बहनों ने खेल खेल में ज्ञान भी अर्जित किया इसलिए यह प्रतियोगिता अपने आप में अनूठी थी।

इस तकनीकी सुडोकू प्रतियोगिता को अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला, नेपाल चैप्टर सहित 27 प्रदेशों से 4695 प्रतिभागियों ने इस तकनीकी Sudoku के प्रति अपनी रुचि दिखाई। शुरुआत में व्हाटसएप ग्रुप पर ट्रैफिक बहुत अधिक था, जिसके कारण 2 बार प्रतियोगिता को 10 मिनट के लिए रोकना पड़ा। बहनों का उत्साह और रुचि आखिर तक बनाए रखने हेतु कुछ तकनीकी साधनों का उपयोग किया गया (स्टीकर्स/flyers/ videos/ spinning etc)

कुल 15 प्रश्न व्हाटसएप पर और 4 प्रश्न गूगल फॉर्म के माध्यम से पूछे गए। प्रति अंचल Whatsapp द्वारा कुल प्रतिसाद इस प्रकार रहा (इनमें एक प्रश्न के उत्तर में मीडिया प्रारूप में प्रतिक्रिया प्राप्त हुई थी।) मध्यांचल – 2848, दक्षिणांचल–2270, पूर्वांचल–1462, उत्तरांचल – 1385, पश्चिमांचल–1165

गूगल फॉर्म में 4 प्रश्नों का उत्तर में प्रतिसाद लगभग 2120 था। कुल मिलाकर, 19 प्रश्नों को कुल प्रतिसाद लगभग 11250 रहा। हर आंचल से कुल 15 शीर्ष प्रतिभागियों का चयन किया गया।

कुल 75 प्रतिभागियों में से, अंकन में समानता के कारण, लगभग 60 प्रतिभागियों को फोन किया गया और प्रत्येक क्षेत्र से शीर्ष 9 प्रतिभागियों में पहुंचने के लिए उनसे फोन पर 5 प्रश्न पूछे गए। कुल 45 प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया, जिनमें से प्रत्येक अंचल से 4 प्रतिभागियों को विजेता और 5 को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

समिति की टीम ने पथ प्रदर्शक श्रीमती उर्मिला जी कलंत्री के साथ आंचलिक सहप्रभारी श्रीमती मनीषा सोमानी, विनीता डाड, सुशीला माहेश्वरी, गरिमा गट्टानी, सपना लाहोटी इनके साथ चयनित संयोजिका श्रीमती अमृता सारडा (प बंगाल), सनीथा माहेश्वरी (जयपुर) , छवी भदादा (द राजस्थान), फाल्गुनी बियानी (प.मध्यप्रदेश), भारती माहेश्वरी (प. उत्तरप्रदेश), रिम्पी कोठारी (हरियाणा पंजाब), श्रीमती पूजा लोया (आंध्रप्रदेश), सपना लोया (कर्नाटक) इनका इस प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु बहुमूल्य योगदान दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम–**पूर्वांचल**, श्रीमती नेहा चितलांगिया,मालदा, प्रदेश–पश्चिम बंगाल–श्रीमती कृति राठी, कोलकाता, दक्षिण कोलकाता माहेश्वरी महिला संगठन–श्रीमती रंजिता लड्ढा, बालेश्वर उत्कल प्रदेश, श्रीमती शांति मुंदड़ा शहर – ब्रह्मपुर जिला – गंजाम प्रदेश – ओडिशा

पश्चिमांचल–श्रीमती बिनिका माहेश्वरी, मकराना, मध्य राजस्थान, श्रीमती पूजा बंग, राजसमंद, दक्षिणी राजस्थान, श्रीमती सुरभी तोषनीवाल, जयपुर, पूर्वोत्तर राजस्थान, श्रीमती उषा बंग, जोधपुर, पश्चिमी राजस्थान

मध्यांचल–श्रीमती नामिता माहेश्वरी, खाचरोद, जिला– उज्जैन, प्रदेश–पश्चिमी मध्य प्रदेश, श्रीमती पूजा

श्रीराम सारडा, शहर – उमरखेड, जिला–यवतमाल, प्रदेश – विदर्भ प्रदेश, श्रीमती अर्चना लड्ढा, शहर– उज्जैन प्रदेश: पश्चिमी मध्य प्रदेश–श्रीमती अरुणा बिड़ला, शहर– सूरत, प्रदेश– गुजरात

उत्तरांचल–श्रीमती राजकुमारी बियानी, शहर – दिल्ली, जिला – रोहिणी, श्रीमती उषा मोहन्ता शहर – दिल्ली जिला – साउथ जोन, प्रदेश– दिल्ली, श्रीमती नीलम तोषनीवाल, शहर – आगरा, प्रदेश– पश्चिम उत्तर प्रदेश, श्रीमती पूजा माहेश्वरी शहर – दिल्ली जिला – करोल बाग, प्रदेश – दिल्ली

दक्षिणांचल–श्रीमती संगीता सुरेश गट्टाणी, भिवंडी , डिस्ट्रिक्ट थाणे , महाराष्ट्र, श्रीमती यशिका माहेश्वरी

शहर: मुंबई, चेंबूर, श्रीमती सपना किशोर झंवर, कोल्हापूर महाराष्ट्र, श्रीमती सीमा रमेशजी जाजू, बीड, महाराष्ट्र

हम आप सभी को आपके पास आने वाले अवसरों का लाभ उठाने के मिशन के रूप में, आपको तकनीकी रूप से उन्नत बनाए रखने का आश्वासन देते हैं।

सीए भाग्यश्री चांडक

राष्ट्रीय समिति प्रभारी, संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति

संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति

नाटिका के माध्यम से दी फर्स्ट एड की जानकारी

अ.भा.माहे.म.सं.की चतुर्थ राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक वृंदावन में संजीवन सिद्धा (स्वास्थ्य) समिति ने प्राथमिक संजीवनी सेमिनार लिया जिसमें बड़ों,बच्चों और हमारी सुरक्षा हेतु प्राथमिक चिकित्सा के गुर सभी को सिखाए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बाँगड़ , महामंत्राणी श्रीमती ज्योतिजी राठी, मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती विमलाजी साबु, श्री राकेशजी माहेश्वरी ने समिति प्रभारी श्रीमती कुंतलजी तोष्णीवाल द्वारा लिखित फर्स्ट एड प्राथमिक चिकित्सा पुस्तक का विमोचन किया ।

समिति प्रदर्शक श्रीमती मंजुजी हुरकट ने कार्यक्रम का संचालन किया व अपनी समिति का बहुत ही सुंदर तरीके से सदन से परिचय करवाया । श्रीमती कुंतल तोष्णीवाल ने ब्रेन स्ट्रोक , हार्ट अटैक , आग से जलना , इलेक्ट्रिकल बर्न , नकसीर , ज़हरीले पौधे को छूने, चोट , फ्रैक्चर, मिर्गी , सांप काटने , हाई शुगर, लो शुगर , चक्कर, जैसी कई परिस्थिति में हमे मेडिकल सुविधा मिलने के पहले क्या प्राथमिक उपचार देना है , बहुत ही सुंदर , सरल तरीके से बताया। आंचलिक सह प्रभारी मध्यांचल से श्रीमती प्रतिभा नत्थानी पूर्वांचल से श्रीमती अर्चना तापड़िया पश्चिमांचल से श्रीमती रीना राठी उत्तरांचल से श्रीमती सुजाता राठी का पूरे कार्यक्रम में भरपूर सहयोग रहा । राष्ट्रीय प्रभारी ने प्राथमिक चिकित्सा सेमिनार में सीपीआर या कृत्रिम श्वास देना भी सिखाया जो जीवन बचाने व मरीज़ को अस्पताल तक सुरक्षित पहुँचाने में बहुत ही कारगर सिद्ध होती है। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती तोषनीवाल ने धन्यवाद दिया। सभी ने इस कार्यक्रम को बहुत सराहा व भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम पूरे भारत में करने की माँग की ।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बहनों ने फर्स्ट एड की जरूरत क्यों,घर एक नाटिका प्रस्तुत की। श्रीमती कुंतल तोषनीवाल द्वारा संकलित जीवनउपयोगी First aid पुस्तिका सभी को नि:शुल्क दी गई। यह पुस्तक सभी के उपयोग हेतु घर–घर पहुंचे इसलिए ऑनलाइन भी प्रेषित की गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संजीवन किट वितरित किए गए जो सभी को बहुत पसंद आए।

कुंतल तोषनीवाल, राष्ट्रीय प्रभारी,
संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति

गिरिजा सारड़ा

गिरिजा सारड़ा
सहसंयोजक एवं प्रधान सम्पादक
बी.कॉम., एल.एल.बी.
पति : सुनील सारड़ा
उपाध्यक्ष : कनफेडरेशन का नेपाली इंडस्ट्रीज, कौशी प्रदेश
उपाध्यक्ष : अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन
संगठन सचिव : नेपाल रा. मारवाड़ी महिला संगठन
मेन्टोर : महिला अधिकार समिति, अ.भा.माहे.म.सं.
कार्यसमिति सदस्य : मानव सेवा आश्रम, विराटनगर
प्रेसीडेंट इलेक्ट नोमनी–रोटरी क्लब ऑफ विराटनगर डाउनटाउन
सदस्य : लैंगिक हिंसा निवारण कोष, विराटनगर महानगर पालिका
राष्ट्रीय संयोजक : श्री हरि सत्संग समिति (महिला ईकाई)
पूर्व अध्यक्ष : नेपाल माहेश्वरी उद्योग संगठन मोरंग
पार्टनर : पायनियर रबर फैक्ट्री
डायरेक्टर : पायनियर इलेक्ट्रो केबल्स प्राइवेट लिमिटेड

शक्ति है, सम्मान है, गौरव है, अभिमान है,
रचा जिसने है विधान, नतमस्तक हम उसे प्रणाम

नारी की बात करो तो, अक्सर इसी तरह की पंक्तियां कवियों की लेखनी और कलाकार की कूची से अवतरित होती है। पर जब मुझे नारी विशेषांक की अतिथि संपादक बनने के लिए आग्रह किया गया और वह भी अपने ही समाज की पत्रिका के बारे में तो मेरे मानस में जो पंक्तियां उभरीं वह थीं। शक्ति स्वरूपा है वो, जननी भी, सुर भी वो, संगीत भी, शिक्षक भी वो, विदुषी भी, प्रेरक भी हो, प्रेरणा भी संघर्ष भी है , विजेता भी जीवन भी वो, जीवन दायनी भी, सादगी भी वो, आध्यात्म भी संतुलन भी है, योग भी पंक्तियां तो मानस पटल पर जैसे अंकित ही हो गई थी और अब शुरू हुआ मेरा सफर हमारे समाज से ऐसी महिला शख्सियतों की खोज का, और सत्य मानिएगा बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उल्टा यह लगा की पत्रिका नहीं ग्रंथ बना सकते हैं हम, ऐसी है हम माहेश्वरी महिलाएं । तो एक बार खुद की और अपने आसपास की माहेश्वरी महिलाओं की पीठ थपथपा दें, या सुंदर सी मुस्कुराहट के साथ उन्हें जरूर कह दें कि आपको उन पर गर्व है देखिएगा, झूठ नहीं कहती हूं संभावनाओं की कमी नहीं है हम माहेश्वरी महिलाओं में, अगले ही महीने हमें एक और महिला विशेषांक निकालना पड़ेगा। आज इस विशेषांक में जब नाम लेने थे तो शायद आपको पता भी नहीं होगा की भोग से लेकर योग तक, कर्म से लेकर आध्यात्म तक, जन्म देने से लेकर जन्म बचाने तक, शिक्षा से लेकर संगीत तक, घर से लेकर देश के बॉर्डर तक हर क्षेत्र में हमारी बहनों का वर्चस्व है। ऐसी ही कुछ बहनों को लेकर मैं आपके समक्ष हूं और फिर से एक बार मेरे मन में यह विश्वास और भी पक्का हो गया है, हां मैं मानती हूं कि सुश्रिता से सखी तक और सखी से स्वयंसिद्धा हर वक्त शक्ति स्वरुपा है नारी।

अतिथि संपादक–गिरिजा सारड़ा
रा. उपाध्यक्ष पूर्वांचल

कविता झंवर.... फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट साड़ी ड्रेपिस्ट

बिजली चमकती हैं तो आकाश बदल देती है, आंधी उठती हैं तो दिन को रात बदल देती है।

और जब गरजती हैं नारी शक्ति तो इतिहास बदल देती हैं।।

जी हां, ये बिल्कुल सही बात है। अक्सर सुनते आये हैं कि एक महिला या बेटी – एक नहीं बल्कि दो परिवारों की इज्जत होती है लेकिन आज हम जिस शख्सियत से आपको रुबरु करवाने जा रहे है वो एक या दो परिवार की नहीं अपितु दो समाज की इज्जत बढ़ा रही है।

और ये है कविता झंवर बरडिया झंवर परिवार की बेटी, बियानी परिवार की कुलवधु बनकर आई लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। 32 वर्ष की छोटी सी उम्र में शादी के 9 साल बाद लंग्स फाइब्रोसिस (बीमारी) के कारण पति का देहांत हो गया, गोद में डेढ़ साल का नन्हा मासूम बच्चा। और यही से विपरीत परिस्थितियों के साथ कठिन परीक्षा का दौर चालू हो गया। समाज द्वारा थोपी गई दकियानूसी रिवाजों तथा तमाम उतार-चढ़ाव के थपेड़ों के बावजूद समुंद्र के किनारे पर एक अकेले पेड़ की तरह खड़ी रही, डटी रही व पूरे ब्रह्मांड को अपने कंधे पर लेकर चली। अपने बलबूते पर न केवल नई दुनियां बनाई अपितु उन ऊंचाईयों को छुआ जो आम इन्सान सपने में भी नहीं सोच सकता।

5 साल बाद बरडिया परिवार में दुबारा विवाह किया और हमें गर्व हैं कि आज हमारी बेटी हमारे समाज के अलावा जैन समाज में भी नाम रोशन कर रही है। आज उसने तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम दिल्ली जैसी प्रतिष्ठित संस्थान 2022-2024 की पहली महिला सचिव होने का गौरव हासिल किया है। कविता मार्केटिंग में एमबीए हैं, फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट साड़ी ड्रेपिस्ट के साथ सेलिब्रिटी साड़ी ड्रेपिस्ट भी हैं।

कविता साड़ी पहनने की 200 से भी अधिक शैलियां जानती हैं। जहां आज हमारी आधुनिक युवा पीढ़ी अपने संस्कारों को भूलकर अपना परिधान - अपना पहनावा छोड़ रहे है, लेकिन वो अपनी इस प्रथा को गर्व एवम सम्मान प्रदान करवाने के लिए प्रयासरत हैं। पद्मश्री पुरस्कार विजेता गज़ल गायिका पेनाज मसानी, बॉलीवुड टीवी अभिनेत्री सपना सिकरवार और भी कई मशहूर हस्तियों तथा मॉडल को उन्होंने साड़ी पहनाई है। वह स्वयं कई प्रसिद्ध फैशन शो का हिस्सा भी रही है। वह खुद को प्यार से SAREEDRAPENURE कहती है। द ड्रेप स्टोरी बाय कविता बरडिया साड़ी ड्रेपिंग के नाम से इनका यू ट्यूब चैनल हैं।

कविता एक फूड ब्लॉगर हैं। फूड एंड पैशन बाय कविया बरडिया के नाम से उसका कुकिंग चैनल है। कुकिंग तथा साड़ी ड्रेपिंग उसका जुनून भी हैं। कुकिंग तथा साड़ी ड्रेपिंग के लिए उन्हें कई बार राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। कविता आईएलए बंगलौर से एनएलपी प्रैक्टिशनर, इंटरनेशनल ट्रेनर तथा कोच भी है। सामी ए द एनालिसिस ऑफ लाइफ के नाम से उनका यू ट्यूब चैनल है।

विभिन्न संस्थाओं से इन्हें 70 से भी ज्यादा पुरस्कार तथा सम्मान मिल चुका है जैसे - नारी रत्न सम्मान, प्राइड ऑफ इंडिया अवॉर्ड, वूमेन एंपावरमेंट एंड इंस्पायरिंग फेस अवार्ड, इनोवेटिव बिजनेस वूमेन ऑफ द ईयर, इंस्पायरिंग मल्टी टैलेंटेड पावरफुल वूमेन इत्यादि। बंगाल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, केन्द्रीय स्तर के मंत्रियों तथा कई बॉलीवुड हस्तियों से भी वन टू वन मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय पाक कला में टॉप 5 में सेलेक्ट होने का गौरव भी इन्हें प्राप्त है। अमूल तथा कई फेमस प्लेटफॉर्म पर लाइव कुकिंग शो करवा चुकी हैं। कई बार साड़ी ड्रेपिंग तथा कुकिंग की जूम पर ऑनलाइन सेशन दिए है। मॉम्सप्रेसो ब्लॉगस्पॉट में ब्लॉगर है।

कई वर्ल्ड फेम पत्रिकाओं में इनके जीवन संघर्ष की सफलता तथा इंटरव्यू छापे जा चुके है जैसे - Life Style Megzine, The Crazy Tales, Success Today Plus, Fashion Lifestyle, Mypencildotcom Megzine, Blissful Queen, गृहलक्ष्मी इत्यादि।

माहेश्वरी महिला संगठन की त्रि दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक (समिधा) यूथ फेस्टिवल 2019 के एक प्रोग्राम में मंच संचालन करने का अवसर मिला। कोटा अधिवेशन में दिल्ली प्रदेश की तरफ से रास लीला में राधा का किरदार निभाया तथा विजेता। अखिल भारतीय से लेखन प्रतियोगिता में कई बार पुरस्कृत। दिल्ली में नारी सशक्तिकरण समिति सह संयोजिका, क्षेत्रीय तीज त्यौहार मंत्री पद पर भी काम कर चुकी हैं। इनके जीवन की सफलताओं का दौर ख़त्म नहीं हुआ है, अभी तो पिक्चर बाकी हैं। इतनी पढ़ी लिखी, ऊंचे पद पर आसीन होने के बाबजूद भी कविता अपनी संस्कृति तथा परंपराओं का निर्वहन बखूबी निभा रही है। इन्हें आध्यात्म में ना केवल गहरी रुचि है अपितु प्रगाढ़ ज्ञान भी है, विशेष रुप से रामायण, महाभारत तथा गीता। संस्कृत भाषा पर भी अच्छा कमांड है। मोटिवेशनल स्पीकर के साथ साथ स्पिरिचुअल स्टोरीटेलर भी करवाती है।

कुछ आगे पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती,
कुछ नया सीखने की कोई उम्र नहीं होती।
जज़्बा हो कुछ कर गुजरने का दिल में तो,
सपने पूरे करने की कोई उम्र नहीं होती।।

अपने सपने तो सभी पूरा करते हैं, साथ ही अपने स्वर्गीय पापा जो उसे एडवोकेट बनाना चाहते थे, उनके सपनों को पूरा करने के लिए पिछले तीन साल से LLB की पढ़ाई कर रही है। IRDA certified Insurance course भी कर चुकी है।

ना थके कभी पैर ना कभी हिम्मत हारी हैं,
हौंसला हैं जिन्दगी में कुछ कर दिखाने का,
इसीलिए अभी भी सफ़र जारी हैं।।

आगे से आगे इनकी Bucket List तैयार रहती है, पीएचडी इन मैनेजमेंट करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

तो यह हैं हमारे समाज की बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी बेटी कविता के सफ़र की कहानी, जिससे सभी प्रेरणा ले सकते है तथा सीख सकते हैं कि

सभी तूफ़ान आपके जीवन को अस्त व्यस्त करने नहीं आते,
कुछ आपकी मंजिलों के रास्ते साफ़ करने भी आते हैं।

बशर्ते इरादों में दम हो तो कविता की तरह हम सभी अपनी प्रॉब्लम को भी स्ट्रेंथ में बदल सकते हैं।

डॉ. कैप्टन रीता राजकिशोर बियानी... भारतीय सेना डेंटल कोर की पैराट्रूपर

मारवाड़ी समुदाय से पहली महिला भारतीय सेना डेंटल कोर की पैराट्रूपर डॉ. कैप्टन रीता राजकिशोर बियानी हैं। सेना के अनुभवी डेंटल सर्जन, साहसी- पैराट्रूपर, स्काई डाइवर, पर्वतारोही, रैली ड्राइवर और ब्रेस्ट कैंसर के विरुद्ध लोगों को जागरुक करने में लगी योद्धा डॉ. कैप्टन रीता राजकिशोर बियानी को रितु के नाम से भी जाना जाता है । सन 2000 में स्तन कैंसर का पता चलने पर रितु ने अपने संघर्ष को दूसरी दिशा दी और साहसिक खेलों , विज्ञान और पेशेंट एडवोकेसी को जोड़ते हुए कैंसर जागरूकता के लिए एक राष्ट्रव्यापी अग्रणी अभियान छेड़ा ।

उनके अभियान High way ने पूरे भारत में जागरूकता फैलाई, 177 दिनों में 30,220 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए कई कार्यशालाएँ आयोजित कीं।

आप तीन बार 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की धारक' रह चुकी हैं , और वह सियाचिन ग्लेशियर पर ट्रेक और रेड-डी-हिमालय में प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली कैंसर योद्धा हैं। सन 2011 में, उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य में संदिग्ध स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामलों निम्न और मध्यम आय वाले देशों में केंद्र के रेफरल पर एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देश विकास समूह में आमंत्रित किया गया था । उनके दूसरे इनिशिएटिव में आपदा राहत और कोविड-19 महामारी सहायता भी शामिल है।

शिक्षा रितु के बचपन की आधारशिला रही, 60 के दशक के स्थापित मूल्यों और सामाजिक मानदंड जहां शिक्षा अक्सर सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती थी । बावजूद ऐसे युग में पले-बढ़े होने के उन्होंने खुद को खेलों की ओर आकर्षित पाया, विशेष रूप से एथलेटिक्स, वॉलीबॉल और बैडमिंटन।

रितु कहती हैं कि ''मैं मेरे चाचाओं जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में लड़े की कहानियाँ सुनकर बड़ी हुई हूं । मेरी मां आशा बियानी कहा करती थीं कि रेडियो पर जब 15 अगस्त और 26 जनवरी परेड बैंड प्रसारित होते थे , मैं घर में परेड शुरू कर देती थी। उनकी पहली पोस्टिंग सिक्किम में थी और रितु का कहना है कि उस वक्त उन्हें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वह पहली मारवाड़ी महिला है जिन्होंने सशक्त बल ज्वाइन किया हैं। उन्होंने अपनी बीमारी को भी अच्छे के लिए ताकत में बदलने का एक लक्ष्य बनाया, अपने इलाज के बाद जब तक उनकी बेटी 14 वर्ष की हो चुकी थी के साथ मिलकर एक राष्ट्रव्यापी अभियान जिसका नाम था प्रोजेक्ट हाईवे शुरू किया ताकि कैंसर से जुड़े हुई अज्ञानता और मिथकों को मिटाएं ।

उन्होंने स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और मुंह के कैंसर की जागरूकता के लिए राष्ट्रव्यापी प्रेरक अभियान के रूप में स्थापित किया। जागरूकता बढ़ाने के इस अभियान के रूप में 30,000 किलोमीटर से अधिक को कवर करती एक भीषण यात्रा उन्हें देश के कोने-कोने तक ले गई।

उनके एनजीओ ने अपने इनसेप्शन से आज तक 359 दूर दराज के ग्रामीण और शहरी इलाकों में जो की 23 स्टेटस और चार यूनियन टेरिटरीज को कवर करते हुए 29000

किलोमीटर से ज्यादा का एरिया तय करते हुए 2700 से भी ज्यादा कैंसर अवेयरनेस वर्कशॉप्स की है, जिसमें लगभग सवा तीन लाख से ज्यादा लोगों को कैंसर लिटरेसी मोरिया करवाई और 5500 से ज्यादा मरीजों और उनके परिवार को उनके कैंसर के सफर में साथ दिया। उनका सफर यहीं तक नहीं है बल्कि उनके प्रोजेक्ट में 750+ से अधिक गरीब मरीजों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की। रितु की यह कहानी मानव हृदय के संकल्प और अटूट विश्वास को दर्शाती है। रितु इतना कर चुकने के बाद भी कहती है– फिर भी... नीले आसमान के नीचे अभी भी मीलों चलना है...''

विदुषी डागा.... क्लोन फ्यूचरा एजुकेशन की संस्थापक

विदुषी डागा (जन्म 21 सितंबर 1979) समर्पित, संसाधनपूर्ण और लक्ष्य–प्रेरित पेशेवर शिक्षक हैं जिनका हर बच्चे की सामाजिक और शैक्षणिक वृद्धि और विकास के प्रति ठोस प्रतिबद्धता है।

विदुषी डागा ने भारत में यूनेस्को के साथ साझेदारी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह एक पेशेवर शिक्षक हैं जिनके पास विविध अनुभव है और जिन्होंने बाल–केंद्रित पाठ्यक्रम और छात्र रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। विदुषी क्लोन फ्यूचरा एजुकेशन की संस्थापक हैं और विभिन्न परोपकारी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं, जिसमें शिक्षा, प्रौद्योगिकी विकास और मानव संसाधन शामिल है। वह एक सक्रिय और दूरदर्शी उत्साही, एक आदर्शवादी महिला हैं, जो स्व–निर्देशित, कार्रवाई–उन्मुख पेशेवर हैं और शिक्षा और सामुदायिक सेवा में 11 से अधिक वर्षों का अनुभव रखती हैं।

विदुषी डागा ने समस्याओं को हल करने, लोगों का प्रबंधन करने और प्रेरित करने में सिद्ध क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। उनके असाधारण नेतृत्व गुण, जैसे कि गतिशीलता, दृढ़ विश्वास की हिम्मत और उत्कृष्टता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता, कई लोगों को मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वह उन सभी के लिए रोल मॉडल हैं जो असंभव को प्राप्त करने और अपने सपनों को वास्तविकता में बदलने का प्रयास करते हैं।

विदुषी डागा ने भारत का सबसे बड़ा टेक लर्निंग प्लेटफार्म – व्हिजजूनियर्स का निर्माण किया, जो पहली से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए है। क्लोन फ्यूचरा सिर्फ एक ब्रांड नहीं है, बल्कि एक बढ़ती हुई आंदोलन है, जिसने बहुत कम समय में 4 लाख से अधिक छात्रों को सशक्त बनाया है।

पुरस्कार और सम्मान – 1. उन्होंने प्रतिष्ठित 'वूमन एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर 2013' और 'कॉन्सेप्ट ऑफ द ईयर अवार्ड' 2013 दक्षिण पूर्व एशिया के लिए जीता है।

2. उन्हें व्हिजजूनियर्स और क्लोन फ्यूचरा की अवधारणा के लिए कई मैगजीन, ब्लॉग और समाचार पत्रों में महिला उद्यमी के रूप में फीचर किया गया है।

3. उन्हें भारतीय सेना, सेवा कर विभाग, मुंबई महाराष्ट्र पुलिस, एंटी करप्शन ब्यूरो, साइबर क्राइम और नारकोटिक्स विभाग में काम करने का विशेषाधिकार प्राप्त हुआ है।

4. उन्होंने महाराष्ट्र के आईसीएसई बोर्ड के स्कूलों के प्रिंसिपलों के साथ व्यापक और उल्लेखनीय सेमिनार आयोजित किया, जिसमें भारी प्रतिक्रिया और उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली।

5. उन्होंने तीन वर्षों तक लगातार अखिल भारतीय स्तर पर साइबर सुरक्षा सेमिनार आयोजित किया, जिसमें 2800 अखिल भारतीय आईसीएसई प्रिंसिपलों को प्रशिक्षित किया गया और भारी प्रतिक्रिया और उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली।

6. उन्होंने छत्तीसगढ़ के मंत्रियों, पुलिस और छात्रों के लिए 'साइबर सेफ छत्तीसगढ़' कार्यक्रम की पहल की।

7. उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, सरकार, आदि द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यों में मुख्य अतिथि, जज और पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया है।

8. उन्होंने समुदायों, माता–पिता, स्कूलों, सरकारी संगठनों, व्यापार समूहों, नौकरशाहों आदि के साथ 3000 से अधिक टेक कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए हैं।

9. उन्होंने महाराष्ट्र के कई मंत्रियों को भी प्रशिक्षित किया है।

रोहिणी मुंदड़ा....उद्यमी, बेस्ट सेलिंग लेखक, स्पीकर और बिजनेस और लाइफ कोच

आज के प्रतिस्पर्धात्मक व्यापारिक दुनिया में एक जुझारु प्रेरणादायी एवम् सफल व्यक्तित्व का नाम है रोहिणी मुंदड़ा, जो एक मारवाड़ी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और अपनी लगन और संघर्ष के बल पर उन्होंने सीरियल उद्यमी, बेस्ट सेलिंग लेखक, TEDx स्पीकर, बिजनेस और लाइफ कोच के रूप में अपनी अलग पहचान समाज में बनाई है।

रोहिणी मुंदड़ा का सफर प्रेरणादायक है। वह कहती हैं, मेरा सफर कभी भी शोहरत, पैसे या पहचान के लिए नहीं था। मैं इसे अपने अंदर के भय को जीतने का सफर बनाना चाहती थी, जो हम इंसान अपने दिमाग में खुद ही पैदा करते हैं। जब मैं छोटी थी, तो मैंने हमेशा अपने पिता को देखा कि वह कैसे लोगों की मदद के लिए हरसंभव कोशिश करते थे। उनके उदार व्यक्तित्व ने मेरे जीवन को आकार दिया और लाखों लोगों तक पहुंचने की प्रेरणा दी।

रोहिणी के इस गुण ने उन्हें अपने जीवन में बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंचाया। अपनु शुरुवाती दिनों में उन्होंने देखा कि हर कोई अच्छा चाहता था, लेकिन कोई भी अच्छाई पर विश्वास नहीं करता था। सफलता की कामना थी, लेकिन कठिनाइयों से बचने की प्रवृत्ति थी। इस अस्वीकार्यता के बावजूद, उन्होंने अपने सपनों को साकार करने की ठान ली और 25 वर्ष की उम्र में अपने पहले उद्यम की नींव रखी।

28 वर्ष की उम्र तक, उन्होंने अपने दूसरे उद्यम की शुरुआत की और तीसरे उद्यम की ओर बढ़ रही थीं। तब से, उन्होंने चार और कंपनियों में निवेश किया है। आज, रोहिणी भारत की प्रमुख बिजनेस और लाइफ कोच हैं, जिन्होंने अनेक सीईओ, करोड़पतियों और हस्तियों के साथ काम किया है और 1 लाख से अधिक लोगों के जीवन को परिवर्तित किया है।

रोहिणी का मिशन है लोगों को उनका सच्चा उद्देश्य खोजने, खुद को बंधन मुक्त करने और एक असाधारण जीवन जीने में मदद करना। उन्होंने अपने जीवन की चुनौतियों को स्वीकार किया और उन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाते हुए, सफलता की ओर अग्रसर रहीं। उनकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्हें एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से निकाल दिया गया। इस घटना ने उन्हें आत्म-साक्षात्कार और अपने सपनों को पूरा करने की ओर अग्रसर किया। उन्होंने अपने असफलताओं को सफलता की सीढ़ी बनाया।

रोहिणी मुंदड़ा की बेस्ट सेलिंग किताब द 1% क्लब - 7 हैक्स टू एन एक्स्ट्राऑर्डिनरी लाइफ के बारे में वह कहती हैं, यह किताब हर विश्वास रखने वाले और अविश्वास रखने वाले के लिए है। रोहिणी मुंदड़ा का यह विश्वास और समर्पण उन्हें एक असाधारण कोच बनाता है। उनकी कोचिंग न केवल मार्गदर्शन देती है, बल्कि प्रेरणा और समर्थन भी प्रदान करती है, जिससे लोग अपने जीवन में नयी ऊंचाइयों को छू पाते हैं। उनका जीवन स्वयं में संघर्ष और सफलता की एक अद्वितीय कहानी है, जो सभी को प्रेरित करती है ।

यश्वी निशा मारु.... संगीत के आकाश में एक ऐसा उज्ज्वल सितारा

यश्वी निशा मारु, संगीत के आकाश में एक ऐसा उज्ज्वल सितारा हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और समर्पण से सबके दिलों में एक विशेष स्थान बना लिया है। उनकी संगीत यात्रा का आरंभ कक्षा तीन में हुआ, जब उन्होंने इंटर स्कूल सिंगिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह समाचार सुनते ही उनके परिवार को ज्ञात हुआ कि यश्वी में एक अद्वितीय गायन प्रतिभा है। इसके पश्चात उन्होंने अनेक स्कूल कार्यक्रमों में भाग लिया और प्रत्येक बार अपने विद्यालय का मान बढ़ाया।

यश्वी ने शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि प्राप्त की, जो

उनके संगीत के प्रति गहन प्रेम और समर्पण को दर्शाता है। उनके परिवार, विशेषकर उनकी मां जो स्वयं भी अपने क्षेत्र कि एक प्रसिद्ध गायिका हैं, ने बचपन से ही उन्हें हर कदम पर समर्थन और प्रोत्साहन दिया व उन्हें संगीत की हर विधा में निपुण बनाने हेतु अथक प्रयास किया।

यश्वी की संगीत यात्रा में 2006 का वर्ष विशेष महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने नेपाल टीवी के नेपाल लक्स स्टार प्रतियोगिता में प्रथम रनर-अप का खिताब जीता, जिससे उन्हें नेपाल ही नहीं भारतीय दर्शकोंका भी भरपूर समर्थन और प्रशंसा मिली। हालांकि, उनकी संगीत यात्रा में कुछ समय के लिए विराम भी आया, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने सपनों की ओर निरंतर अग्रसर रहीं।

शादी के पश्चात भी यश्वी के ससुराल वालों ने उनका पूरा समर्थन किया, जिससे उन्होंने अपनी संगीत यात्रा को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वर्तमान में, यश्वी एक सफल गायिका और इवेंट आयोजक हैं। वह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बड़े-बड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं, जिसमें उनकी संगठनात्मक क्षमता और संगीत की गहन समझ का परिचय मिलता है। यश्वी के कई एलबम्स रिलीज हो चुके हैं, जिनमें भजन और फोक सांग भी शामिल हैं। उनके गीतों में भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक मिलती है, जो श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती है। 16 जून 2024 को उनका नवीनतम गीत घूमर रस नॉन-स्टॉप मैशअप रिलीज हुआ है, जिसने संगीत प्रेमियों के बीच धूम मचा दी। इससे पहले वाह जी वाह गाना भी बहुत लोकप्रिय रहा और लोगों के दिलों में बस गया। यश्वी का संगीत सफर उनके अथक परिश्रम, समर्पण और परिवार के समर्थन का साक्षी है। उन्होंने अपने जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी।

उनकी सफलता की कहानी सभी को प्रेरित करती है और यह सिखाती है कि यदि हमारे पास दृढ़ संकल्प और परिवार का समर्थन हो, तो कोई भी सपना असंभव नहीं है। हमारी हार्दिक बधाई।

संजना राठी... साइबर सिक्यूरिटी प्रोफेशनल, आर्टिस्ट, सोशल एंटरप्रेन्योर और रिसर्चर

साइबरसिक्यूरिटी प्रोफेशनल, आर्टिस्ट, सोशल एंटरप्रेन्योर और रिसर्चर। उनकी योग्यताओं के बारे में जानने के लिए, आप उनके लिंक्डइन पेज पर जा सकते हैं। हालाकि, पेज पर यह नहीं लिखा है कि वह अपने बड़े परिवार में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग करने वाली पहली महिला थीं। राज्य-स्तरीय प्रौद्योगिकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और Google Tech Quiz ग्रैंड फिनाले के लिए अपने कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र महिला टीम। एक्सप्रेसवे कैब्स नामक एक स्टार्ट-अप वेंचर की सह-संस्थापक सहायता और मार्गदर्शन की कमी के कारण विफल हो गई और क्योंकि वे अपने विचार को बाज़ार में लाने के लिए 'काफी समझदार' नहीं थे। इन असफलताओं से गुज़रते हुए, उन्हें खुद से यह कहते हुए याद आता है, एक दिन, मैं किसी और महिला के साथ ऐसा नहीं होने दूँगी जो स्टार्ट-अप करना चाहती हो। तब से, उनका लक्ष्य वह बदलाव बनना है जो वह दुनिया में देखना चाहती हैं। उन्होंने समाज के लिए मूल्य बनाने के लिए प्रासंगिक ज्ञान, कौशल और अनुभव के साथ खुद को सशक्त बनाना शुरू किया। वह आज अपने आदर्शों, सिद्धांतों और सपनों को जीने की इस यात्रा पर हैं। वह बल गुणक हैं, परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक हैं, हमेशा विकसित होती रहती हैं और सीखती रहती हैं। सीमित विश्वास उसे परिभाषित नहीं करते हैं, और वह इस खेल को खेल भावना के साथ खेलती है।

साइबरडिप्लोमैट एलएलसी, यूएसए और साइबर डिप्लोमैट टेक प्राइवेट लिमिटेड, भारत की सीईओ और संस्थापक संजना राठी इस क्षेत्र में 10 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक अनुभवी पेशेवर हैं। उनके नेतृत्व और उद्यमशीलता कौशल ने साइबरडिप्लोमैट की स्थापना की है, जो 'साइबर' पर ध्यान केंद्रित करने के साथ कई विषयों में

उनकी पेशेवर और शैक्षिक योग्यता का समापन है। एक टाटा स्कॉलर के रूप में, उन्होंने तेल अवीव विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान सुरक्षा और कूटनीति में एम.ए. की डिग्री और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (LSE) से सूचना प्रणाली और डिजिटल नवाचार (MISDI) के प्रबंधन में MSc. की डिग्री प्राप्त की है। वह VTU, बेलगाम से कंप्यूटर साइंस इंजीनियर भी हैं, और नेशनल लॉ स्कूल ऑफ़ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर से साइबर लॉ और फोरेंसिक में डिप्लोमा रखती है। संजना सार्वजनिक वक्ता भी हैं जो साइबर सुरक्षा जागरूकता और साइबर कूटनीति मंच प्रदान करती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के इंटरनेट गवर्नेंस फोरम और रवांडा के राष्ट्रीय सुरक्षा संगोष्ठी जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भाषण दिया है। संजना ने भारत और दुनिया भर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशालाएं और प्रशिक्षण आयोजित किए हैं। उन्होंने पहले अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन, थिंक टैंक, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और शिक्षाविदों के साथ काम किया है। साइबर के सभी क्षेत्रों में काम करने के बाद, वह इस क्षेत्र के प्रति भावुक और प्रतिबद्ध हैं – जिसे वह साइबरडिप्लोमैट एलएलसी में भी लाती है। संजना एक ड्रोन पायलट भी हैं और उनके पास भारतीय ड्रोन संस्थान से यूएपी और ड्रोन में डिप्लोमा है।

डॉ. श्रद्धा लोहिया....सफेद कोट से परे एक जीवन

कुछ करना है तो डटकर चल
थोड़ा दुनिया से हटकर चल
लीक पर तो सभी चल लेते हैं मगर
तू कभी इतिहास को पलटकर चल

जीवन को परंपरागत लीक से हटकर अपनाने वाली : डॉ. श्रद्धा लोहिया की यात्रा

डॉ. श्रद्धा लोहिया प्रेरणा की वो चमकती किरण हैं, जिन्हें दिल्ली एनसीआर में अग्रणी शिशु किडनी रोग विशेषज्ञ में से एक के रूप में जाना जाता है। उनका समर्पण साकेत के रेनबो अस्पताल और गुरुग्राम के फोर्टिस हॉस्पिटल के प्रतिष्ठित हॉल की शोभा बढ़ाता है। फिर भी, उनकी पहचान उनकी इन पेशेवर प्रशंसाओं से कहीं बढ़कर है, जिसमें अनेक प्रकार के जुनून और प्रतिबद्धताओं का ताना-बाना शामिल है।

सफेद कोट से परे एक जीवन

हालांकि डॉ. लोहिया का अपने क्षेत्र में बहुत सम्मान किया जाता है, फिर भी उन्होंने अपनी स्वतंत्रता को स्वीकार करते हुए अविवाहित रहना चुना। उनका जीवन विभिन्न भूमिकाओं और विविध प्रकार की रूचियों का एक ज्वलंत मिश्रण है। एक गौरवान्वित पौधों की अभिभावक के रूप में, अपने हरित साथियों का पालन-पोषण करने में संतोष और खुशी का अनुभव करती है। फोटोग्राफी उनका वह शौक है, जिसके माध्यम से वह अपनी कलात्मक दृष्टि से पूरी दुनिया को देखने का जज्बा रखती है, एक ऐसा शौक जो उनकी व्यस्ततम दिनचर्या का पूरक है।

स्वास्थ्य और जग कल्याण उनके दृढ़ साथी हैं, और उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व लोगों में उनका अनुसरण करने का प्रेरणा स्रोत है। जहां यात्राएं उनका आत्मिक संतोष है, वहीं नेल आर्ट के प्रति उनका प्रेम उनके व्यक्तित्व में एक अलग ही रंग भरता है।

अपने व्यस्ततम करियर के बावजूद भी वह समय प्रबंधन, अध्ययन, व्यायाम, भोजन की तैयारी और पढ़ने की अपनी रुचि में संतुलन बनाने में उत्कृष्ट है। वह व्यर्थ की बातों में ध्यान भटकाने की अपेक्षा उत्पादकता और विकास को अपना ध्येय बनाती है।

सेवा और जिम्मेदारी की विरासत

डॉ. लोहिया को सेवा भावना और नेतृत्व के गुण विरासत में मिले हैं।

उनके दादा, स्वर्गीय मुकुंददास लोहिया ने सामुदायिक सेवा का एक गहरा उदाहरण स्थापित करते हुए, पूना में कई

अस्पतालों और धर्मशालाओं की स्थापना की। उनके पिता, श्री पुरूषोत्तम लोहिया ने अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों सहित कई नई परियोजनाओं का नेतृत्व कर , इस विरासत को आगे बढ़ाया। समाज कल्याण के परिवेश में पले– बढ़े होने की वजह से उनकी समाज के प्रति जिम्मेदारी नस–नस में समाई है।

वह सेमिनार, सम्मेलनों और मीडिया के माध्यम से समाज के साथ जुड़ाव रखती है। टेलीविजन साक्षात्कारों और समाचार पत्र– पत्रिकाओं में लेखों के साथ–साथ सोशल मीडिया विशेष रूप से इंस्टाग्राम पर उनकी सक्रिय उपस्थित उनकी आवाज और मिशन को आगे बढ़ाती है।

उनकी दादी एवम माँ श्रीमती मंजु लोहिया के अनुशासित प्रभाव ने उनके जीवन को गहराई से आकर प्रदान किया है। उनकी माँ, जो कि सेहत और व्यायाम की शौकीन है और उनकी दादी जो एक शानदार गृहणी है, ने डॉक्टर लोहिया के जीवन मूल्यों पर अमिट छाप छोड़ी है।

जीवन को निर्विकार भाव से जीना

डॉ. लोहिया की जीवंत और अनूठी जीवन शैली सभी को परंपरावादी रास्ते पर चलना छोड़कर अपने प्रयत्न से बनाई गई राह पर चलने की प्रेरणा देती है। उनकी जमाने से परे की सोच,अनूठी पसंद और दृढ़ता पर शायद ही कभी चर्चा की जाती होगी, फिर भी उनकी सादगी भरी जीवन शैली उनकी लोगों की बजाय खुद की भावना को परिभाषित करने पर आधारित है।

वह अपने सभी पाठकों को भेड़चाल पर चलने की बजाय अपने स्वयं के व्यक्तित्व को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। उनका संदेश स्पष्ट है: स्वयं को महत्व दें, व्यर्थ को अस्वीकार करें, दयालु और विनम्र बने रहें और अपनी जड़ों से जुड़े रहें। भाग्य एक मिथक है। कर्मवीर वही होते हैं, जो अपना रास्ता स्वयं बनाते हैं। कड़ी मेहनत, फोकस और जीवन का आनंद लेने से ही सपने साकार होते हैं। दूसरों की राय आपको परिभाषित नहीं कर सकती, न ही आपको सामाजिक अपेक्षाओं से बाध्य होना चाहिए। डॉ. श्रद्धा लोहिया का जीवन प्रामाणिकता और लगन से जीने का एक प्रमाण है। उनकी कहानी सभी को पारंपरिक ढाँचे से मुक्त होने और उनके अनूठे रास्तों को अपनाने का निमंत्रण है।

राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी डॉ. सुनीता दीदी

हर युग, हर दौर में कुछ ऐसी विभूतियाँ जन्म लेती रहीं, जिनके विचारों अनुभवों अनुसंधानों तथा कर्मों का लाभ, समस्त मानव समाज तक पहुँचता रहा...कहते हैं–

कर्म करो ऐसे, जो पहचान बन जाये,
कदम चलो ऐसे, जो निशान बन जाये,
जिंदगी तो सभी काट लेते हैं,
आप जियो ऐसा, जो मिसाल बन जाये।

एक ऐसी अद्भुत विभूति, जिसने केवल लौकिक जगत ही नहीं लेकिन अलौकिक जगत में भी अपना परचम लहराया है, केवल माहेश्वरी समाज (चांडक परिवार) का ही गौरव नहीं लेकिन पूरे विश्व के दिलों पर राज़ करने वाली, ऐसी आदर्श, आध्यात्मिक गुरु – चार दशक से ब्रम्हा कुमारीज़ संस्था के संस्थापक ब्रह्मा बाबा द्वारा शिव परमात्मा के ज्ञान, योग की साधना तथा उच्च विचारों की शुभ्रता में लिपटी हुई, एक ऐसी सादगी और सचाई, प्रेम और विनम्रता के मूल्यों की मिसाल हैं, एक ऐसी ही खुशनुमा: विभूति हैं – विश्व विख्यात Inspirational Spiritual Speaker, international Management Consultant राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी डॉ. सुनीता दीदी।

आप 1990 में ग्रेजुएशन के पश्चात से समर्पित राजयोग टीचर के रूप से सेवा दे रहे हैं और वर्तमान समय ब्रह्माकुमारी मुख्यालय शांतिवन आबू रोड में ब्रह्मा कुमारिस के अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट– शिव शक्ति लीडरशिप इनिशिएटिव की भारतीय रीजन की फोकल पॉइंट पर्सन हैं।

समर्पण निष्ठा और दृढ़ संकल्पों से ओतप्रोत, उनकी

प्रेरक जीवन गाथा का उद्गम, मुम्बई शहर में एक व्यवसायिक माहेश्वरी चांडक परिवार में 1969 में जब उनका जन्म हुआ, तो उनके जन्म के साथ ही जन्मी अनंत सम्भावनाएँ। निःस्वार्थ सेवा भाव की ज्योति उनके भीतर किशोरावस्था में ही, उनके अपने परिवार की दुआओं से प्रज्वलित हुई थी जो देखा जाए तो आज परमात्मा के वरदानो से, ब्रह्मा कुमारीज़ संस्था की आदरणीया दादियां और वरिष्ठ भाइयों, दीदियों के आशीर्वाद से, हर कहीं यज्ञ स्वरूप धधक रही है।

परमात्मा शिव के ज्ञान से उत्पन विचार या परमात्मा की श्रीमत को, लोगों तक पहुँचाने में डॉ. सुनीता दीदी ने कोई कसर नहीं छोड़ी. एक ओर बच्चों के लिए KEY TO UNLOCK EXAM STRESS की किताब पब्लिश की, तो दूसरी ओर उन्होंने नारी सशक्तिकरण की सेवा हेतु, नारीत्व दर्शन नामक 13 एपिसोड का एक tv show का निर्माण और निर्देशन भी किया जिसका tagline है– **''नारी को नहीं नारीत्व को देखिये एक वैचारिक क्रान्ति''** ...जिसके लिए उन्हें 2014 में, गुजरात फ़िल्म फ़ेस्टिवल के अंतर्गत, best concept academy award के खिताब से नवाज़ा गया और देश विदेश के government authorities, समाज के प्रख्यात विभूतियों द्वारा सम्मानित भी किया गया. इतना ही नहीं नारीत्व दर्शन के 13 एपिसोड भारत तथा USA के TV Channels और थिएटर्स में भी दर्शाया गया।

अपने GOLDEN JUBILEE BIRTHDAY CELEBRATIONS के उपलक्ष पर, डॉ. सुनीता दीदी को 2019 जून में, अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर, सूरत के मेयर द्वारा, LIFE TIME ACHIEVER योग रत्न award से भी सम्मानित किया गया. इतना ही नहीं, 2008 में स्पंदन नॉएडा से अवार्ड इन ह्यूमन वैल्यूज इन प्रोफेशन तथा 2016 में USA में Washington DC तथा New York में क्रमशः दिए गए Amazing Speaker Award और Outstanding Speaker Award, 2017 और 2018 में, भारत में – Spiritual Entrepreneur Award, Femina Super Woman Achiever Award, Exceptional Woman of Excellence Award, Ambassador for Peace Award, और 2020 में– Women of -bundance Award, Inspirational Woman Award, 2021 में दक्षाली प्रतिभाशाली नारी गौरव अवार्ड , नारी चेतना अवार्ड, 2022 एवं 2023 में आउटस्टैंडिंग शिवशक्ति अवार्ड, आउटस्टैंडिंग ग्लोबल टीचर अवार्ड। ऐसे 100 से भी अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से आपको नवाजा गया।

राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी डॉ. सुनीता दीदी.. के उपक्रमों की ना केवल सराहना होती रही है बल्कि उन्हें सैंकड़ों प्रतिष्ठित, विभिन्न संस्थानों द्वारा कहीं पुरस्कृत, तो कहीं ऋणानुबंध की भावना के तहत, सम्मानित किया गया। दीदी को दिए गए पुरस्कारों के बारे में यदि लिखा जाए तो वो निस्संदेह एक रोचक और प्रेरक पुस्तक बन सकती है।

डॉ. सुनीता दीदी. के गहन अध्ययन और अनुभवों ने तस्वीर बदल डाली. उन्होंने अपने सरल और मधुर भाषा से लोगों को विश्वास दिलाया कि यदि वे हर हाल में सकारात्मकता को अपनायेंगे, स्वयं में छिपी योग्यताओं को समझेंगे, स्व चिंतन, स्व दर्शन करेंगे, संसार रूपी वृक्ष के बीज – रचयिता शिव परमात्मा से अपना कनेक्शन करेंगे और कुछ सरल, सहज inside-out आध्यात्मिक सूत्रों को अपनाएँगे, तो वो अपने में ज़रूर एक सार्थक बदलाव ला पाएँगे।

लोगों को आभास हुआ कि उनकी बातें एक क्रांति की सूचक हैं और आज भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर तथा दुबई सहित कई देशों के National Amja International Conferences जैसे कि Business, Management, Women, Media, Educational, Youth, Science Technology, Orlando World Vedic Conferences इत्यादि में, जाने माने रोटरी, लायंस, GIANTS जैसी सामाजिक संस्थाओं में, Keynote Speaker, Guest of Honor के तहत सम्मानित की गई।

शुभ्रता से सराबोर उनके व्यक्तित्व पर जब जब निगाह जाती है तो हमारा मन भी आध्यात्म के संसार में खोने लगता है और मंत्रमुग्ध होकर कहने लगता है शुभ्र ही शुभ है, शुभ्र ही सुंदर है, शुभ्र ही शिव है। ऐसे शिव परमातम की वरदानी विशेष शुभ्र व्यक्तित्व का अभिनन्दन व मंगल कामनाएं।

संकल्प सिद्धा -ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति

संरक्षित जल-सुरक्षित कल... विषयक पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता

वृंदावन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक...मंगल प्रबोधन में ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति... संकल्पसिद्धा राष्ट्रीय प्रभारी भावना जी राठी(धमतरी), द्वारा 2 प्रतियोगितायें आयोजित की गई।

प्रथम.... संरक्षित जल-सुरक्षित कल

रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून

पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून!!

संरक्षित जल-सुरक्षित कल... विषयक पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता ..... जिसमें संपूर्ण देश से 50 प्रविष्टिया आई। इनकी निर्णायिका आदरणीय भूतपूर्व अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी व शोभा जी सादानी द्वारा निर्णय लेकर प्रथम 5 व 10 सांत्वना पुरस्कार निकाले गए।

परिणाम- 1 दक्षिणांचल-डॉ संजना महेश बाहेती, सेलु, महाराष्ट्र, 2 उत्तरांचल-भाग्यश्री लड्ढा,मध्य उत्तर प्रदेश, कानपुर, 3 मध्यांचल -नमिता माहेश्वरी , बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 4 दक्षिणांचल-कोमल प्रवीण सारडा, सांगली, महाराष्ट्र, 5 मध्यांचल -श्वेता डागा राजनांदगांव,छत्तीसगढ़

सांत्वना पुरस्कार-1 श्रध्दा झवर-कोलकाता प्रदेश, निष्ठा माहेश्वरी-अमरोहा पश्चिमी उत्तर प्रदेश उत्तरांचल, सुमन बिहानी -इंदौर, नीना मिमानी-उत्तरी राजस्थान, मधु मालीवाल-चित्तौड़ गढ़,दक्षिणी राजस्थान, अन्नपूर्णा मूंदड़ा-पूर्वी राजस्थान, आशा दम्माणी-नोएडा दिल्ली, ट्विंकल सोनी -आंध्रप्रदेश, कृति सुदा-टीकेपी प्रदेश, दीपिका चितलांगिया-झारखंड बिहार

द्वितीय..... अभ्युदय.... निदान से राष्ट्रोदय!

राष्ट्रीय समस्या व निदान पर आधारित आंचलिक प्रतियोगिता-जिसमें राष्ट्र की पाँच ज्वलंत समस्याओं एवं उनके समाधान पर पाँचों अंचल द्वारा प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का सुंदर संचालन राष्ट्रीय प्रभारी भावना जी राठी एवं मध्यांचल प्रभारी श्रद्धा जी राठी (धमतरी) द्वारा गांव की चौपाल लगाकर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विनय जी माहेश्वरी रहे। निर्णायक भूमिका में श्री विनय जी माहेश्वरी व शोभा जी सादानी ने बखूबी निर्णय दिया। कार्यक्रम की समीक्षा। भूतपूर्व अध्यक्ष कल्पना जी गगड़ानी ने सुंदर शब्दों में की।

विषय व परिणाम-उत्तरांचल-1st प्रथम स्थान, For Make in India

बनें राष्ट्र हितैषी! अपनायें 'स्वदेशी'!!

दक्षिणांचल-द्वितीय स्थान

ऊर्जा संरक्षण- renewable sources of energy (जल,सौर,वायु आदि) का उपयोग करें ;अपने भविष्य को प्रदूषण मुक्त करें।

पूर्वांचल-तृतीय स्थान

स्वच्छता हेतु..... कूड़ेदान में कचरा!.... नगर-शहर साफ-सुथरा

पश्चिमांचल-चतुर्थ स्थान

जल संरक्षण हेतु.... संरक्षित जल!.....

ताकि मिले अविरल.... आज और कल....!

मध्यांचल-पंचम स्थान

Junk के जंग से अपने शरीर को बचाओ_ हमारी परंपरागत भोजन शैली को त्यागा;बीमारियों का घर बना ये तन अभागा।

सौ. भावना राठी, रा. प्रभारी, धमतरी

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन पश्चिमांचल द्वारा आयोजित कार्यशाला

वित्त प्रबंधन कैसे करें?

संस्था कोष को सही सम्हाले,यही है असली कला
वित्त प्रबंधन में जुड़ी है सफलता की हर इक राह
बजट बनाओ सही, खर्च पर लगाओ ध्यान
संस्था को सही चलाने का, यहीं हैं असली मान

वित्तीय अनुशासन से हम हर स्वप्न को साकार कर सकते हैं, पश्चिमांचल द्वारा वित्त प्रबंधन पर बहुत ही सारगर्भित कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें ग्रास रुट तक की 229 बहनो को संगठन कोष की विभिन्न जानकारिया प्राप्त हुई। सभी ने कोष को अच्छी तरह संजोना सीखा।

पश्चिमांचल सयुंक्त मंत्री शिखा भदादा द्वारा मधुर वाणी के साथ आगन्तुक अतिथियों का जूम सभागार में स्वागत के साथ अभिवादन एवं सर्वप्रथम भगवान महेश के वंदन स्तवन के साथ कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

शहद से भी मीठे शब्द सुमनों द्वारा पश्चिमांचल उपाध्यक्ष मधु बाहेती द्वारा भगवान महेश स्मरण के साथ सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत,वंदन, नमन एवं अभिनंदन। साथ ही अंचल के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रेषित की गई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता जी मोदानी ने वीडियो संदेश द्वारा ऐसी कार्यशालाओं के महत्व एवम उपयोगिता के बारे में बताया ।

दक्षिणी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सीमा कोगटा द्वारा आज की कार्यशाला के मुख्य अतिथि निवर्तमान अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन श्रीमती आशा जी माहेश्वरी का परिचय उनके सदकार्य रूपी मोतियों की माला बनाकर दिया गया। हमारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि आदरणीय आशा जी माहेश्वरी ने अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष का आपसी सामंजस्य जरूरी, प्रभावी सटीक सरल भाषा में प्रस्तुत किया कि संगठन में विभिन्न पदों में आपसी सहयोग समर्पण और विश्रवास की भावना होनी चाहिए। विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने संगठन के मुख्य पदों में सामंजस्य,टीम वर्क, अध्यक्ष द्वाराअपने कार्य की सफलता का श्रेय सम्पूर्ण टीम को देना, सफल नेतृत्व के गुण को बहुत ही सुंदर सरल और आकर्षक उदाहरणों के माध्यम से परिभाषित किया ।

प्रखर वक्ता के रूप में सभागार में विराजित फाइनेंशियल एडवाइजर सीए श्री अनीश जी माहेश्वरी ने समय की महत्ता और वस्तु की वैल्यू- बहुत ही सटीक उदाहरण द्वारा विषय वस्तु पर गमन करते हुए संस्था का रजिस्ट्रेशन करवाना, संस्था का अकाउंट खुलवाना, अकाउंट ओपन करने के लिए आवश्यक दस्तावेज,संगठन कोष में पारदर्शिता, अधिकतम पेमेंट अकाउंट द्वारा करना,सरकारी योजनाओं का लाभ संस्था को कैसे मिले,साथ ही आयकर में छूट के बारे में सरल व प्रभावी तरीके से समझाया। साथ ही अकाउंट की डिटेल रखने के लिए मोबाइल की विभिन्न एप्स की भी जानकारी दी।

पूर्वोत्तर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पूनम दरगड़ द्वारा हमारे प्रखर वक्ता श्री अनीश जी माहेश्वरी का परिचय उनकी उपलब्धियों के साथ किया गया कि हार को जीत की एक दुआ मिल गई व तप्त मौसम को ठंडी हवा मिल गई और आप है फाइनेंशियल एडवाइजर तो आपके आगमन से हमारी कोष संबंधी समस्याओं का निराकरण हो गया।

हमारी प्रमुख वक्ता राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण जी लड्ढा का परिचय पश्चिमी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मूंदड़ा द्वारा प्रस्तुत किया गया।जिन्होंने अपनी ओजस्वी वाणी से आदरणीया के गुणों का बखान किया कि आपसे कोष संबंधी समस्याओं का निवारण मिलता है और आप हमारी प्रेरणा का कारण है।

आज की कार्यशाला की प्रमुख वक्ता हमारी राष्ट्रीय

कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण जी लड्ढा द्वारा कोष पर प्रभावी नियंत्रण, कोषाध्यक्ष की भूमिका, कोषाध्यक्ष का अन्य पदाधिकारी के साथ सामंजस्य, कोष का लेखा जोखा,बजट बनाना विभिन्न उदाहरणों व सारगर्भित शब्दो द्वारा समझाया गया।उन्होंने बताया कि कोष में पारदर्शिता बनी रहने पर ही पदाधिकारियों की विश्वसनीयता बनी रहती है व सभी का सहयोग मिलता है ।साथ ही सबसे महत्वपूर्ण जो हर संस्था के लिए जरूरी है:- फंड कैसे बढ़ाए- के कुछ पारंपरिक तरीके भी बताए । तत्पश्चात सभागार में उपस्थित बहनों के जिज्ञासु और उत्सुकता भरे प्रश्नों का समाधान भी हमारे वक्ताओं श्रीमती किरण जी लड्ढा और श्री अनीश जी माहेश्वरी व पदाधिकारी मधु बाहेती व शिखा भदादा द्वारा किया गया।

अंत में प्रदेश मंत्री मध्य राजस्थान श्रीमती मनीषा बागला ने सभी आगंतुक अतिथियों का जूम सभागार में पधारने, अपना सारगर्भित ज्ञान बाँटने और अपना अमूल्य समय देने के लिए आभार व्यक्त किया। अंत में राष्ट्रगान द्वारा सभा का समापन हुआ। सभी ने अपने संदेशों के माध्यम से कार्यशाला को बहुत उपयोगी बताया और भविष्य में भी ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन करने की आकांक्षाएं व्यक्त की।

उपाध्यक्ष-मधु बाहेती * संयुक्त मंत्री-शिखा भदादा

वित्त प्रबंधन पर कार्यशाला

पूर्वांचल ने किया आयोजन अनमोल, वित्त प्रबंधन पर चली ज्ञान की बोल ,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आदरणीय श्रीमती किरण जी लड्ढा द्वारा

ग्रास रूट तक पहुँची यह बात,
बहनों ने सीखी नई बात।
अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष का सामंजस्य,
सहयोग, समर्पण और विश्वास का है संयम।
टीम वर्क और सफल नेतृत्व के गुण,
सरल उदाहरणों से सिखाया,
रजिस्ट्रेशन से लेकर अकाउंट खोलना,
आवश्यक दस्तावेज़ों को सही से संजोना,
पारदर्शिता कोष में लाना है,
सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना।
राशि का रिमाइंडर देना है महत्वपूर्ण बात,
कार्यक्रम का बजट बनाना है संगठित प्रयास।
कम खर्च में बड़ा कार्यक्रम करना है कला,
(Association of Person) भी सिखा।
केवाईसी (KYC) की भी दी गई जानकारी,
संस्था का ऑडिट होना है जरूरी।
बैंक अकाउंट खोलना भी सीखा,
संस्था रजिस्टर के दस्तावेज़ों का पिटारा भी खोला।
आय-व्यय की एंट्री का महत्व समझाया,
एक्सेल शीट में डाटा कैसे रखा जाए बताया।
रसीद किस प्रकार बनाना, यह भी समझाया,
कार्यशाला ने हर पहलू को स्पष्ट रूप से दर्शाया।
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा ने दिया संदेश,
कोष पर नियंत्रण, भूमिका का किया विशेष।
पारदर्शिता से बने विश्वसनीयता का आधार,
सभी ने जाना फंड बढ़ाने का पारंपरिक विचार।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्रीमती शोभा जी सादानी ने दिया मार्गदर्शन, किया सबका मान।

शोभा जी ने बताया कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं और इन्हें नियमित रूप से आयोजित किया जाना चाहिए। इनमें हर विषय को डिटेल में समझाया जाता है, जिससे हमारी बहनों को गहन ज्ञान और समझ मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बहनों को इस कार्यशाला का भरपूर लाभ लेना चाहिए।

सभी ने माना कार्यशाला की उपयोगिता,
भविष्य में भी आयोजन की जताई अपेक्षा।
यह विवेक की धारा बहाई,
सभी ने सीखा, नई राह पाई।

युगल सिद्धा गठबंधन समिति

जरूरी चिंतन

माहेश्वरी समाज में उभरती एक नई समाजिक समस्या बेटी को विवाह पूर्व नौकरी करवाना, माता पिता के लिये बना मुसीबत

आज अधिकांश माता पिता अपनी पुत्रियों को विवाह पूर्व जॉब करवाकर अपने लिये एक समस्या तैयार कर लेते है और उन्हें उनके विवाह में जो समस्याएं आती हैं उसका हल निकालना उनके लिये दुष्कर हो जाता है। समस्याएं समझिये इस प्रकार है :

(1) लडकियों द्वारा संसार बसाने से ज्यादा कॅरियर को अहमियत देना जिससे अच्छे से घर परिवार संभालना हो रहा है मुश्किल।

(2) आत्मनिर्भर हो जाने के कारण अधिकांश पुत्रियाँ माँ-बाप, सास-ससुराल की नही मानती, जिससे ससुराल में क्लेश बढ़ रहा है।

(3) खुद की कमाई का अहंकार लड़कियों को डुबो रहा है।

(4) अन्य शहर में नौकरी करने के कारण अकेलापन व खुद की मर्जी से जीना चाहती हैं सो परिवार में रहना खलने लगता है।

(5) उम्र के नाजुक पड़ाव के समय साथ-साथ काम करते हुए उनके विजातीय लड़कों से रिलेशिनशिप की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। एवं लोक लाज का भय समाप्त हो जाता है।

(6) एक बार नौकरी करने पर नौकरी छोड़ने को तैयार नहीं होती जिससे जिस शहर में नौकरी करती हैं उस शहर में ही कार्यरत लड़की से अधिक पैकेज वाला आपके शहर का रहने वाला सजातीय वर ढूंढना जो कि माता पिता के लिये जटिल कार्य हो जाता है।

(7) ऐसे वर की तलाश में उनकी विवाह की उम्र निकल जाती है। ऐसा वर ढूँढ़ना उनके लिए क्या किसी के लिये भी मुश्किल कार्य है।

(8) लड़कियों के लिए जॉब करना क्यों इतना जरूरी हो गया है जबकि बेटी की कमाई हम खाना बिल्कुल नहीं पसन्द करते।

(9) आज भी हमारे समाज में लड़कियों को अकेले छोड़ दिया कोई उसे संभाल नहीं रहा ऐसे उदाहरण बिल्कुल ना के बराबर हैं।

(10) मां-बाप की शर्त को दरकिनार कर, ये कमाऊं लड़कियां दूसरी जाति प्रदेश भाषा यहां तक कि धर्म को भी ताक पर रखकर, कोर्ट मैरिज करके घर में रहती है। नौकरी करती हैं। समय आने पर निकल लेती हैं।

अत: आप सभी माता-पिता से निवेदन है कि यह निर्णय ना लें कि कन्या को कुछ वर्ष नौकरी करा लें फिर शादी करेंगे अन्यथा आप निश्चित रुप से जटिल समस्या का सामना करने को तैयार रहें।

यह सुझाव आपको उस वक्त याद आयेगा जब आप भी कई लोगों की तरह अपनी पुत्री के विवाह के लिये जटिल समस्या में फंसे होंगे। आज लड़कियां पढ़ लिख रही हैं, उच्च शिक्षा ले रही हैं, जो कि बहुत अच्छी बात है। पढ़ाने के लिए उन्हें जरूर प्रवृत्त करें। नौकरी के लिए कभी नहीं। आज हम सबसे बड़ी बिजनेस कॉमिन्यूटी हैं, सबके पारिवारिक व्यवसाय है। व्यवसाय में घर के जितने सदस्य रहेंगे उतना ज्यादा व्यवसाय में बढ़ोतरी होती है। बेटियों-बहुओं को अपने व्यवसाय में जरूर सम्मलित करें। महिलाओं में एडमिनिस्ट्रेशन का गुण बहुत अच्छा होता है। घर से ऑनलाइन बिजनेस भी हो सकता हैं। जो कि आज के समय की जरुरत है। उन्हें व्यवसाय में जरूर साथ लें, हिस्सेदार जरूर बनाएं जितना हो सके जॉब के मायाजाल में फंसने से बचें। अंत में बस इतना ही कि अपनी बेटियों एवं बेटों का विवाह समय करवाये।

जालना में पू.अ. आ. शोभाजी सादानी द्वारा ''परिवार,परंपरा एवं परिवर्तन युवाओं के संग''-विषय पर मार्गदर्शन

जालना जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा रघुकुलरितसिद्धा समिति अंतर्गत 1 जुलाई को महेश भवन में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा आ.शोभाजी सादाणी के व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख अतिथि महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनीताजी पलोड,राष्ट्रीय कार्य समिति मंगलजी मानधना, सहसचिव एडवोकेट दीपाजी बियानी, निर्मलाजी करवा, माहेश्वरी पत्रिका के अध्यक्ष रामनिवासजी मानधना, प्रदेश सभा सचिव सत्यनारायणजी सारडा, युवा संगठन उपाध्यक्ष निखिलजी चेचानी, जिला अध्यक्ष दामोदरदास जी बजाज आदि उपस्थित थे।

दीपाजी बियानी ने बदलते परीवेश में एकल महिलाओं के उत्थान के लिए संगठित होकर कार्य करने की आवश्यकता पर परिवार संगठित रखना जरूरी है इस विषय पर मार्गदर्शन दिया। म. प्र. अध्यक्ष सुनीता जी पलोड ने कहा कि नेतृत्व करते समय साथ में आई हुई जिम्मेदारियों को स्वीकारना होगा और संगठन की ताकत इकठ्ठा रहने से कैसे बढती है? यह सोदाहरण समझाया। आ.शोभाजी सादानी ने परिवार में आए परिवर्तन के लिए महिलाओं को अपडेट रहेना होगा, युवाओंके रूचि में हमें भी रूचि लेनी होगी तो ही संवाद होगा।नारी सब कुछ कर सकती है सिर्फ उसमें आत्मविश्वास होना चाहिए। परंपराओंको सुदृढ करना है तो सोच को भी सुदृढ बनाना होगा। आदि कई विषयों पर परिचर्चा की।

Doctors day के उपलक्ष्य में उपस्थित CA एवं Doctors का स्वागत सत्कार किया गया। एक जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन भेंट दी गई तथा वृक्षारोपण भी किया। सूत्र संचालन चि.नारायण बजाज एवं जयश्री बांगड़ ने सुचारू रूप से किया। आभार प्रदर्शन जिला सचिवा राजश्री भक्कड ने किया। पंढरपुर जाने वाली दिंडी के भाविकों की आंखों की जांच एवं डेंटल चेकप कैंप माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव डॉ. श्रद्धा होलानी एवं उसकी टीम ने किया।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के संस्कारसिद्धा समिति मध्यांचल द्वारा

मतदाता चेतना जागरुकता लाने हेतु अभियान संपन्न

परिवार, समाज, देश, लोकतंत्र सभी के उज्ज्वल भविष्य का आधार भावी पीढ़ी है। परंपरागत संस्कारों के साथ-साथ समयानुकूल परिस्थितियों पर युवाओं को सजग करना ही संस्कारसिद्धा समिति का ध्येय है। इसी मकसद से देश में हो रहे चुनाव के माहौल के मद्देनजर मतदान के प्रति सजगता निर्माण के उद्देश्य से + संस्कार सिध्दा समिति मध्यांचल द्वारा ''मेरा वोट- मेरे देश का भविष्य'' इस शीर्षक अंतर्गत एक प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें हर एकप्रतिभागी को 90 सेकंड का एक वीडियो बनाकर भेजना था जिसके अंतर्गत मतदान कौन, कैसे और क्यों करें यह भाव गद्य या काव्य में प्रस्तुत करना था।

इस प्रतियोगिता को मध्यांचल अंतर्गत अर्थात विदर्भ, गुजरात, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश एवं पश्चिमी मध्य प्रदेश इन सभी प्रदेशों से अच्छा प्रतिसाद मिला। प्राप्त वीडियो में से सर्वोत्तम का चयन श्रीमती भाग्यश्री जी चांडक मुंबई एवं अनुराधा जी जाजू हैदराबाद द्वारा किया गया। जिसमें प्रथम-अदिति गांधी, छग, द्वितीय भव्या राठी, पश्चिमी म.प्र., तृतीय-शशि बंग, विदर्भ रहीं।

सौ. ज्योति बाहेती, अकोला (संस्कार सिद्धा समिति)

दक्षिणांचल

तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

गौशाला में 10 टन चारा दान दिया एवं 500 गिलास शरबत वितरण

प्रदेश की कार्यकारिणी व कार्य समिति बैठक 1 जून को कालीकट में संपन्न हुई जिसमें प्रदेश की 70 बहनों ने भाग लिया। मीटिंग कालीकट की हरी भरी वादियों में नौका विहार में करते हुए संपन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष व वरिष्ठ बहनों ने संगठन का महत्व समझाते हुए सभी बहनों को संगठन की शक्ति के बारे में समझाया। बड़े ही गर्व की बात है की एक ही दिन में चार समितियां द्वारा कार्यक्रम लिए गए जिसमें युगल सिद्धा समिति के अंतर्गत दो कन्याओं का दायजा दिया गया। संकल्प सिद्धा द्वारा सीड बॉल मेकिंग और वितरण किया गया। संस्कृति सिद्धा द्वारा भजनों की अंताक्षरी का आनंद लिया। संस्कार सिद्धा के अंतर्गत 50 बच्चों को स्टेशनरी, किताबें ,फ़ाइल, क्रेयॉन, नोटपैड, बिस्किट, मिठाइयां का भेंट दिए गए। 8 जून को महेश नवमी के उपलक्ष में पूरे प्रदेश में साडी वाकेथान आयोजित कर बहनों को जोड़ा गया। करीब 630 बहनों ने वाकेथान में भाग लिया। निर्जला एकादशी के उपलक्ष में 5000 गिलास करीब शरबत और छाछ का वितरण किया गया। गौशाला में अखंड रामायण का आयोजन किया गया । 10 टन चारा गोशालाओं में दान दिया गया। 57 अपंग जनों को प्रोस्थेटिक लिंब डोनेट किया गया। महेश नवमी के उपलक्ष में सभी स्थान पर भगवान महेश की पूजा आराधना, अभिषेक रखे गए व शोभायात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली गई। सभी प्रोफेशनल बहनों का सम्मान किया गया।टी के पी अष्ट सिद्धा द्वारा फिजिकल मीटिंग में संगठन एवं कार्यकर्त्ता के गुण के बारे में ट्रेनिंग प्रोग्राम लिया गया जिसमें प्रसिद्ध वक्ता श्री सतीशजी चरखा द्वारा कार्यशाला ली गयी। श्रीमती विमलाजी दमानी को उनके सामाजिक कार्यों के लिए महिला गौरव सम्मान से संम्मानित किया गया। टी के पी रघुकुल रीत सिद्धा द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम लिया गया मानस के चरित,पारिवारिक अनुकरण, जिसमें मुख्य अतिथि रहे राष्ट्रीय पूर्वाध्यक्ष आ.सुशीलाजी काबरा एवं मुख्य वक्ता थी डॉ. पूजाजी सोमानी। टी के पी युगल सिद्धा द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम परंपरा और परिवर्तन रखा गया जिसमें मुख्य वक्ता रही राष्ट्रीय पूर्वाध्यक्ष आ.बिमला जी साबू जिन्होंने अपने वक्तव्य में बड़ी ही सुन्दर ढंग से परंपरा के महत्व को दर्शाते हुए युवा पीढ़ी को कैसे समझाया जाय और परिवर्तन किया जाये यह समझाया। युगल सिद्धा के अंतर्गत विवाह और सामजिक सोच लिया गया जिसमें मुख्य वक्ता थी मोटिवेशनल स्पीकर सुनिताजी चरखा।

रघुकुलरीत सिद्धा द्वारा परिचर्चा रखी गई कैसे हो पीढ़ियों में ताल मेल जिसकी मुख्य वक्ता थी राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष आ.कल्पनाजी गगरानी। संकल्प सिद्धा द्वारा निर्माल्य कौशल कार्यशाला ली गयी जिसमें इको फ्रेंडली धुप बत्ती और गोबर के दिए घर पर ही बनाना सिखाया गया। बच्चों के लिए समर कैंप रखे गए जिसमें 200 बच्चों ने हिस्सा लिया और हस्तकला,क्राफ्ट,पेंटिंग, श्लोक आदि सीखे। भीषण गर्मी की तहत पूरे प्रदेश में बेजुबान जानवरों के लिए पानी व खाने के लिए मिटटी के बर्तन जगह जगह लगाये गए।

अध्यक्ष–ममता दमानी * सचिव–उर्मिला कोठारी

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

साड़ी में नारी, सब पर भारी, संस्कृति संरक्षण का लिया प्रण, साड़ी वाकेथान धूमधाम से सम्पन्न

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में राष्ट्रीय प्रोजेक्ट साड़ी वाकेथान 8 जुन प्रदेश के कई शहरों में नियमों का पालन करते हुए संपन्न हुआ।

पीली साड़ी लाल दुपट्टे में सुंदर महिलाएं खूब जच रही थी। मंदिर में बोर्ड का अनावरण समाज के वरिष्ठ एवं पधारे प्रशासनिक पदाधिकारी से करवाया । फ्लैग ऑफ़ कहीं सीटी बजाकर कहीं झंडा दिखाकर बड़े ही खूबसूरत अंदाज में किया गया।

शपथ विधि में गर्व से साड़ी की संस्कृति को आगे बढ़ाने और त्योहार पर साड़ी पहनने का प्रण लिया गया। सम्मान समारोह में कहीं एडवोकेट कहीं पुलिस इंस्पेक्टर कहीं समाज सेवक का सम्मान किया गया। भजन और जय महेश के नारों के साथ जब महिलाएं चल रही थी, गर्व की अनुभूति हो रही थी।

कहीं अल्पाहार कहीं छाछ और कहीं प्रसाद के साथ धूमधाम से कार्यक्रम संपन्न हुआ। हुबली, बेंगलुरु, बागलकोट, बेलारी, गंगावती, दांडेली, बेलगाम, रायचूर, गुलेदगुड, बन्हटी आदि शहरों में करीब 600 महिलाओं ने भाग लिया।

15 तारीख महेश नवमी के दिन प्राय सभी शहरों में रंगोली, बंदरवाल एवं मिष्ठान के साथ महेश नवमी त्यौहार रुद्राभिषेक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया।

कलबुर्गी में रुद्राभिषेक के साथ महिलाओं ने पंचाक्षर स्रोत,रुद्राष्टक,एवम शिवतांडव स्त्रोत का पाठ कीया। ज्वलंत समस्याओं पर डिबेट प्रतियोगिता रखी गई।

इल्कल में भगवान शिव की रंगोली प्रतियोगिता रखी गई। बेलगाम शहर में वृक्षारोपण किया गया।

बेंगलुरु, बेलारी, कलबुर्गी में भगवान शिव की उत्पत्ति पर नाटिका प्रस्तुत की गई फैंसी ड्रेस एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं भी रखी गई। गुलेदगुड में क्रिकेट बॉलीबॉल जैसे खेल प्रतियोगिताएं रखी गई। बेल्लारी में बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई।

हुबली, बेलारी, विजयपुर, इल्कल, तेरदाल, शाहाबाद, गुलेदगुड, बागलकोट, सेडम, रायचूर, गंगावती, जामखंडी, बन्हट्टी आदि शहरों में रुद्राभिषेक प्रभात फेरी रक्तदान शिविर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गए। शिक्षा क्षेत्र में बच्चों को सरस्वती पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। गौ सेवा एवं समाज के वरिष्ठ जनों का सम्मान भी किया गया।

अध्यक्ष-सरोज कासट ✲ सचिव-सुनीता लाहोटी

मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

उम्र साठ की, नई शुरुआत की कार्यक्रम आयोजित

साठ की उम्र में नई शुरुआत का जश्न मनाएं
हर पल को खुशियों से भर दे नया गाना गाये
सखियों के साथ सांझा करें अपनी खुशियों की बात
अपने सपनों को दे एक नया आकार।

मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की रघुकुल रीत सिद्धा समिति के अंतर्गत मां रत्नीदेवी काबरा के आतिथ्य में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम उम्र साठ की नई शुरुआत की जिसमें उन्होंने ने अच्छे जीवन जीने की कला को बखूबी अपने शब्दों में पिरोकर सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम घाटकोपर क्षेत्रीय महिला समिति के सानिध्य में संपन्न हुआ जिसमें अनीता संतोष जी माहेश्वरी और रचना जी फाफट, मंजुजी गग्गड ,मनीषा जी बियानी और ज्योति जी मूंदड़ा का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में श्रीमती विमलाजी समदानी को उनके सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

मिलेटस मंत्रा – जीवन की किताब में स्वास्थ्य है सबसे महत्वपूर्ण पृष्ठ। संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत मिलेटस मंत्रा वेबीनार में आयोजित की गई, जिसमें 210 बहनों ने सम्मिलित होकर स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के गुर सीखे और मिलेटस के फायदे के बारे में जाना। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुंतलजी तोषनीवाल विशिष्ट अतिथि डॉ अल्पनाजी लड्ढा दक्षिणांचल सह प्रभारी संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति और मां रत्नीदेवी काबरा की गरिमामई उपस्थिति रही ।

इस कार्यक्रम में नीलमजी सोडाणी का विशेष सहयोग रहा और सीमा जी बागला ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्रीमती कीर्ति जी गिल्डा द्वारा मिलेटस से जुड़े हर पहलू पर रोचक जानकारी दी गई और सभी बहनों के प्रश्नों व जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

महेश नवमी के उपलक्ष में साड़ी वाकेथोन का आयोजन योगेश्वर धाम मंदिर, योगी नगर, बोरीवली में संपन्न हुआ। इसमें पूर्ण श्रृंगार के साथ 125 से अधिक बहनों ने अपनी भागीदारी निभाई। तत्पश्चात स्थानीय विधायक श्रीमती मनीषा अशोक जी चौधरी एवं श्रीमती सुलोचना जी बल्दवा के द्वारा ध्वज दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया। बहनों ने विभिन्न वेशभूषा में भारत माता, लता मंगेशकर, झांसी की रानी, अध्यापक, एडवोकेट, डॉक्टर व सुषमा स्वराज आदि के किरदार धारण कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए । विशेष सहयोग योगेश्वर धाम मंदिर के ट्रस्टी श्री रामेश्वर लाल जी डागा का रहा। बोर्ड के अनावरण के बाद विधायक श्रीमति मनीषा जी चौधरी ने सभी को शपथ दिलाई।

घाटकोपर क्षेत्र में भी सारी वाकेथान का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 50 से अधिक बहनों ने भाग लिया । महिला समिति के अंतर्गत इस कार्यक्रम इसमें मनीषा जी बियानी का सराहनीय प्रयास रहा। राधेश्याम जी राठी और सीमा

जी बागला द्वारा मंदिर में बोर्ड का अनावरण कर सभी उपस्थित बहनों को शपथ दिलाई गई।

योग रखे निरोग – अनूठा कार्यक्रम योग रखे निरोग महेश जयंती के पावन पर पर्व पर मुंबई प्रा.माहे.म.संगठन की संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति के द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शशि जी सारडा Therapeutic yoga expert , specialised in Spine and Pain relief सभी उपस्थित बहनों ने योगासन के विभिन्न पहलुओं को समझा।

प्र.अध्यक्ष–अनिता माहेश्वरी ❋ प्र.सचिव– सीमा बागला

तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

साड़ी वाकेथान में प्रोफेशनल बहनों को किया सम्मानित, सत्रह कन्याओं का किया कन्यादान

साहित्य की किटी पार्टी का अनुठा कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें गेम्स चुटकुले अंताक्षरी चाय पार्टी इत्यादि आयोजन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ एवं श्रीमती मंजुजी मानधना की उपस्थिति रही। राम नवमी के अन्तर्गत राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश से दो विडियो भिजवाये गये और संध्या सोनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं श्रुति राठी ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। निजामाबाद जिले से कु: खुशबू साबू ने युवती पायलट बनने का गौरव हासिल किया।

तृतीय कार्य समिति बैठक मंगल शक्ति में सभी बहनों की सहभागिता रही। अनुराधा जी जाजू द्वारा विकास की गारंटी में आपकी भूमिका व्यक्तवय एवं पहले मतदान बाद में जलपान पर सभी को आगाह किया। दक्षिणांचल का शुन्य से शिखर तक कार्य क्रम में प्रदेश से बहनों की सहभागिता रही। बच्चों को समर कैंप द्वारा विकास किया।

रेनबो भाग दो में प्रदेश से बच्चों ने अपनी सहभागिता निभाई। गर्मी में धूप से बचाव के लिए छाछ, शरबत फ्रुटी, आइसक्रीम का वितरण किया।सत्रह कन्या का दायजा प्रदेश से बहनों ने दिया। महेश नवमी के अन्तर्गत राष्ट्रीय प्रोजेक्ट साड़ी वाकेथान का बहुत सुंदर कार्य क्रम सम्पन्न हुआ पंद्रह स्थानीय संगठनों ने अपनी सहभागिता निभाई 275 बहनें, अतिथि रूप में महासभा के दक्षिणांचल उपसभापति अरूण जी भांगडिया, संयुक्त मंत्री रेणु जी सारडा पधारे।सत्र संरक्षक कलावती जाजू ने शपथ दिलवाई कागज़ नगर 40 ,मंचरियाल 27,पेदापल्ली 20, वरंगल 80,मानकोटा 25, निजामाबाद 80, बोधन 40 , विशाखापत्तनम 40, विजयवाड़ा 36,कुल 663की उपस्थिति रही, प्रोफेशनल डाक्टर,सी ए सी एस,वकील, इंजीनियर बहनों को सम्मानित किया गया,वाकेथान में बहनों ने सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई को प्रदर्शित किया। महेश नवमी को पूरे प्रदेश में भोजन व्यवस्था, पूजन, जुलूस, बैंड बाजे के साथ मनाया गया।

प्र.अध्यक्ष–रजनी राठी ❋ प्र.सचिव–मंजु लाहोटी

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

90 कलाकारों द्वारा रामायण पर महानाट्य की प्रस्तुति, जरूरतमंदों को 23 लेपटाप वितरण

पू.रा. अध्यक्ष कल्पना गगरानी के निवास स्थान पर महेश नवमी के दिन महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनीता पलोड़ ने आदरीय दीदी का सम्मान किया। प्रदेश के सभी 23 जिला, तहसील और ग्राम में महेश नवमी उत्सव जोर-शोर से मनाया गया। जिला एवं तहसीलों में भव्य शोभायात्राएं बैंड बाजे के साथ आयोजित की। राम दरबार, शिव परिवार, महाराणा प्रताप, शिवाजी महाराज और अन्य देवी देवताओं की लाइव झांकियां प्रस्तुत की गई। रास्ते में जलपान और समापन महाप्रसाद से किया गया। बीड़, धुलिया, नंदुरबार, अहमदनगर, कोल्हापुर, बार्शी (सोलापुर) में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अनेक जिला में वृक्षारोपण का कार्यक्रम लिया गया। नासिक में शोभायात्रा में पर्यावरण पर संदेश दिया गया। जालना में मैराथन स्पर्धा ली गई। परभणी में 90 कलाकारों ने रामायण महाकाव्य पर महानाट्य प्रस्तुत किया। लातूर में कार रैली और जलगांव में बाइक रैली का आयोजन हुआ। पुणे में महासभा अध्यक्ष संदीपजी काबरा के हाथों सेनेटोरियम का लोकार्पण हुआ। इस समय प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन गांधी और अरुण भांगड़िया उपस्थित थे। पूरे समाज की शोभायात्रा एक साथ निकाली गई। यह विशेषता रही। नांदेड़, अहमदनगर जिला ने आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और वैवाहिक प्रमाण-पत्र दिए। लातूर में जरूरतमंदों को 23 लेपटाप दिए गए और टाक शो का आयोजन किया। सतारा, जलगांव, धूलिया में गाय को चारा, दवायिां दी और सतारा में गाय के शेड के लिए दान दिया गया, वहीं पर माहेश्वरी समाज की जानकारी के लिए अपना एक मोबाइल ऐप बनाया। थाना कल्याण में रा. प्रभारी आ. भाग्यश्री चांडक का साइबर क्राइम पर मार्गदर्शन रखा गया। प्रदेश में अनेक जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। सिविल अस्पताल में फल वितरण, बच्चों के स्कूल की फीस भरी। मजदूरों को अन्नदान, राह चलते राहगीरों का शरबत, छाछ का वितरण किया। बच्चों की लघु नाटिकाएं, नासिक में डॉ. लीला जी करवा, नांदेड़ मेंडा, कुशलजी झंवर के व्याख्यान रखे गए। महिला व बच्चों के क्रिकेट टूर्नामेंट, ड्राइंग प्रतियोगिता, अनेक प्रकार के गेम्स, एकत्र परिवार।

गांव के संस्कार, जीवन हो साकार जैसे सामाजिक प्रश्नों पर जैसे सामाजिक प्रश्नों पर नाटिका का मंचन किया गया। महिला एवं बच्चों के टैलेंट शो, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाइव लेडी लूडो जैसे गेम्स, कोल्हापुर में लाइव योग जो शोभायात्रा में प्रस्तुत की गई। हम ज्येष्ठ सबसे श्रेष्ठ, कला कौशल, भजन, अंताक्षरी, ट्रेजर हंट, माहेश्वरी संस्कृति सरगम, साइकिल दौड़, मैराथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। 1 हजार मेधावी छात्रों और छात्राओं को पुरस्कार दिए। जयसिंहपुर में द. उपाध्यक्ष अनुसूया मालू का मार्गदर्शन रहा। मुख्य अतिथि उर्मिला बियानी थीं। घूमर, वीर माता शौर्य, संस्कृति कार्यक्रम, हास्य कवि सम्मेलन, शिव मंदिर सजावट प्रतियोगिता, वेजिटेबल रंगोली जैसे अनेक कार्यक्रम पूरे प्रदेश में आयोजित किए गए।

अध्यक्ष-सुनीता पलोड़ * सचिव-सुनीता चरखा

उत्तरांचल

मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

इसर गौरा के अटूट प्रेम का नृत्य एवं गीत के द्वारा मनमोहक चित्रण

अष्ट सिद्धा–नेल आर्ट का प्रशिक्षण दे कर प्रदेश की बहनो में प्रतियोगिता आयोजित की गई। चयनित बहनो को पुरस्कृत किया गया।

संस्कार सिद्धा–राम नवमी पर बच्चों में राम जी के विभिन्न स्वरूप पर प्रतियोगिता हुई, चयनित बच्चे पुरस्कृत।

स्वयं सिद्धा–प्रदेश द्वारा आयोजित सक्षम प्रोजेक्ट मे स्कूटी ट्रेनिंग एवं लघु उद्योग के लिए प्रोत्साहित कर संयोजिका ने उनके प्रोडक्ट को सभी घरों तक पहुचाने में सहायता करी।

ज्ञान सिद्धा–राष्ट्रीय कार्यक्रम यक्ष एक प्रश्न में 78% बहनें उपस्थित हो लाभान्वित। राष्ट्रीय प्रतियोगिता हर सीट हॉट सीट में ओरई की श्रीमती पूजा माहेश्वरी को एकल प्रश्न में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

संस्कृति सिद्धा–होली फाग उत्सव, नवरात्रि, कन्या भोज, प्रदेश के सभी जिलों मैनपुरी, ओरई,कानपुर, झाँसी, जालौन में मनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ की गरिमामय उपस्थिति में इसर गौरा के अटूट प्रेम का नृत्य एवं गीत के द्वारा मनमोहक चित्रण किया गया। गणगौर आगमन से विदाई तक 16 दिन सामुहिक रूप से गीत गाए गए। प्रश्नोत्तरी गेम्स खिलाए गए। गणगौर गीतों पर अंताक्षरी प्रतियोगिता कराई गई। प्रदेश द्वारा आयोजित सोलह श्रृंगार कर गणगौर इसर श्रृंगार प्रतियोगिता में 55 प्रस्तुति में चयनित को पुरस्कृत।

हुए रंग बिरंगे होली में
खुशियां भरी झोली में।
नवरात्रि में सजा दरबार,
किया माँ का जय जयकार।
राम जन्म का उत्सव मनाया,
घर आंगन खूब सजाया।
इसर गणगौर का कर श्रृंगार,
मन में भरकर उमंग अपार।
एक दूजे का थामे हाथ,
करने नव स्वप्न साकार।

रघुकुल सिद्धा–परिवार संग हनुमान जयंती पर सुंदरकांड पाठ कर शरबत वितरण किया।

संकल्प सिद्धा–भीषण गर्मी में गायों को चारा एवं गुड़, पक्षियों के लिए दाना–पानी का अभियान भी प्रदेश द्वारा जारी है। मैनपुरी स्टेशन रोड पर राहगीरों की सुविधा हेतु एक वाटर कूलर लगवाया गया। विकलांग बच्चों को प्रोत्साहित करने एवं उनके स्वास्थ्य को देखते हुए घर के ओट, रागी से बने केक खिलाया गया।आगे भी घर पर बनाए व्यंजनों से उनकी पूरी देखभाल करने की कोशिश जारी रखेंगे।

संचार सिद्धा–पर्व– त्योहारों ,जन्मदिवस, वैवाहिक सालगिरह पर शुभ कामनाएँ भेजी जा रही। राष्ट्रीय Tip of the week से सभी लाभान्वित हो रहे।

युगल सिद्धा–बायोडाटा आदान प्रदान कर गठबंधन कराने की कोशिश जारी है।

संजीवन सिद्धा–भीषण गर्मी में संयोजिका द्वारा ग्रुप में ड्रिंक वाटर एवं लू से बचाव हेतु टिप्स भेजे जा रहे।

मध्य उत्तरप्रदेश : महेश नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित साड़ी वाकेथान कार्यक्रम

मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्री माहेश्वरी महिला मंडल कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में अष्ट सिद्धा एवं संस्कृतिसिद्धा समिति के अंतर्गत महेश नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित साड़ी वाकेथान कार्यक्रम 8 जून को सुबह 7 बजे परमट मंदिर में संपन्न हुआ। जिसमें 150 बहनों ने पूर्ण श्रृंगार करके पूरी तन्मयता के साथ बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी दी। इस कार्यक्रम का शुभारंभ रोली, अक्षत टीके एवं मोली बाँध राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ एवं शहर की महापौर प्रमिला जी पांडे के कर कमलों द्वारा फ्लैग ऑन एवं ढोल-नगाड़े से हुआ ।

स्लोगन प्रतियोगिता एवं भारतीय संस्कृति के अनुरूप श्रृंगार प्रतियोगिता में चयनित बहनो को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री श्रीमती प्रीति जी तोषनीवाल, प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झंवर एवं प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस सामाजिक कार्य में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, श्री नवयुवक मंडल कानपुर, श्री माहेश्वरी पंचायती धर्मशाला, माहेश्वरी विद्यालय, माहेश्वरी समाज दक्षिण एवं अन्य संस्था में नव्यता महिला क्लब, दीपिका क्लब ऑल इंडिया वूमेन कांफ्रेंस की महिलाओं ने भी अपनी भागीदारी सांझा की।

इसी कड़ी में साड़ी वाकेथान के बोर्ड का अनावरण भी हमारी दोनों प्रसिद्ध हस्तियों राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कानपुर के मेयर के हाथो ही हुआ। हमारी कुछ उद्यमी बहने श्रीमती अंशु बाहेती, श्रीमती विनीता बियानी, श्रीमती सृष्टि राठी, श्रीमती नूपुर माहेश्वरी, श्रीमती श्रुति चांडक, श्रीमती नलिनी सांवल ने समाज में अपनी अलग पहचान बनाई उन्हें नारी शक्ति सम्मान चिन्ह भेंट किया गया ।

कुछ बहनें रानी लक्ष्मीबाई एवं सुषमा स्वराज ,जीजा बाई,मिस वर्ल्ड का स्वरूप ले उपस्थित हुई। राष्ट्रीय पदाधिकारी ने भूरि भूरि प्रशंसा कर सर्टिफिकेट दे उत्साह वर्धन किया! राष्ट्रीय आवाह्न पर शपथ ले मंदिर प्रांगण में गर्मी एवं स्वास्थ्य को मद्देनजर रखते हुए लगभग 2000 लोगों को मट्ठा वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में 200 बहनों एवं स्वजातीय बंधुओं की सहभागिता में सभी ने ब्रेड- मट्ठा- मठरी का आनंद उठाया।इस अनूठे कार्यक्रम में कार्यसमिति संतोष जी बाहेंती कमलेश जी राठी, प्रदेश प्रभारी सुजाता जी राठी, प्रकल्प प्रमुख करुणा जी अटल,सह प्रभारी श्रीमती अंजू जाजू, सलाहकार समिति, चित्रा जी भुराड़िया, विनीता जी खटोड़, राज काबरा, एवं प्रदेश की पूरी टीम, कानपुर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी करनानी, सचिव श्रीमती रिचा बांगड़ एवं उनकी पूरी टीम, दोनों समिति संयोजिका रुचि बाहेती, वर्षा लाहौटी की एवं अन्य संस्थाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अनोखा ही बना दिया।

अध्यक्ष-सीमा झंवर * सचिव-नीलम मंत्री

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

बांधे मनमोहक श्रृंगार के साथ सजी-संवरी भारतीय गौरव का मान बढ़ाती बहनें

भक्ति में हैं शक्ति बहनों, शक्ति में संसार हैं।
त्रिलोक में हैं जिनकी चर्चा, शिवजी का त्यौहार हैं।

माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस महेश नवमी पर्व के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय आह्वान पर दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के सभी क्षेत्रों द्वारा सुबह 7.30 से 8.30 के मध्य साड़ी वॉकथॉन यात्रा का शुभारंभ अतिथि द्वारा फ्लेग आरोहण के साथ किया गया।

पीली साड़ी, लाल दुपट्टा, माथे पर लाल बिंदी तथा हाथ में कलावा बांधे मनमोहक श्रृंगार के साथ सजी-संवरी भारतीय गौरव का मान बढ़ाती हमारे संगठन की 225+ बहनों का जोश और हर्षोल्लास देखते ही बन रहा था। पुष्पवर्षा तथा ढ़ोल नगाड़े की थाप पर नारी शक्ति गीत गाते हाथ में बैनर लिए सभी बहनों ने पंक्तिबद्ध शालीनता से एक साथ चलते हुए मन्दिर के प्रांगण में पहुंचकर अपनी रैली का समापन किया। मन्दिर में पहुंचकर सभी ने सामूहिक पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात पधारे मुख्य अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय संगठन से प्रेषित अति सुन्दर व महत्त्वपूर्ण संदेश लिखित बोर्ड का अनावरण किया गया। संगठन पदाधिकारी, समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य बुद्धिजीवी जन तथा आमंत्रित प्रशासनिक अधिकारियों सहित सभी ने अपने वक्तव्य में कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सभी बहनों ने एक साथ शपथ भी ली कि वो अपनी साड़ी पहनने की प्रथा को गर्व एवम् सम्मान प्रदान कर सांस्कृतिक धरोहर को संजोएंगे तथा अगली पीढ़ी को प्रोत्साहित कर इस विरासत को आगे पहुंचाने की भरसक कोशिश करेंगे।

कुछ बहनों द्वारा विभिन्न किरदारों जैसे - झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, सुषमा स्वराज, प्रतिभा पाटिल, अहिल्या बाई, लता मंगेशकर, निर्मला सीतारमण, जयललिता, सरोजिनी नायडू, इन्दिरा गांधी, रानी पद्मावती, उषा उत्थुप, स्मृति ईरानी तथा सुधा चंद्रन इत्यादि में सजकर आने से प्रोग्राम में चार चांद लग गए। बाहर से आमंत्रित महिला अतिथियों को उपहार स्वरूप साड़ी, स्टॉल, पुष्प गुच्छा इत्यादि दिया गया। लस्सी,आइसक्रीम, शरबत, छाछ, जलपान तथा प्रसाद वितरण कार्यक्रम भी किया गया। प्रदेश

में सभी जगह महेश नवमी महोत्सव खुब हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

महेश नवमी के उपलक्ष्य में दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 17 जून सोमवार के दिन सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया।

सभी क्षेत्रों से पधारी 35 बहनों ने एक साथ बैठकर बहुत ही विधि विधान व श्रद्धापूर्वक नमः शिवाय मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना, रुद्राभिषेक तथा आरती का आनन्द लिया। रुद्राभिषेक के बाद सभी बहनों के लिए प्रसाद तथा नाश्ता की बहुत सुन्दर व्यवस्था थी। सामुहिक रुद्राभिषेक के साथ-साथ भरी गर्मी में 400 लोगों के लिए ठंडाई वितरण कार्यक्रम भी किया गया।

मध्य ज़िला संगठन द्वारा महेश नवमी मिलन का भव्य आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश तथा बाहर से पधारे गणमान्य पदाधिकारियों लगायत 180 लोगों की उपस्थिति रही। आए हुए सभी अतिथियों का तिलक लगाकर पुष्प व मोती माला पहनाकर भावभीना स्वागत किया। संगठन की बहनों द्वारा 1 साल की गतिविधि का सांस्कृतिक कार्यक्रम स्मृति दर्पण, बाल कलाकारों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के सार्थक सन्देश के साथ प्रस्तुत नुक्कड़ नाटिका तथा अन्य सभी कार्यक्रम बहुत शानदार थे।

महेश नवमी के उपलक्ष्य में द्वारका क्षेत्र द्वारा 45 भाई बहनों के सान्निध्य में सामुहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। तत्पश्चात तपती गर्मी में गुलाब शरबत वितरण पुण्य सेवा कार्य भी किया।

अध्यक्ष-श्यामा भांगड़िया * सचिव-लक्ष्मी बाहेती

पूर्वी उत्तरप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है

इस सूत्रवाक्य का अनुसरण करते हुए संगठन की बहनों द्वारा जनसेवा सहायतार्थ एक विद्यालय मे उनकी जरूरत का समान दिया गया। इस पुनीत कार्य के लिए संघ संचालित पाणिनि कन्या विद्यालय की (पड़ाव, चंदौली) नव सृजित विस्तार शाखा में शिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस भीषण गर्मी में शीतल जल के लिए वोल्टाज़ वाटर कूलर, गद्दे - चादर, 2 एयर कूलर तथा अन्य कई उपयोग की सामग्रियां सहयोग स्वरूप प्रदान की गई। मुख्य अतिथि समाज की वयोवृद्ध महिला श्रीमती मालती देवी धूत (पत्नी स्व. चंपालाल जी धूत) थीं। मुख्य अतिथि ने अपने करकमलों से सभी पर स्वस्तिक अंकित किया। इस अवसर पर छात्राओं को जलपान भी कराया गया।

संकट रहे ना एक रत्ती का ध्यान धरे हनुमान जती का

हनुमान जन्मोत्सव के दिन प्रदेश की बहनों ने पूर्ण भक्ति भाव से ओतप्रोत , प्रातः 7:00 से सांय 7:00बजे तक अनवरत,बिना रुके श्रंखलाबद्ध रूप से 1100 हनुमान चालीसा का पाठ किया। अखंड दिये को साक्षी कर सभी ने साथ मे आरती कर,प्रसाद का वितरण कर इस दिव्य आयोजन को पूर्णता प्रदान की। उत्तरांचल सह प्रभारी उर्वशी जी साबू का, प्रदेश के द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। उर्वशी जी साबू ने समाज की सदस्यों को संबोधित करते हुए बहुत ही ज्ञानवर्धक सेशन लिया जिसमें उन्होंने रिपोर्टिंग, अनुशासित व्यवस्थित बैठक कैसे हो, प्रोटोकॉल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की ।

प्र.अ.-भारती करवा * प्र.स.-पुष्पा धूत

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

महेश उत्पत्ति का दिवस है, महेश नवमी का पर्व... हमें हैं इस पर गर्व

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत महेश नवमी पर्व पर राष्ट्रीय से आए साड़ी वाकेथान कार्यक्रम को प्रदेश में संजोया गया पारंपरिक परिधान एवं संस्कृति को सम्मान दें नव पीढ़ी और पाश्चात्य संस्कृति से भ्रमित समाज को जागृत करने का प्रयास किया और हमारे संस्कारों के प्रति सजग किया गया। अष्ट सिद्धा समिति के अंतर्गत साड़ी वाकेथान में हमारी उन बहनों को सम्मानित किया गया जो की परिवार के साथ-साथ समाज एवं आर्थिक व्यय में भी योगदान दे रही है। कार्यक्रम का समापन छबील सेवा के रूप में किया गया जिसमें ठंडे-ठंडे शरबत , जूस छाछ इत्यादि का वितरण किया गया। नारी शक्ति का परिधान साड़ी इसका महत्व बताया गया साड़ी वॉकेथान में प्रदेश से 450 सौ बहनों में भाग लिया। बहनों ने मौली, सर पर बिंदी और लाल दुपट्टा लेकर अपनी पहचान को अलग बनाया। महेश नवमी 15 जून के दिन भगवान उमा महेश का जलाभिषेक किया गया। साथ में कई स्थानों पर ठंडे पानी की छबील और 1500 लोगों को लंगर प्रसाद खिलाया गया। संगठनों में सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे, प्रतियोगिताएं कराई गई। रुद्राष्टकम एवं भजन के माध्यम से पूजा की गई। कई परिवारों ने मिलकर पारिवारिक समरसता दर्शाते हुए एक साथ एकत्रित होकर महेश नवमी पर्व को धूमधाम से मनाया। माहेश्वरी उत्पत्ति दिवस की कहानी नव पीढ़ी को बताई गई। संगठनों द्वारा लोहार्गल जाकर महेश नवमी पर्व मनाया गया।

प्रदेश अध्यक्ष-सीमा मूंदड़ा ❊ प्र.सचिव

मध्यांचल

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''घर-घर महेश नवमी, जैसे दिवाली विजयादशमी'' इस नारे की गूंज के साथ

छत्तीसगढ़ प्रदेश के अंतर्गत 6 जोन बिलासपुर, बस्तर, धमतरी, दुर्ग, राजनंदगांव एवं रायपुर सहित सभी स्थानीय संगठनों में महेश नवमी पर्व में ध्वजारोहण, रुद्राभिषेक, शोभा यात्रा /प्रभात फेरी, मट्ठा, शरबत, आम पन्ना वितरण, वृद्ध आश्रम में भोजन, कुष्ठ रोगियों को स्वल्पाहार, अस्पतालों में फल वितरण। ब्लड टेस्ट कैंप एवं रक्तदान शिविर, गर्मी से राहत के लिए पानी के कुंडे वितरण एवं बेलपत्र पौधा रोपण,मेधावी छात्रों का सम्मान, बुजुर्गों का सम्मान वंदन एवं विशेष कार्य के लिए व्यक्तिगत सम्मान , गौशाला में चारा एवं गुड़ वितरण, महेश वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम फैंसी ड्रेस पूजा की थाली सजाओ आदि अनेक विविध प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। प्रदेश से सभी संगठन के लिए प्रभारी नियुक्ति छोटे से छोटे संगठन में महेश नवमी उत्सव में पहुंचना जहां नियुक्त प्रभारियों का ससम्मान स्वागत वंदन अभिनंदन। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी रायपुर में प्रभारी के रूप में प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी राजनांदगांव में एवं राष्ट्रीय समिति प्रभारी भावना जी राठी भिलाई एवं अन्य पदाधिकारी जिन्हें जिस संगठन के लिए प्रभारी नियुक्त किया था सभी अपना सामाजिक कर्तव्य समझते हुए विजिट किए एवं सभा से आए एजेंडा को फॉलो किया। महिला संगठन में इस महेश नवमी में ग्रास रूट की बहनों को जोड़ने का संकल्प लिया है और उसे फलीभूत करने का प्रयास जारी है ।

अध्यक्ष शशि गट्टानी ❊ सचिव रूपा मूंदड़ा

पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी पर 90 बहनों की निकाली रैली, जिसमें गाड़ियां चलाई बहनों ने

वंशोत्पत्ति दिवस–महेश नवमी पर्व पर सात दिवस तक सम्पूर्ण प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया । 8 जून को साड़ी वाकेथान का कार्यक्रम बड़े जोर–शोर से ढोल, धमाके एवं म्यूजिक के साथ प्रदेश के प्रत्येक जिले एवं स्थानीय संगठनों में बेहद रोचक ढंग से शपथ के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यान्वित किया गया।

प्रदेश में सभी दसों समितियों के अंतर्गत कार्यक्रम सम्पन्न हुए। तीन पीढ़ियों से समाज को तन,मन,धन एवं समय का योगदान देने वाले परिवारों को सम्मानित किया गया । भगवान महेश का अभिषेक के दौरान रुद्राष्टक स्तोत्र बोलते हुए बच्चों के वीडियो मंगवाए गए। सादगी से शादी एक सार्थक पहल विषय पर 25–45 वर्ष के बच्चों एवं बहनों हेतु भाषण प्रतियोगिता करवाई गई । सम्पूर्ण प्रदेश में कहीं पर स्वास्थ्य कैम्प, कहीं पर नेत्र शिविर ,कहीं पर ब्लड डोनेशन कैंप लगवाए गए। पर्यावरण के संरक्षण हेतु पौधारोपण एवं पूरे प्रदेश में पौधों का आदान–प्रदान किया गया साथ ही प्लास्टिक का उपयोन न करने का संकल्प लेकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया गया। उद्यमी महिलाओं के लिए रमा–उज्जवला जैसे अनोखे प्रोजेक्ट को लांच कर बहनों को बिजनेस करने हेतु प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया गया साथ ही घरों से व्यवसाय करने वाली बहनों के लिए सिपा–सृजन प्रोजेक्ट के माध्यम से मार्केटिंग का भी प्लेटफार्म प्रदान कर उनके हुनर को एक नई उड़ान देने का प्रयास किया गया । सभी स्थानों पर भगवान महेश के सुंदर अभिषेक के उपरान्त शोभा यात्राएं निकाली गई साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कहीं पर भजन संध्या कहीं भूले–बिसरे खेल, खेल प्रतियोगिताएं, चित्रकला प्रतियोगिता, लिप्पन आर्ट सिखाने की क्लास जैसे कार्यक्रम सम्पन्न हुए । जल सेवा, शरबत वितरण सेवा, जरूरतमंदो के लिए खाना और कपड़े बांटे गए।

राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों के भ्रमण के दौरान गाडरवारा जिला एवं नरसिंहपुर जिला की स्थानीय महिला इकाई द्वारा हेल्थ कैंप सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें 500 मरीजों को फायदा मिला । यह कार्यक्रम उद्घाटनकर्ता शिक्षा मंत्री श्रीमान राव उदयप्रताप सिंह, मध्यप्रदेश शासन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में रा. संयुक्त मंत्री श्रीमती अनीता जी जांवदिया एवं प्रदेश पराधिकारी श्रीमती राजश्री राठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति थीं। भोपाल में 90 वाहनों की बहुत बड़ी रैली निकाली गई जिसमें बहनों ने कैंप लगाकर गाड़ियां चलाई । सीहोर में रंजनाजी बाहेती एंव शोभाजी लाहोटी की अध्यक्षता में, बनखेड़ी में अनीता जी जांवदिया की अध्यक्षता में एवं पिपरिया में राजश्री राठी की अध्यक्षता में महेश नवमी के कार्यक्रम सम्पन्न हुए ।

प्र. अध्यक्ष–रंजना बाहेती ❋ प्र. सचिव–राजश्री राठी

पूर्वी मध्य प्रदेश भोपाल संभाग जिला सीहोर

भारतीय संस्कृति की पहचान साड़ी परिधान को बढ़ावा देने हेतु साड़ी वाकेथान भव्य रूप में संपन्न हुआ सीहोर जिले के माहेश्वरी समाज के गण मान्य पदाधिकारी सम्मिलित हुए, स्थानीय एवं जिला संगठन द्वारा ढोल नगाड़े के साथ नारे लगाते हुए **''माहेश्वरी हैं हम''** सुंदर पथ संचलन किया, विशेष अतिथि के रूप में एमएलबी स्कूल की प्राचार्य सरिता जी विधायक का पत्नी श्रीमती अरुणा सुदेश राय एवं नगर पालिका अध्यक्ष की उपस्थिति रही शोभा यात्रा के दौरान बड़े बाजार में श्रीमती प्रतिभा जी डॉक्टर सुरेश जी झंवर द्वारा ठंडे पेय के द्वारा स्वागत किया। संभागीय संयुक्त मंत्री सत्यभामा मंत्री भी उपस्थित रहीं। सुषमा स्वराज के रूप में श्रीमती साक्षी मंत्री ने सहयोग किया। समापन गुप्तेश्वर महादेव मंदिर छावनी पर हुआ। बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाज की व अन्य समाज की महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। बैनर के अनावरण के बाद श्रीमती प्रतिभा झंवर द्वारा सभी बहनों को शपथ दिलवाई गई। 60 बसंत पार कर चुकी 5 बहनों का संभागीय सचिव सत्यभामा मंत्री द्वारा पांच वृक्षों से उनका सम्मान किया। आज देखा एक साथ साड़ी में नारी कितनी सुंदर लगती है हमे हमारी परंपरा पर गर्व है। जिला अध्यक्ष रजनी जी बाहेती एवं जिला सचिव ज्योति जी झंवर नें बहुत मेहनत कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए, स्थानीय अध्यक्ष आभा कासट एवं स्थानीय सचिव हर्षा हुरकट ने अपनी सहभागिता दी।

सौ. प्रतिभा झंवर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''हम साथ-साथ हैं'' परिचर्चा का हुआ आयोजन

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के सभी 16 जिलों में महेश नवमी 2024 पर्व पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

साड़ी वाकेथान-साड़ी में सुंदर लगे नारी राष्ट्रीय आयोजन प्रदेश के सभी जिलों में प्रशासनिक अधिकारियों व समाज जन के साथ भव्य रुप में संपन्न। उज्जैन व इंदौर जिला में महेश नवमी पर 7 दिवसीय आयोजन की शुरुआत में महासभा अध्यक्ष

श्री संदीप जी काबरा की विशेष उपस्थिति। इंदौर जिला द्वारा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय सुशीला जी काबरा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता,खेल कूद प्रतियोगिता, वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान, प्रदेश संगठन द्वारा संजीवनी सिद्धा समिति अन्तर्गत प्रसिद्ध त्वचा, दांत व आहार विशेषज्ञों द्वारा बहुउपयोगी जानकारी दी गई। वैश्विक संस्कृति का अनुकरण- भारतीय संस्कृति के लिए घातक विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।

रक्तदान शिविर,वृद्धा आश्रम में भोजन,भजनों पर आधारित नृत्य, बुजुर्गों की चौपाल का अनूठा आयोजन, वृक्षारोपण, मेडिटेशन व योग शिविर आयोजित किये गए

हम साथ साथ है-पारिवारिक प्रतियोगिता एवं टाक शो, युवा बहनों के लिए विशेष आयोजन। गौ सेवा-गौशाला में गौ अन्नकुट, सेवा प्रकल्प के अंतर्गत सभी जिलों में फल व अन्न का वितरण किया गया। दिव्यांग बच्चों के साथ खेल कूद व धार्मिक आयोजन के साथ उन्हें स्वल्पाहार करवाया गया। विधवा आश्रम में वस्तुओं का वितरण,जरूरत मंद बच्चों को बेग एवं ड्रइंग किट का वितरण, सफाई मित्रों को नाश्ता।

त्रिदिवसीय नृत्य वर्कशॉप - उन्मुक्त आनंद सेवा संस्थान पर निशुल्क डायलिसिस सेवा - लक्ष्मी मेमोरियल हॉस्पिटल में, ठंडा पेय शरबत,छाछ का वितरण। परिचर्चा - समय से पहले जांच कराने के फायदे। वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजन- समाज में टूटते रिश्तों के लिए युवाओं का केरियर के प्रति अति महत्वाकांक्षी होना एवं बढती उम्र में विवाह उत्तर दायी है।

कौन बनेगा जीनियस - केबीसी पर आधारित प्रतियोगिता । भगवान भोले का अभिषेक - शिव मंदिरों में। प्रभात फेरी में महिलाओं की संदेश पट्टिका के साथ सहभागिता।

महेश नवमी बहुत ही उत्साह,जोश व धूम धाम से प्रदेश में मनाई व बड़ी संख्या में युवा बहनें जुड़ी। श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला संगठ एवं प्रगति मंडल उज्जैन द्वारा 5 दिवसीय महेश नवमी पर्व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सौ. वीणा सोमानी के आतिथ्य में मनाया गया। प्रथम दिवस नृत्य प्रतियोगिता एवं हास्य नाटिका, द्वितीय दिवस 'हमारी संस्कृति-आपका ज्ञान' बच्चों के लिए आयोजित। 15 जून को भगवान महेस का पूजन, अभिषेक व शोभायात्रा का आयोजन। 23 जून को महेश मेला लगाया गया एवं श्री आनंदजी बांगड़ व रमेशजी साबू के आतिथ्य में वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। श्वेता बजाज द्वारा जानकारी दी गई।

अध्यक्ष-उषा सोड़ानी ❋ सचिव-शोभा माहेश्वरी

अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी महिला मंडल का आयोजन

टॉक शो : ''संयुक्त परिवार-सौभाग्य का द्वार'' परिचर्चा का हुआ आयोजन

एकल परिवार से बिगड़ रहा है तानाबाना, संयुक्त परिवार के बच्चे होते हैं संस्कारी

वर्तमान में संयुक्त परिवार के मुकाबले एकल परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ी है। पैरेंट्स के बिजी होने के चलते बच्चे का भी सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता। ऐसे एकल परिवार में बच्चों की परवरिश अभिभावकों के लिए चुनौती बनती जा रही है। इसके विपरीत संयुक्त परिवार में दादा-दादी, बुआ, चाचा समय पड़ने पर बच्चों की देखभाल करने के साथ ही उन्हें व्यवहारिक ज्ञान व संस्कारित भी करते हैं। उक्त विचार अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी महिला मंडल

द्वारा आयोजित ''हम साथ-साथ हैं'' कार्यक्रम में पूर्व न्यायमूर्ति उमेशचंद्र माहेश्वरी ने व्यक्त किए। वर्तमान समय की समस्या बच्चों में तुलना, देवरानी जेठानी में विचारों में असमानता, कैरियर को ज्यादा महत्व, प्रेम व परिवार से ज्यादा महत्व पैसों को आदि समस्या पर सदन में प्रश्न उठाये गये। श्रीमती गीताजी मुंदड़ा एवं सुशीलाजी काबरा द्वारा समाधान किया गया।

अध्यक्ष-सीमा माहेश्वरी * सचिव पूनम मालपानी

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी पर रक्तदान शिविर में 354 यूनिट रक्त जमा

गुजरात प्रांत में महेश नवमी के पावन पर्व पर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में विशेष कार्यक्रमों के आयोजन के तहत सूरत जिले में हेल्थ अवेयरनेस सेमीनार में 65 बहनें शामिल हुईं। वलसाड़ जिले के रक्तदान शिविर में 354 यूनिट जमा हुआ। रंधिकपुर और सूरत (500 बहनें) में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गांधीधाम में 450 गिलास गन्ने का रस वितरण हुआ। सूरत वेस्ट मंडल की बहनों ने बच्चों के साथ सामाजिक विषयों पर आधारित नाटिका, नृत्य द्वारा संदेशप्रद प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय प्रकल्प साड़ी वाकेथान में प्रदेश से कुल 850 महिलाएं जोश और उत्साह से शामिल हुईं। प्रदेश की द्वितीय कार्यकारिणी एवं तृतीय कार्यसमिति दो दिवसीय बैठक अभिव्यक्ति का आयोजन द्वारका में हुआ। प्रमुख अतिथि रा. संगठन मंत्री ममता मोदानी, रा. उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री, रा. विधान संशोधन समिति प्रभारी मंगल मर्दा की उपस्थिति में तेजस्विनी कार्यकर्ता प्रशिक्षण, नुक्कड़ नाटक, नृत्य, प्रश्न मंजुषा, विचार मंथन आदि अनेक प्रतियोगिताओं में उपस्थित 125 सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अहमदाबाद के मंथन शिविर में रा. पूर्व अध्यक्ष बिमलाजी साबू, उर्मिलाजी कलंत्री, मंगल मर्दा ने उपस्थित 200 सदस्यों को कार्यकर्ता प्रशिक्षण दिया। राष्ट्रीय साहित्य प्रतियोगिता 'आंखन देखी' में गुजरात प्रदेश की अंजनाजी बियानी को अच्छे प्रयास हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नवाजा गया। हर सीट हाट सीट प्रतियोगिता में प्रांत के चार सदस्यों को पुरस्कार मिला। अहमदाबाद संगिनी संगठन ने पक्षियों के दानों के लिए अन्न क्षेत्र में 51 हजार की राशि दान की। भरुच और मोरबी में गर्मी से राहत हेतु वाटर कूलर लगाया गया। अहमदाबाद सखी संगठन ने महेश छात्रावास को 1 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की। आदिशक्ति फाउंडेशन अहमदाबाद और मणिनगर संगठन (2 हजार बोतल), गांधीधाम (150 लीटर) ने स्थानीय अस्पताल के परिसर में छाछ वितरित की। अ.भा.माहे. महासभा द्वारा संचालित मिशन आईएएस 100 के गाइड पैनल में प्रदेश की श्वेता जाजू को चुना गया।

अध्यक्ष-मंजुश्री काबरा * सचिव-कांता मोदानी

युवा पीढ़ी में सही मार्गदर्शन के अभाव के कारण लगी नशे की लत और डिप्रैशन को भगवान शिव के चरित्र के साथ जोड़कर सुंदर तरीके से नाटिका की प्रस्तुति दी

सूरत जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 15 जून को महेश नवमी धूमधाम से मनाई गई। सुबह शोभायात्रा में लाल साड़ी पहनकर 500 महिलाओं ने शोभा यात्रा को भव्य बनाया। सुबह और शाम अलग-अलग संभाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। **''शिव व्यवहार व्यक्तित्व में सुधार''** माहेश्वरी समाज के द्वारा ''आज की युवा पीढ़ी में सही मार्गदर्शन के अभाव के कारण लगी नशे की लत और डिप्रैशन'' को भगवान शिव के चरित्र के साथ जोड़कर बहुत ही सुंदर तरीके से नाटिका की प्रस्तुति दी गयी और यह बताया गया कि आजकल के माता-पिता के पास समय के अभाव के कारण युवा पीढ़ी किस दिशा की और बढ़ रही है। इस अवसर पर 1500 लोगों की उपस्थिति रही।

सांस्कृतिक समिति की बहने, नीरू जी साबू ,रेखा जी पोरवाल,सुष्मा जी जागेटिया,रेणु जी झंवर का बहुत सहयोग रहा। **-सूरत जिला माहे.महिला संगठन**

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

हम दो हमारे दो का नारा हमे भुलाना होगा

महेश नवमी उत्तपत्ति दिवस है हमारा जिस दिन स्वयं उमा महेश ने हमे धरती पर दिया सहारा बड़े धूमधाम एवं गर्व से एकजुट होकर मनाते है हम त्योहार हमारा

परिवार का आदर है जहाँ बड़ो का है सन्मान यहाँ, धरती पर रूप भगवान का जिसने हमे पाल पोसकर किया है बड़ा ऐसे हमारे माँ को शतशः वंदन कर पूजन किया है।11 जिल्हो के हर तहसील में मिलकर 111 माँ का मातृपूजन कर एक मिनिट वीडियो बनवाया है ।

संस्कार हमारे एक साथ रहनेके प्यार दुलार देकर ससुराल को अपनत्व से अपनाने के देराणी जेठानी, 11 वर्षों से साथ रहकर मानो बहने बन गई है। 500 से अधिक देराणी जेठानी का सत्कार हमने किया है।

हम दो हमारे दो का नारा हमे भुलाना होगा । अगर देश मे समाज के अस्तित्व को टिकना है, हमे वंशवृद्धि की संकल्पना को अपनाना होगा। 2से अधिक बच्चों को जन्म देकर देश मे मजबूत हमारा समाज बनाना होगा।

इसी हमारे संकल्पना को पूर्ण करते 200 से अधिक परिवार का सन्मान हमने गर्व से किया है।

सेवा, त्याग, सदाचार है नारा हमारा । सेवा भाव से हमे जिना होगा परमार्थ सेवा ही सच्ची सेवा को हमने अपनाया है । जिस घर मे मृत्यु हो जाये,वहाँ भोजन एवं उपयुक्त सामग्री पहुचाकर सेवा कार्यरत हमारे मंडल की 100 से अधिक बहनों का सन्मान हमने किया है।

दानी हमे हमेशा से ही माना गया है,दान करने में हमारा समाज हमेशा अग्रसर रहता है,तो फिर रक्तदान जैसे सर्वश्रेष्ठ दान से कैसे हम वंचित रह सकते है। विदर्भ समाज मे हमने 1000 से ज्यादा ब्लड यूनिट डोनेट किया है।

साथ ही विदर्भ प्रदेश के 11 जिल्हो के अनेकों तहसील में वृक्षारोपण में 500 से ज्यादा नीम ,बरगद, बेल जैसे वृक्षों का रोपण किया है।

कहीं बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। विदर्भ प्रदेश की ओर से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय–पारंपरिक वैवाहिक रीतिरिवाज में धार्मिक एवम वैज्ञानिक महत्व विषय से परंपरा से सजी हमारी संस्कृति को निहारा है।

108 मनका रामायण संगीतमय पठन के साथ रामजीवन पर आधारित 7 मिनिट नाटिका प्रत्येक जिल्हा से मंगवाई ,जो रामायण एवम राम चारित्र पर आधारित प्रस्तुति थी जिसके विषय त्याग,सदाचार, भक्ति धैर्य,सेवा, आदर,प्रेम,संयम, समर्पण, विनम्रता जैसे थे।

जिसमें 5 से 7 पात्र अनिवार्य ऐसे 11 नाटिका आई। 8 जून को विदर्भ प्रदेश में 11 जिलों के सभी स्थानीय तथा तालुका संगठनों ने 56 मंदिरों मे राष्ट्रीय निर्देशानुसार बोर्ड का अनावरण कर साडी वाकेथान मनाया। हर सामाजिक कार्यक्रम एवं त्योहारो पर साडी पहनने की शपथ ली। लाभार्थी 5831 बने। महेश नवमी पर विदर्भ के हर जिल्हे मे रक्त दान शिबिर का आयोजन किया जिसमे टोटल 2433 यूनिट रक्त दान हुआ।

साथ ही महेश नवमी उत्सव में भगवान महेश लोहगर्ल से आये जल से अभिषेक, पूजा महाआरती माहेश्वरी का झेंड़ा लहराते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली गई । जय महेश के नारों से मानो विदर्भ गूंज गया था। मीठी बोली मायड़ बोली कि शपत अनेक तहसील में ली गई कही शिव तांडव नृत्य ,महेश वंदना नृत्य सादर किये गए बचो के लिए अनेक स्पर्धाएं ली गई ऐसे बहुत धूम धाम से महेश उत्सव आपनो उत्सव मनाया गया। जिसमें सेवा त्याग सदाचार समर्पण, आदर ,संस्कृति, संस्कार सभी मार्मिक विचारों का समावेश होकर महेश नवमी महेशजी के राममय महेश नवमी विदर्भ प्रदेश में मनाई गई।

भारती राठी, आर्वी, कार्यसमिति

साड़ी मेरी पहचान है

मैं हूं भारतीय नारी, साड़ी मेरी पहचान है।
फिर क्यो? खो रही हूं उसको जो मेरे जीवन का आधार है।
साड़ी के दामन में ही संस्कार सारे समाऐ है।
साडी के अंदर ही सारे संस्कृति के रंग सिमटाए है।
जीजामाता, अहिल्या पद्मिनी इस संग ही अभिमानी थी।
रानी लक्ष्मीबाई ने इस संग दी कुर्बानी थी।
दादी, नानी के पल्लू ने ना जाने क्या क्या सीखाया है।
माँ के आंचल के नीचे ही मिली तरुवर की छाया है।
इसके सप्तसुनहरे रंग संग आसमान की उडान भरु।
इसका दामन थाम के ही सपने में साकार करूँ ।
मेरी साडी ही मेरी आन बान और शान है।
ना खोने दूंगी इसे मै यह मेरी पहचान है।

– पद्मा सोडानी

पूर्वांचल

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रक्तदान शिविर का आयोजन

तृतीय राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक मंगलशक्ति में उड़ीसा को शालीमार कैटेगरी प्राप्त हुई। प्रदेश पदाधिकारी द्वारा झाडसुगुड़ा व ब्रजराज नगर का दौरा किया। ब्रह्मपुर जिला का गठन किया पुर्व अध्यक्ष चंदा चांडक की उपस्थिति में। भाजपा लोकसभा स्पीकर ओमजी बिड़ला का व राष्ट्रीय युवा संगठन के अध्यक्ष शरदजी सोनी,महामंत्री प्रदीप जी लड्ढा, पूर्वांचल संयुक्त मंत्री विवेक जी राठी, उत्कल प्रदेश युवा संगठन के अध्यक्ष अरुण जी राठी,मंत्री रोहित जी काबरा,राष्ट्रीय कार्यसमिति प्रवीण जी झंवर का प्रदेश अध्यक्ष अस्मिता मूंदड़ा ने शाल,उपहार, पुष्प गुच्छ से सम्मान किया। स्वयं सिद्धा समिति संयोजिका रंजीता लड्ढा द्वारा महिला दिवस पर महिलाओं की उपलब्धि प्रदेश स्तर पर करवाई। प्रथम –हेमा मूंधड़ा बालेश्वर द्वितीय– मूनमून मूंधड़ा झाडसुगुडा, तृतीय लता टावरी मल्कानगिरी, प्रथम प्रोत्साहन पूनम मूंधडा झाडसुगुडा,द्वितीय खुशी लखोटिया कटक,स्पेशल प्राईज अनूजा काबरा बालेश्वर को मिला। बालेश्वर मे श्री रमेश जी परतानी द्वारा व्यक्तित्व विकास से बढ़े आत्मविश्रवास, व इसमें तीन गुण अपने बारे में अच्छा सोचें,महसूस करे,कौशल विकास करे। संचालन सह संयोजिका अंजलि माहेश्वरी द्वारा किया गया। ज्ञान सिध्दा समिति द्वारा हर सीट हाट सीट सीजन 2– मे (पूर्वांचल) उड़ीसा से.. सांत्वना तृतीय–मनीषा सोमानी बालेश्वर को प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता सुडोकू (पूर्वांचल) उड़ीसा से रंजीता लड्ढा बालेश्वर तृतीय स्थान, शांति मूंधड़ा ब्रहमपुर–चतुर्थ स्थान, रश्मि सारडा–संबलपुर को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रदेश में दो संबंध समिति संयोजिका–राजू राठी की कोशिश से तय हुआ।

महेश नवमी के उपलक्ष्य में साड़ी वाकेथान 8–जून को पीली साड़ी,बिंदी,चूड़ी,लाल दुपट्टा पहन कर विशिष्ट अतिथि का सम्मान व मंदिर में बैनर लगाकर हर्ष उल्लास के साथ प्रदेश के सभी जिलों में धूमधाम से आयोजित किया। महेश नवमी पर शोभायात्रा,महिम्न स्तोत्र का पाठ व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बंधु मिलन समारोह आयोजित किया।

अंगुल तालचेर ढेंकानाल – वाटर प्यूरीफाई,कोल्ड वाटर प्यूरीफाई ब्रह्मकुमारी आश्रम में लगाया,निंबु पानी फ्रुटी वितरण किया। **वरगढ–भटली रोड** पर 50 किलो तरबूज व 80 लीटर छाछ का वितरण। **ब्रजराज नगर** – बस स्टैंड पर बिस्कुट,कैरीपानी व छाछ का वितरण,गौशाला में दान पुण्य। **ब्रह्मपुर** –आखातीज पर रंभा गायो के लिए सीमेंट का कुंडा बनाया,चप्पल गमछा का दान। **बालेश्वर** –बस स्टैंड पर ठंडी छाछ लस्सी का वितरण व महेश नवमी पर रक्त दान। **कटक** – छोटे बच्चों द्वारा भजन प्रतियोगिता रखी,गर्मी के कारण 250 लीटर दही छाछ राहगीरों को पिलाया। **जाजपुर** – बच्चों द्वारा शिव पार्वती विवाह विडियो के जरिए दिखाया। परशूराम जयंती पर 1100,ग्लास दही मट्ठा व 2100, ग्लास केरी पानी का वितरण। **झाडसुगुडा**.– निकिता बाहेती द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट का 8 दिवसीय कैंप लगाया,हमालो व सब्जी वाले को टाटा ग्लुकोज़ पिलाया। **मल्कानगिरी** –

महिलाओ और युवतियों के बीच किक्रेट मैच मे महिलाओं की जीत हुई। एकादशी पर 500,ग्लास शरबत का वितरण,सुमन सोमानी ने युवतियों को विवाह के रिती रिवाज के गीत निशुल्क सिखाएं। **संबलपुर** – उत्कल दिवस पर तीन महीने के लिए प्याऊ लगाया,4000,ग्लास शरबत,100 किलो तरबूज राहगीरों को वितरण व गायो को 75 किलो चारा,10 किलो गुड़ खिलाया।

अध्यक्ष –अस्मिता मूंदड़ा * सचिव –शशी डोंगरा

आसाम प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

आज की पीढ़ी ओर वृद्धावस्था के बीच में कैसे रखें तालमेल, पर चर्चा

सेवा त्याग सदाचार भाव को जीने का सिद्धांत बनाया ....
पूर्वोत्तर के कण कण में,
माहेश्वरी उत्पति दिवस महेश नवमी
का जशन खूब रंग लाया ।।
प्राथमिकता धार्मिक संस्कारों को देकर,
खेलों से स्फूर्तिदार बनाया ।
रोचक प्रतियोगिता से तरंग दे,
नाटिका से सामाजिक विषयों पर जोर लगाया ।
विभिन्न कार्यशालाएं करवा कर
व्यक्तित्व को पारदर्शिदार बनाया।
उत्तम स्वास्थ्य को सुखी जीवन की पूंजी बनाकर पूर्वोत्तर ने इस बार पार्थिव शिवलिंग प्रतियोगिता करवा महेशनवमी उत्सव मनाया।।

वंश उत्पत्ति महेश नवमी पूजा अर्चना, अभिषेक, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभात फेरियां, शोभायात्राएं, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, रामनाम मालाए, गीता जी के मौखिक श्लोक,रुद्राष्टकम, शिवमहिमा, शिवतांडव , मेधावी छात्र छात्राओं एवं बुजुर्गों का सम्मान आदि के साथ संपन्न । शिव मंदिर जीर्णोद्धार।

स्थानीय कार्यक्रम ...बच्चों के लिए फैंसीड्रेस,कैरम, शतरंज, क्रिकेट, लूडो, चित्रकला, अंताक्षरी ,ब्रेन ट्रेन,आशु भाषण, म्यूजिकल चेयर ,धार्मिक अंताक्षरी इत्यादि प्रतियोगिताएं। महिलाओं के लिए ... संस्कारी बहू प्रतियोगिता, आरती की थाली सजाओ, मेहंदी, वृक्षारोपण, नेलआर्ट, पाककला, हमारी संस्कृति से संबंधित गूगल फॉर्म प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रतियोगिताएं। आज की पीढ़ी ओर वृद्धावस्था के बीच में कैसे रखें तालमेल विषय पर चर्चा । सामाजिक डोर किस ओर एवं हमारी मायड़ भाषा पर नृत्य नाटिका। बच्चों के लिए ... संस्कार कक्षाएं,बोलो तो जीतो सेल्फ कॉन्फिडेंस एवं पर्सनल डेवलपमेंट , फैमिली वैल्यूज, शिवपूजन विधि, टॉक शो, विभिन्न विषयों को लेकर कॉन्फिडेंस कार्यशाला, धार्मिक कहानी कवच... । महिलाओं के लिए चहकते रिश्ते महकती जिंदगी, वूमेन'स ट्रेडफेयर, ब्यूटीशियन क्लासेस, कम पूंजी से व्यवसायिक आत्मनिर्भरता, साड़ी ड्रेपिंग, गोपाला पोशाक कार्यशाला, डिजिटल रामायण एवं भागवत का प्रचार, सनातन धर्म इतिहास या प्रासंगिक, आत्म सुरक्षा महिलाओं के लिए । साइबर क्राइम – लर्न द टेक्नोलॉजी... बुजुर्गों के लिए, इत्यादि कार्यशालाएं। रैंपवॉक, स्वरुचि भोज व हाऊजी। जेल महिला कैदियों को जरूरतमंद सामग्री। मेधावी बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं बुजुर्ग सम्मान चिकित्सा हेतु.. विभिन्न जगह आई कैंप, ब्लड डोनेशन कैंप, डायबिटीज, प्रेशर चेकअप कैंप, हेल्थ चेकअप, हाइजीन किट वितरण, मेडिटेशन, मैंस्ट्रुएशन हाइजीन, शिविर आयोजित। वृद्ध आश्रम में खाद्य सामग्री वितरित एवं स्टील रेलिंग अनुदानित। एक साइकिल सहयोग। सभी स्थानीय पर कन्या दायजा एवं.दो कन्याओं के विवाह हेतु सहयोग सामग्री।हर जिला में सभा और युवा के साथ मिलकर बहुत ही सुंदर तरीके से महेश नवमी का हर कार्यक्रम सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ।

अध्यक्ष – पूनम मालपानी * सचिव – मधु झंवर

पश्चिम बंगाल प्रदेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी पर्व पर ''कौन बनेगा आध्यात्मिक गुरु'' खेल का किया आयोजन

साड़ी वाकेथान में पश्चिम बंगाल प्रदेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत 18 संगठनों द्वारा बहुत ही सुव्यवस्थित और अनुशासित तरीके से साड़ी वाकेथॉन किया गया। लगभग 345 महिलाओं ने भाग लिया। संगठनों में स्थानीय वशिष्ठ लोगों द्वारा फ्लैग ऑफ एवं मंदिर में बोर्ड का अनावरण करवाया गया।

कई स्थानों की रैली का विशेष आकर्षण वीरांगनाओ की वेशभूषा में तैयार हुई महिलाएं तथा सजी हुई झाकियां रहीं। प्रचंड गर्मी में शरबत जूस और नाश्ते की व्यवस्था की गई। प्रदेश में साड़ी वॉकथान में बहुत उत्सार्द्धक और सराहनीय प्रदर्शन रहा।

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक संगठन द्वारा महेश नवमी के शुभ अवसर पर 17 जून सोमवार को जुम प्रांगण में कौन बनेगा करोड़पति के तर्ज पर कौन बनेगी आध्यात्मिक गुरु खेल का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 90 प्रतिभागियों भाग लिया। कुल 9 प्रश्न पूछे गए। इसके तीन पड़ाव थे। 3 प्रश्न जीतने वालों को साधक की उपाधि और 300 की राशि, 6 प्रश्न जीतने वालों को आराधक की उपाधि और 600 की राशि 9 प्रश्न जीतने वालों को आध्यात्मिक गुरु की उपाधि और 1000 की राशि मिली। खेल में चार लाइफ लाइन भी थे 50-50, फोन ऑफ फ्रेंड, क्वेश्चन चेंज और ऑडियंस पोल।

खेल के बीच-बीच में जैकपोट प्रश्न भी पूछे गए और जीतने वाले प्रतिभागी को 200 की इनाम राशि दी गई।

कौन बनेगा आध्यात्मिक गुरु की पूरी टीम नेहा जी चितलांगिया, अमृता जी सारडा, सीमा जी चांडक और नवयुवती आस्था जी चितलांगिया ने मिलकर बहुत ही सुचारू रूप से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया। हमारे प्रदेश की सचिव सुधा जी एवं राष्ट्र कार्यकारिणी सदस्य नीरा जी के उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में चार चांद लगाये महासभा के अर्थ मंत्री श्री राजकुमार जी काल्या ने। आपके शब्दों ने हम सब में प्रोत्साहन का संचार किया। साथ ही पूर्वांचल उपाध्यक्ष गिरिजा जी सारडा ने अपना बहुमूल्य समय दे कर हमारे इस कार्यक्रम की गौरव को बढ़ाया।

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

125 सदस्यों ने नेत्रदान का लिया संकल्प

महेश वंशोतपति दिवस महेश नवमी का पावन पर्व 15 जून, 2024 को संपूर्ण नेपाल में बहुत धूमधाम से मनाया गया। काठमांडू मंच द्वारा भगवान महेश का पूजन, रुद्राभिषेक एवं 1,11,000 नमः शिवाय का जाप किया गया। कार्यक्रम में मंच के सभी पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही। मंच द्वारा अ. भा.मी. म. संगठन के साड़ी वाकेथान को सुचारू रूप से सम्पन्न कर, गौशाला में जाकर गौसेवा, 103 वर्ष की बुजुर्ग

का सम्मान,पशुपति मंदिर प्रांगण में शरबत वितरण एवं अनाथालय मे 600 जार पानी की जल सेवा आदि कार्यक्रम किये गये।संगठन अध्यक्ष श्रीमती निशा जी माहेश्वरी एवं महासचिव श्रीमती मल्लिका जी राठी भी उपस्थित थीं एवं समाज के वरिष्ठ बन्धुओं की भी अच्छी उपस्थिति रही। अंत में पुरस्कार वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। नेत्रदान महादान के 125 फॉर्म का वितरण हुआ जिनमें से 22फॉर्म भरकर आ गये हैं। विराटनगर मंच द्वारा 14 जून को भजन संध्या का आयोजन किया गया। 15 जून को प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें 100 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महेश नवमी का समारोह मनाया गया। भगवान उमा महेश की झांकी से मंच को सुशोभित किया गया। साड़ी वाकेथान में जिन्होंने झांकी प्रस्तुत की थी उन्हें भी पुरस्कृत किया गया। मेची मंच में गणेश पूजन और भगवान उमा महेश की पूजा-अर्चना की गई।अंत में मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

सगरमाथा मंच में शिव मंदिर में भगवान की पूजा-अर्चना आरती एवं भोग-प्रसाद के साथ महेश नवमी मनाई गई। रूपनदेही मंच द्वारा रंगारंग कार्यक्रम हास्य-विनोद, हाऊजी एवं भगवान उमा महेश की पूजा-अर्चना के साथ महेश नवमी का उत्सव मनाया गया।

अध्यक्ष-निशा माहेश्वरी ❋ सचिव-मल्लिका राठी

झारखंड बिहार माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी पर्व पर करीब 250 यूनिट रक्तदान किया

झारखंड बिहार प्रदेश के चार अंचल के कुल 19 संगठन में माहेश्वरी सभा, महिला संगठन एवं युवा संगठन ने सयुक्त रूप से 5157 वां माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस मनाया। इसकी शुरुआत प्रादेशिक बैठक मंगलम में मुजफ्फरपुर से हुई। 8 जून अखिल भारतीय से साड़ी वॉकथान प्रोजेक्ट सभी महिला संगठन सदस्य ने पीली साड़ी पहन कर लाल चुनरी लेकर नगर भ्रमण किया । रांची में - 92 यूनिट, गुमला में 22,जमशेदपुर में 75,पटना में 25, चाईबासा में 20 यूनिट ब्लड संग्रह किया । बॉक्स क्रिकेट, मेहंदी प्रतियोगिता, चैस, कैरम, फायर लेस कुकिंग कम्पटीशन , वृद्धा आश्रम एवं अनाथालय में खाद्य सामग्री वितरण, ग्रैंड पेरेंट्स के साथ बच्चों का रैंप वॉक, चशेयर होम में खाद्य वितरण, गौसेवा, सुंदरकांड पाठ, 10 एवं 12 मैं अव्वल बच्चों को एवं वरिष्ठ सदस्य को सम्मान, अंताक्षरी, हनुमान चालीसा एवं अन्य थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, दीपोत्सव, भव्य प्रभात फेरी, भगवान महेश का अभिषेक, सामूहिक भोजन के साथ पुरे प्रदेश में महेश नवमी का उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया गया ।

अध्यक्ष : निर्मला लड्ढा ❋ सचिव : संगीता चितलांगिया

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

500 राहगीरों को इडली सांभर बड़ा एवं डोसा वितरण, शोभायात्रा में 1100 लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा महेश नवमी पर्व पर 16 जून को कला मंदिर के प्रांगण में महासभा के अध्यक्ष, महामंत्री के साथ कई उच्च पदाधिकारियों की गौरवान्वित उपस्थिति, आ.हरिमोहन जी बांगड़, महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री जोधराज जी लढ़ा एवं दिवंगत श्री चुन्नीलाल जी सोमानी, श्री रघुनाथ दास जी सोमानी पूर्व महासभा अध्यक्षों को महेश गौरव सम्मान,महिला संगठन व सभी 10 अंचलों द्वारा 130 कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति माहेश्वरी सभा ,युवा के साथ मिलकर आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय द्वारा आयोजित साड़ी वाकेथान में सभी 10 अंचलों ने मिलकर 457 बहनों द्वारा साड़ी वाकेथान ढ़ोल, बैंड बाजा व संगीत के साथ किया गया। आयोजन में कई प्रशासनिक व राष्ट्रीय प्रदेश पदाधिकारीगण भी शामिल थे और उनको दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। शरबत,लस्सी ,पेयजल पिलाकर कई स्थानों पर सेवा कार्य किए गए। हावड़ा-300 राहगिरों को नींबू पानी (शिकंजी) का वितरण किया गया, माहेश्वरी सभा, युवा महिला संगठन तत्वाधान में रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम। हिन्दमोटर -माहेश्वरी सभा एवं युवा के साथ मिलकर भगवान महेश की आरती वंदना तत्पश्चात प्रसाद वितरण। पूर्व कोलकाता -सभी बहनों के साथ में मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना आरती की गई।

दक्षिण कोलकाता -राहीगारों के बीच छाछ वितरण एवं एक जरूरतमंद परिवार को उसके बच्चे के एडमिशन फीस के लिए 6000 प्रदान किए गए। बेलघरिया -सभा के साथ मिलकर रुद्रअभिषेक किया 500 राहगीरों को इटली सांभर बड़ा एवं डोसा वितरण किया गया। रिसडा- क़रीबन 1000 महिलाओं व भाइयों के साथ विभिन्न झांकियों में शोभायात्रा,भगवान महेश का महारुद्रा अभिषेक पूजन आरती,शाम को भजनों की अमृत वर्षा ,1100 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया बाली - माहेश्वरी सभा के साथ देवाधिदेव महादेव का पूजन बड़े धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष श्री शरद जी सोनी एंव कोलकाता प्रदेश के कई गणमान्य हस्तियां की गरिमामय उपस्थिति। मध्य कोलकाता-प्रभू महादेव का पूजन,गंगा आरती और आम,चीनी का जरूरतमंदों में वितरण। नवयुवती- तपती धूप में राहगीरों 1100 राहगीरों के मध्य का लस्सी वितरण।

प्रदेश अध्यक्ष-मंजु पेडीवाल * प्रदेश मंत्री-कुसुम मुंदडा

पश्चिमांचल

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पश्चिमी राजस्थान में पाली में बर्तन से मंदिर बनाने का दिया प्रशिक्षण

प्रदेश के सभी जिलों में महेश नवमी का प्रोग्राम धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। सभी जिलों में भगवान महेश की शोभायात्रा पूजा अर्चना के साथ निकाली गई। साथ ही सभी जगह विभिन्न प्रकार की झांकियां भी निकली गई। जोधपुर जिला महिला मंडल द्वारा तीन दिवसीय मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 79 प्रकार की जांच न्यूनतम दरों पर की गई। 200 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। हृदय रोग, पेट एवं लीवर, न्यूरोसर्जन ,स्पाइन, स्त्री एवं प्रसूति, एवं जनरल फिजिशियन ,डॉक्टर मौजूद रहे। नारी के चार स्वरूप पर एक कार्य गोष्ठी आयोजित हुई । इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंताक्षरी, बैडमिंटन, आदि प्रतियोगिताएं भी रखी गई। जोधपुर शहर महिला मंडल द्वारा तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाड़मेर जिले में सामान्य ज्ञान., शतरंज, मटका फोड़, दुनिया गोल है, मेहंदी, वन मिट्टी प्रतियोगिता रखी गई।

चौहटन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, कमर दुपट्टा, इयरबड्स कांटा, नींबू रबर, जी.के., हिंदी इंग्लिश काउंटिंग, आ बैल मुझे मार आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पाली जिले में व्यंजन प्रतियोगिता, बर्तन से मंदिर बनाना, टेबल सजाओ, तीन पैर , हमारा गौरव, आर्ट एंड क्राफ्ट, वाद विवाद, साड़ी पहनो, रामायण पर आधारित कार्यक्रम आयोजित हुए। जालोर जिले में योग प्राणायाम, एथलेटिक्स, स्लो साइकलिंग, सतोलिया, बॉक्स क्रिकेट, चाय से रंगोली बनाना, हेल्दी एवं बेस्ट चाट, बच्चों के चित्रकला, रक्तदान शिविर, कन्या एवं मातृशक्ति सम्मान, तृतीय संतान सम्मान, आइक्यू टेस्ट, अंताक्षरी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। जैसलमेर जिले में कृष्ण जन्म रास लीला नाटिका, मेहंदी प्रतियोगिता, रंगोली, लाल की शक्ति काली की बेगम, आदि प्रतियोगितायें आयोजित हुई। सभी जिलों में महेश नवमी को भोजन प्रसादी की व्यवस्था रही ।एवं प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण भी किया गया।

प्र.अ.–मनीषा मूंदड़ा

प्र.सचिव.–रीटा माहेश्वलवरी

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

26 स्थानीय संगठनों में हुआ साड़ी वाकेथान का आयोजन

ज्ञान के साथ विज्ञान ने हमे ऊंचाइयों पर पहुंचाया
तकनीकी ने हमें बहुत फायदा पहुंचाया
इसके साथ ही हमने किया संस्कृति का संवर्धन
परंपराओं के साथ ही मनाए महेश जयंती उत्सव

मध्य राजस्थान प्रदेश के द्वारा 29 मई को जूम सभागार में तकनीकी सिद्धि आओ चले तकनीकी पाठशाला की ओर– कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़,प्रमुख अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी,विशिष्ट अतिथि श्रीमती मधु जी बाहेती सुशोभित हुई।

प्रबुद्ध वक्ताके रूप में राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती भाग्यश्री जी चांडक और प्रदेश संयोजिका श्रीमती छवि जी भदादा विद्यमान थी।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश के दीप प्रज्वलन, वंदन और स्तवन स्वागत नृत्य से किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शशि लड्ढा ने सभी आगंतुक अतिथियो और उपस्थित बहनों का शाब्दिक अभिनंदन और प्रदेश सचिव मनीषा बागला ने सभी अतिथियों का परिचय दिया। विशिष्ट अतिथि पश्चिमांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मधु जी बाहेती ने शुभकामना संदेश,प्रमुख अतिथि माननीया ज्योति जी राठी राष्ट्रीय महामंत्री ने प्रेरणास्पद उद्बोधन, मुख्य अतिथि आदरणीय मंजुजी बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वीडियो के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कर आगामी कार्य योजना साड़ी वाकेथान के बारे में विस्तार से बताया। द.राज.प्रदेश संयोजिका श्रीमती छवि जी भदादा ने जीपीएस सिस्टम, प्रबुद्ध वक्ता राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती भाग्यश्री जी चांडक ने मोबाइल टेक्नोलॉजी का है अद्भूत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गूगल सर्च, क्रोम,गूगल ट्रांसलेशन, व्हाटसएप के लेटेस्ट फीचर्स, जूम एप,वीडियो एडिटिंग के साथ साइबर सिक्योरिटी के विभिन्न टिप्स के बारे में भी जानकारी दी। प्रदेश संयोजिका श्रीमती शोभा डागा द्वारा सभी का आभार व टोंक जिला अध्यक्ष श्रीमती कमलेश मुंदड़ा द्वारा संचालन किया गया। जूम सभा मे 199 बहनो ने अपनी उपस्थिति प्रदान की।

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान,साड़ी भारतीयता की पहचान हम हमारी संस्कृति को ना भूलें। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के आव्हान पर सम्पूर्ण प्रदेश में 26 संगठनों के अंतर्गत बहुत ही जोश, उमंग, हर्ष, उत्साह के साथ साड़ी वाल्केथन कार्यक्रम संपन्न हुआ। 1680 बहनों ने भाग लिया।

सभी जगह शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। सुंदरकांड पाठ के साथ विशेष पूजा अर्चना की गई। सहस्त्र घट आयोजित किए गए।इस अवसर पर बिजयनगर,अजमेर,कुचामन व मदनगंज किशनगढ़ में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।म्यूजिकल अन्ताराक्षरी, फैंसी ड्रेस में बच्चों ने विभिन्न रूप धर कर सभी का मन मोह लिया। मेघावी छात्र छात्राओ का अभिनंदन किया गया। एकल व युगल नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। महेश हाट लगाए गए। महेश नवमी के उपलक्ष में नागौर में जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें

वैदेही मानधनिया ने प्रथम तथा शिवानी जाजू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृति सिद्धा समिति द्वारा कुचामन में बार्ते कुछ ग्रन्थों की कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिवलिंग बनाओ प्रतियोगिता में 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए गए जिसमें महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसी के अंतर्गत गौ सेवा प्रकल्प रखा गया जिसमें महिलाओं युवाओं व प्रबुद्धजनों ने गौसेवा का लाभ उठाया। डीडवाना में महिला मंडल द्वारा बस स्टैंड पर सभी को गर्मी से राहत दिलाने हेतु ठंडा आम का रस पिलाया गया। देवली में भारतीय परंपरागत परिधानों का महत्व बताते हुए फैशन शो आयोजित किया गया।सरवाड़ में 75 वर्षीय बुजुर्ग सम्मान रखा गया। श्रीमती मनीषा बागला ने सम्मानीय अतिथि पद को सुशोभित करते हुए समाज की ज्वलंत समस्याओं के बारे में बताया और सभी समाज बंधुओं के समक्ष समाधान बिंदुओं पर चर्चा की।

प्रदेश अध्यक्ष–शशि लड्ढा ❊ प्रदेश सचिव–मनीषा बागला

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

साड़ी वाकेथान के साथ महेश नवमी का शुभारंभ एवं भगवान महेश के अभिषेक के साथ समापन

पूर्वी राजस्थान के सभी जिलों में महेश नवमी पर्व 8 जून साड़ी वॉकेथान से शुरू होकर 15 जून तक शोभायात्रा और सामूहिक भोजन के साथ संपन्न हुआ। साड़ी वाकेथान चारों जिलों में वॉक किया गया कोटा में महिला बैंड की मधुर धुन पर मुख्य अतिथि द्वारा शुरुआत से लेकर अंत तक वॉक की गई । सभी जगह मंदिरों पर पट्टिका का अनावरण शहर के गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा किया गया एवं बहनों को शपथ दिलाई गई।

कोटा, बारा, बूंदी, झालावाड़ जिलों में 9 जून को खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई फैंसी ड्रेस नाटक 90 की रेट्रो थीम पर महिलाओं द्वारा ग्रुप डांस व कोटा में उभरते सितारे, कार्यक्रम में Coin ज्वैलरी, स्टील के बर्तनों से मंदिर बनाओ मुखवास, मॉम हम तुम प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रदेश द्वारा समाज के लोगों सेवा त्याग सदाचार स्वरचित कविता लिखवाई गई पार्टिसिपेट ने बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। 14 तारीख को सभी जगह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें झालरापाटन में 121 यूनिट, कोटा में 55 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ। बारां जिले में समाज से नेत्रदान करवाने पर दो परिवारों को सम्मानित किया गया 15 तारीख महेश नवमी के दिन सुबह सभी जगह अभिषेक एवं सुंदर झांकी के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। सब सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति देने वाले सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया महाप्रसादी के साथ सभी जगह महेश नवमी कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्र. अध्यक्ष–मंजु भराड़िया ❊ प्र. मंत्री–नीलम तापड़िया

दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

मातृ दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ का 12 मई 2024 मातृ दिवस के शुभ अवसर पर स्थान संगम यूनिवर्सिटी में पश्चिमांचल प्रदेश, जिला, तहसील नगर, नगर सभा के सदस्य एवं सभी क्षेत्रीय संगठनों के द्वारा हर्षोल्लास और उमंग से स्वागत सत्कार किया गया। महेश वंदना व दीप प्रज्वलन के बाद प्रदेश

अध्यक्ष सीमा कोगटा ने निशुल्क जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, बुक बैंक, नारी सशक्तिकरण, हाट बाजार मेडिकल बैंक, सनातन संस्कृति के 16 संस्कार की पाठशाला, पश्चिमा दर्शन पुस्तक के बारे में ट्रस्ट से मिलने वाली सहायता राशि, तकनीकी क्षेत्र में किए जाने वाले कार्य, आदि बिंदुओं के बारे में विस्तृत जानकारी अपने उदबोधन में प्रदान की।

जिला अध्यक्ष प्रीति लोहिया लो कास्ट मशीन जरूरतमंद मेडिकल डिस्काउंट कार्ड, तकनीकी कक्षाओं पर विशेष ध्यान प्रदान करने के बारे में अपने वक्तव्य में बताया। नगर अध्यक्ष सुमन सोनी ने डॉ उत्तम माहेश्वरी एवं संगीता काबरा द्वारा लिए जाने वाला सेमिनार, गर्भवती स्त्रियों की सहायता, 14 क्षेत्रीय संगठनों की एक जुटता, व्यवहारिक कौशल के अंतर्गत अपनी ही बहनों द्वारा रंगोली पेंटिंग पार्लर का कार्य सिखाया जाना संपूर्ण जानकारी प्रदान करी । पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री शिखा भदादा ने उदबोधन दिया और अंचल के समस्त प्रदेश के अंतर्गत दक्षिणी राजस्थान प्रदेशके कार्यों के बारे में सराहना की। अखिल राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता मोदानी द्वारा स्वागत सत्कार पर धन्यवाद आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मंजुजी बांगड ने अपने काव्य मय उदबोधन के साथ वक्तव्य प्रारंभ करते हुए उपस्थित पदाधिकारी और सभी बहनों का शाब्दिक स्वागत किया साथ ही मातृ दिवस की मंगल कामनाएं प्रेषित की। आपने पश्चिमांचल के अंतर्गत दक्षिणी राजस्थान प्रदेश के कार्यो को श्रेष्ठ बताते हुए विभिन्न बातों से अवगत कराया एवं कहा कि दक्षिणी राजस्थान में ही मेडिकल बैंक का कार्य स्थानीय स्तर तक हो रहा है। प्रभु श्री राम के चरित्र को चरितार्थ किया। समय की सीमा है पर सोच की सीमा नहीं इसीलिए श्रेष्ठ सोचे श्रेष्ठ पाए।

अपने सत्र के अंतर्गत तीन काम का होना यादगार बताया है राम मंदिर बनना ,नारी शक्ति अधिनियम पास होना, महिला राजनीति पर चर्चा, तकनीकी सुडोकू प्रतियोगिता के बारे में भी अवगत कराया ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जाजू ट्रस्ट से सहायता प्राप्त करने वाली दो बहनों से व्यक्तिगत रूप से मिली व महेश नवमी की शुभकामनाएं दी। बातचीत करते हुए उनकी जरूरतो को समझा । पूर्ण जानकारी लेते हुए उन्हें स्वावलंबन हेतु प्रेरित किया। इसके लिए एक बहन द्वारा सिलाई मशीन के लिए कहा गया जिसको भीलवाड़ा में ही महिला संगठन द्वारा प्रदत्त किया जाएगा। एक बहन की संगीत में रुचि है अतः उसे भी सामाजिक मंच द्वारा इस प्रतिभा को रूबरू कराने का का आश्वासन दिया गया।

जिला सचिव भारती बाहेती नगर सचिव सोनल माहेश्वरी ने मेडिकल बैंक एवं कन्यादान प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी प्रदान करी। मेडिकल बैंक के अंतर्गत 5 बेड 2 व्हीलचेयर दी गई। संयोजक प्रेमलता जागेटिया द्वारा दो कन्या के विवाह हेतु उपहार सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में प्रदेश मंत्री डॉ सुशीला असावा द्वारा पदाधिकारी एवं सभी बहनों के लिए आभार व्यक्त एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन चेतना जागेटिया द्वारा किया गया ।

दक्षिणी राजस्थान का राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया भ्रमण, वहां हुआ भव्य स्वागत, साड़ी वाकेथान भी सम्पन्न

अ.भा.माहे.म. संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ का दिनांक 12 मई 2024 मातृत्व दिवस के शुभ अवसर पर पश्चिमांचल के दक्षिणी राजस्थान प्रदेश मे पधारने पर हुआ भव्य स्वागत । राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता जी मोदानी, जिला सचिव भारती जी बाहेती व संचारसिद्धा पश्रिचमांचल सह संयोजीका विनीता जी डाड, मंजुजी के साथ जिला उदयपुर व जिला राजसमंद में भ्रमण किया। भीलवाड़ा पधारने पर प्रदेश, जिला एवं नगर माहेश्वरी महिला संस्थान, तहसील जिला, नगर सभा के सदस्य एवं सभी क्षेत्रीय संगठनों द्वारा हर्ष उल्लास और उमंग से स्वागत सत्कार किया गया व मातृत्व दिवस मनाया ।

प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा ने निशुल्क जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा, बुक बैंक, नारी सशक्तिकरण, हाट बाजार, मेडिकल बैंक, सनातन संस्कृति के 16 संस्कारों की पाठशाला, पश्चिमा दर्शन पुस्तक के बारे में , ट्रस्ट से मिलने वाली सहायता राशि, तकनीकी क्षेत्र में किए जाने

रा.अ. द्वारा दक्षिण राजस्थान का भ्रमण

साड़ी वाकेथान में महिलाओं के बैंड की प्रस्तुति

वाले कार्य आदि बिंदुओं पर अपने उद्बोधन में विस्तृत जानकारी प्रदान की। आदरणीय मंजुजी बांगड़ ने काव्य मय उद्बोधन के साथ वक्तव्य प्रारंभ किया व कहा कि समय की सीमा है पर सोच की सीमा नहीं, इसीलिए श्रेष्ठ सोचें श्रेष्ठ पाएं। आगे उन्होंने अक्षय तृतीया का अर्थ भी खूब समझाया 'अ' से अतुल्य सेवा, 'क्ष' से क्षमता अपार व 'य' से यथा योग्य सफलता। मेडिकल बैंक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे राष्ट्र में केवल एक ही मेडिकल बैंक है। जीवन संयोग से मिलता है पर सहयोग से चलता है। महिलाओं के विकास के लिए प्रदेश के आह्वान पर आयोजित व्यावसायिक कौशल को उन्होंने महिलाओं को स्वावलंबी बनाना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्तिकरण बनाना बताया।

प्रदेश सचिव डॉ. सुशीला असावा ने बताया कि मंजुजी बांगड़ के कर कमलों से तीन कन्याओं को शादी के लिए आर्थिक सहायता व अन्य आवश्यक संसाधन प्रदान किए गए, जिनकी कुल राशि 4,00,000 है। कार्यक्रम को सफल करने में जिला अध्यक्ष प्रीति लोहिया, जिला सचिव भारती बाहेती, नगर अध्यक्ष सुमन सोनी, नगर सचिव सोनल माहेश्वरी का सहयोग रहा।

प्रदेश द्वारा ट्रस्ट से दो बहनों को मेडिकल हेतु और एक बहन को व्यवसाय हेतु राशि दिलवाई। कार्यकर्ता शिविर चित्तौड़ एवं राजसमंद जिले में लिया गया जिसको पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री शिखा जी भदादा व राष्ट्रीय प्रभारी संजीवनी सिद्धा कुंतल जी लोधनीवाल ने लीड किया। आखन देखी प्रतियोगिता में भीलवाड़ा से चेतना जागेटिया ने पंचम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्र की आह्वान पर साड़ी वाकेथान में जिला भीलवाड़ा से 350 ,चित्तौड़ से 200, उदयपुर से 150 व राजसमंद से 100 कूल 800 महिलाओं ने अपनी भागीदारी दी व शपथ ली।

प्र. अध्यक्ष–सीमा कोगटा * प्र. सचिव–डॉ. सुशीला असावा

राजेश बिरला एवं आशा माहेश्वरी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

माहेश्वरी महिला मंडल कोटा की ओर से अवार्ड सेरेमनी 'मध्यांतर' कार्यक्रम का माहेश्वरी भवन झालावाड़ पर आयोजित किया गया। 'मध्यांतर' में मंडल को ऊंचाइयों तक पहुँचाने के लिए जिन महिलाओं ने वर्षभर सहयोग किया, उनका सम्मान किया गया। सचिव सरिता मोहता ने बताया कि कार्यक्रम में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के उपसभापति (पश्चिमांचल) राजेशकृष्ण बिरला व पूर्व राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष आशा माहेश्वरी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राजेश कृष्ण बिरला ने कहा कि महिलाओं को जीवन में कई रिश्ते निभाने होते हैं, वह परिवार,समाज की आधारशिला है। आशा माहेश्वरी ने इस अवसर पर महिलाओं को टीमवर्क से काम करने कि सलाह दी। अवार्ड सेरेमनी में 60 अवॉर्ड्स दिये गये।

–प्रीति राठी, अध्यक्ष

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

कर्नाटक गोवा प्रदेश में छाई है बाहर,
रिमझिम बरस रही सावन के त्योहारों की फुहार।
आप सभी के जीवन में हो खुशियां अपार, स्वीकार करें दे रहे हैं शुभकामना बार–बार।।

अखिल भारतवर्ष माहेश्वरी महिला संगठन कार्यसमिति एवं कार्यकारिणी सदस्य

प्रकाश मूंधड़ा (बेंगलुरु)
सत्र संरक्षक एवं
राष्ट्रीय महिला सेवा ट्रस्ट कोषाध्यक्ष

शोभा भूतड़ा (हुबली)
प्रदेश सलाहकार एवं
दक्षिणांचल अर्थ सिद्धा समिति सहप्रभारी

कमला तोषनीवाल (बेलगाम)
प्रदेश सलाहकार एवं
दक्षिणांचल रघुकुल रीति सिद्धा समिति सहप्रभारी

पुष्पा गिलड़ा (गुलबर्गा)
प्रदेश निवर्तमान अध्यक्ष
राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य

सरोज कासट (बागलकोट)
प्रदेश अध्यक्ष

सुनीता लाहोटी (बेंगलुरु)
प्रदेश सचिव

उमा भट्टड़ (बनहट्टी)
प्रदेश कोषाध्यक्ष

सरिता सारड़ा (बेलगाम)
प्रदेश संगठन मंत्री

कांता काबरा (बेंगलुरु)
प्रदेश संयोजिका
स्वयं सिद्धा समिति

सपना लोया (गुलबर्गा)
प्रदेश संयोजिका
संस्कार सिद्धा समिति

विजयलक्ष्मी सारड़ा (बेंगलुरु)
प्रदेश संयुक्त मंत्री

भावना राठी (हुबली)
प्रदेश उपाध्यक्ष

कंचन राठी (बागलकोट)
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

सुनीता राठी
कार्यसमिति

अस्मिता मूंदड़ा
अध्यक्ष

शशि डोंगरा
सचिव

मनीषा सोमानी
सहप्रभारी

अनुजा काबरा
सहप्रभारी

पुष्पा सोमानी
कार्यकारिणी

हेमा चांडक
कार्यकारिणी

गीता सोमानी
कार्यकारिणी

संगीता चांडक
कार्यकारिणी

सुशीला मूंधड़ा
कार्यकारिणी

रीता मूंधड़ा
कार्यकारिणी

मंजू पेड़ीवाल
कार्यकारिणी

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, यशवंत निवास रोड
इन्दौर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।